रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची, शुक्रवार 28 जून 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 80 — आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.2	28.8
जमशेदपुर	37.0	26.0
डालटनगंज	39.8	27.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

नरसिंह इस्पात के खिलाफ सामाजिक संगठनों ने मोर्चा खोला, कहा-

कंपनी फैला रही प्रदूषण, होगी अब आर-पार की लड़ाई

दिलीप कुमार । चांडिल

चौका-कांड्रा रोड पर खूंटी में संचालित नरसिंह इस्पात लिमिटेड प्रदूषण फैला रहा है और स्थानीय प्रशासन चुप्पी साधे हुए है. प्रशासन की चुप्पी से स्थानीय सामाजिक संगठनों के लोग गुस्से में हैं.

सामाजाक संगठनों ने अब नरसिंह इस्पात के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है.नियम कानून जेब में रखकर कंपनी का संचालन करने के कारण प्रबंधन के खिलाफ अब पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा कई सामाजिक संगठन व अमन पसंद लोगों ने भी कमर कस ली है और मुखर होकर आगे आ रहे हैं. स्थानीय लोग भी संयुक्त ग्राम सभा के बैनर तले वृहद आंदोलन की रणनीति बना रहे हैं. सामाजिक संगठनों के अगुवा ने कहा है कि एक ओर इस्पात कंपनी प्रदूषण फैला रही है, किसानों के उपयोग के लिए जो पानी नगर में छोड़ा गया है, उसकी चोरी कर फैक्ट्री में उपयोग कर रहे हैं, तो दूसरी ओर प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है. इससे साफ जाहिर होता है कि कंपनी को स्थानीय प्रशासन ने मनमानी की छूट दे रखी है. लेकिन अब सामाजिक संगठन चुप नहीं बैठेंगे, नरसिंह इस्पात के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ेंगे.

जनसुनवाई की मांग को ले एसडीओ से मिलेंगे : प्रकाश मार्डी

नरसिंह इस्पात कंपनी के मामले में अब क्षेत्र के सामाजिक संगठन भी आंदोलन के मूड में है. कई सामाजिक संगठन कंपनी संचालन की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी से मुलाकात करने वाले हैं. आदिवासी समन्वय समिति चांडिल अनुमंडल ने नरसिंह इस्पात मामले में ग्राम सभा के आरोपों की जांच की मांग को जायज ठहराते हुए अनुमंडल पदाधिकारी से मिलने की तैयारी की है. समिति कंपनी के चारों ओर बसे गांवों के ग्रामीणों के साथ जनसुनवाई कराने की मांग करेगी. समिति के अध्यक्ष प्रकाश मार्डी ने कहा कि क्षेत्र में औद्योगिक प्रतिष्ठानों का संचालन हो, लेकिन क्षेत्रवासियों को बगैर कोई नुकसान पहुंचाए. किसी भी कंपनी का संचालन क्षेत्र के विकास के लिए होना चाहिए, न कि आम लोगों के व प्राकृतिक संसाधनों के विनाश के लिए.

ग्रामसभा के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच हो : श्यामल मार्डी

पातकोम दिशोम माझी पारगाना महाल ने भी चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी से मिलकर ग्राम सभा द्वारा नरसिंह इस्पात पर लगाए जा रेह आरोपों की जांच की मांग की है. महाल के महासचिव श्यामल मार्डी ने कहा कि ग्राम सभा के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच हो और दोषी पाए जाने पर कंपनी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि ग्राम सभा को इस मामले में विचार-विमर्श कर आगे की रणनीति बनाने की जरूरत है. जल्द ही इस संबंध में महाल ग्राम सभा से मिलकर आगे के आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा. सामाजिक संगठनों का सहयोग मिलने पर ग्राम सभा और स्थानीय ग्रामीणों के आंदोलन को मजबूती मिलेगी. लोगों का कहना है कि क्षेत्र में औद्योगिक प्रतिष्ठान स्थापित हों, लेकिन इसमें ध्यान रखा जाना चाहिए कि वातावरण और स्वास्थ्य पर इसका किसी प्रकार का दुष्प्रभाव ना पड़े.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,600
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

रांची । कैबिनेट की बैठक शुक्रवार को होगी. मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने यह जानकारी दी है. बैठक में चंपाई सरकार कई महत्वपूर्ण फैसले भी लेगी. एनर्जी डिपार्टमेंट के पुनर्गठन के प्रस्ताव को भी हरी झंडी मिल सकती है. इस प्रस्ताव पर सीएम ने सहमति दे दी है. प्रस्ताव के मुताबिक ऊर्जा विभाग में अब दो से बढ़ा कर चार प्रमंडल किए जाएंगे. इसमें जमशेदपुर और दुमका नया प्रमंडल बनेगा. पहले से रांची और धनबाद प्रमंडल ही कार्यशील हैं.

मोदी ने की नीतीश के नेतृत्व की सराहना

नयी दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एनडीए के प्रमुख घटक दल जदयू के सांसदों से मुलाकात की और बिहार के सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना की. उन्होंने एक्स पर कहा, जदयू सांसदों के साथ बैठक बहुत अच्छी रही. हमारी पार्टियों का साथ मिलकर काम करने और बिहार में खराब शासन, भ्रष्टाचार और अपराधीकरण के खिलाफ संघर्ष करने का लंबा इतिहास रहा है. नीतीश कुमार जी के नेतृत्व ने बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर किया है.

संत जेवियर्स कॉलेज रांची पूर्वोत्तर भारत में नंबर वन

रांची । संत जेवियर्स कॉलेज रांची पूर्वोत्तर भारत में बेस्ट कॉलेज बना है. इंडिया टुडे के वार्षिक रैंकिंग सर्वे में कॉलेज को नंबर वन कॉलेज चुना गया है.पूर्वोत्तर में संत जेवियर्स कॉलेज रांची को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेस्ट कॉलेज की श्रेणी स्थान मिला है. संकायवार आर्ट्स-कॉमर्स में पूर्वी क्षेत्रवार कॉलेजों में दूसरा स्थान मिला है. वहीं, पूरे भारत की रैंकिंग में संत जेवियर्स ने कला में 34वां, विज्ञान में 74वां और वाणिज्य संकाय में 37वां स्थान प्राप्त किया है. प्रोफेशनल कोर्स बीबीए भी पूरे भारत में 32वां स्थान मिला. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फादर एन लकड़ा, उप- प्राचार्य डॉ. रोबर्ट प्रदीप कुजूर ने बताया, हमारा प्रयास रहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यहां के छात्र परचम लहराएं और कॉलेज का मान-सम्मान स्थापित करें.

चिंताजनक | 6576 डीसी बिल पेंडिंग

₹1500 करोड़ का नहीं मिल रहा हिसाब

विडंबना

रवि भारती । रांची

राज्य में विकास योजनाओं में खर्च की गई लगभग 1500 करोड़ का हिसाब नहीं मिल रहा है. अब तक 6578 डीसी बिल कोषागारों में लंबित हैं. इस राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी जमा नहीं किया गया है. खास बात यह है कि मुख्यमंत्री विकास योजना के तहत खर्च की गई राशि का भी उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित है. सबसे अधिक गिरिडीह, हजारीबाग, धनबाद, दुमका, बोकारो, गढ़वा, गुमला, पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक डीसी बिल लंबित हैं.

रिमाइंडर का भी असर नहीं : एजी और वित्त विभाग ने भी विभागों सहित जिलों में खर्च की गई राशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र को लेकर कई बार रिमाइंडर भेजा लेकर अब तक राशि का समायोजन नहीं हो पाया है. मुख्य सचिव स्तर से भी समीक्षा की गयी जिसमें यह पाया गया कि अधिकांश जिलों में विधायक योजना, मुख्यमंत्री विकास योजना की बड़ी राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित है.

जिलों को भी दिया गया है निर्देश: डीसी बिल लंबित मामले को लेकर राज्य के जिलों को अब तक पांच से छह बार दिशा-निर्देश दिये गये हैं. जिलों को स्पष्ट कहा गया है कि इस संबंध में विभागीय पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र से समारित करने के बावजूद राशि का समायोजन लंबित है. इस पर आगे की कार्यवाही जल्द करें.

इस वित्तीय वर्ष में जारी किए गए 410 करोड़ : वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ग्रामीण विकास विकास ने विधायक निधि के 410 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं. इसमें जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत 44 विधानसभा क्षेत्र के विधायकों के लिए 220 करोड़ व अन्य क्षेत्र उपयोजना अंतर्गत 38 विधानसभा क्षेत्र के लिए 190 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं. ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन ने कहा है कि राशि की निकासी संबंधित जिलों के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी द्वारा की जाएगी. निकासी की गयी राशि संबंधित विधानसभा क्षेत्रवार खोले गये बैंक खाता में रखी जाएगी. कार्यकारी एजेंसी, संवेदक, वेंडर को उनके द्वारा समर्पित मापी पुस्त, विपत्र एवं फोटोग्राफ इत्यादि के जांच के बाद ही राशि का भुगतान होगा.

सीएम विकास योजना राशि का भी उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित

किस जिले में कितना बकाया

सरायकेला-खरसावां- 67.92 करोड़,गोड्डा- 75.3 करोड़,दुमका- 86.58 करोड़,पलामू- 68.54 करोड़,हजारीबाग-98.47 करोड़, धनबाद-86.86 करोड़,गिरिडीह- 109.73 करोड़,देवघर- 8.65 करोड़, लोहरदगा-5.01करोड़,खूंटी-12.55 करोड़,सिमडेगा- 11.93 करोड़,जामताड़ा- 15.03 करोड़,कोडरमा-10.81करोड़,चतरा- 29.66 करोड़,साहेबगंज- 41.08 करोड़,लातेहार- 37.12 करोड़,पश्चिमी सिंहभूम- 46.94 करोड़,रामगढ़-42.68 करोड़,पाकुड़- 52.3 करोड़,बोकारो-67.42 करोड़,गुमला- 53.41 करोड़,गढ़वा- 63.05 करोड़, पूर्वी सिंहभूम- 74.54 करोड़.

अब ये दिए गए हैं निर्देश

- आवंटित राशि का व्यय विधायकों द्वारा अनुशंसित योजनाओं पर विधायक योजना की गाइडलाइन के तहत किया जाए.
- निकासी की गयी राशि का खर्च स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित विकासात्मक प्रवृति की टिकाऊ परिसंम्पतियों के सृजन पर ही किया जाए.
- निकासी की गयी राशि के बाद समेकित उपयोगिता प्रमाण पत्र भी हर हाल में जमा करना अनिवार्य होगा.
- यदि किसी विधानसभा सदस्य का निर्वाचन क्षेत्र एक से अधिक जिलों में पड़ता है, तो उनके द्वारा अनुशंसित योजना की राशि निकासी कर दूसरे जिलों को हस्तांतरित कर दी जाएगी.

आपातकाल पर राष्ट्रपति की भी खरी-खरी

लगातार न्यूज । नयी दिल्ली

पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फिर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को अपने अभिभाषण में आपातकाल की भर्त्सना करके कांग्रेस को दबाव में लाने की कोशिश की है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता जताते हुए आपातकाल की निंदा की और इसे संविधान पर सीधे हमले का

सबसे बड़ा और काला अध्याय बताया. उन्होंने परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की हालिया घटनाओं की जांच कराने और दोषियों को सजा दिलाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि आगामी आम बजट में कई ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे एवं प्रमुख आर्थिक निर्णय लिए जाएंगे. 18वीं लोकसभा में पहली बार संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि उनकी सरकार देश के युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने में सक्षम बनाने के लिए माहौल तैयार करने का काम कर रही है.

-पेज 12 भी देखें

नीट पर विपक्ष सदन में लाएगा स्थगन प्रस्ताव

नयी दिल्ली । नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली को लेकर विपक्ष संसद के दोनों सदनों में खास चर्चा चाहता है. इसके लिए संसद में स्थगन प्रस्ताव लाएगा. विपक्ष ने कहा है कि वह शुक्रवार को संसद में इस मुद्दे को उठाएगा. बताया जा रहा है कि सरकार भी इस मामले पर सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है. नीट के मुद्दे पर विपक्ष खासकर राहुल गांधी शुरू से हमलावर रहे हैं.

टी-20 वर्ल्ड कप

भारत शान से फाइनल में

सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 68 रन से हराया

भारत : 171/7
इंग्लैंड : 103/10

- **रोहित शर्मा ने कप्तान के तौर पर पूरे 5000 रन**

एजेंसी । जॉर्जटाउन (गयाना)

भारतीय टीम ने इंग्लैंड से 2022 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेते हुए फाइनल में एंट्री मार ली है. भारत ने इंग्लैंड को 68 रनों के बड़े अंतर से हराया. रोहित की कप्तानी में भारत 10 साल बाद टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचा है. 2014 में उसे श्रीलंका से हार मिली थी और फाइनल जीतने का सपना टूट गया था. इस बार उसके पास अच्छा मौका है और अब उसकी भिड़ंत साउथ अफ्रीका से 29 जून को होगी, जो अफगानिस्तान को हराकर पहुंची है. इससे पहले भारत 2017 में आखिरी बार आईसीसी के लिमिटेड ओवरों की ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा था, जिसमें उसे पाकिस्तान से हार मिली थी.मैच में कप्तान रोहित शर्मा (57 रन) के कम उछाल वाली पिच पर खेली गई अर्धशतकीय पारी से भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 7 विकेट पर 171 रन का स्कोर खड़ा किया. विराट कोहली (09) पारी को तेजी देने के प्रयास में फिर जल्दी आउट हो गए, लेकिन रोहित (39 गेंद) को सूर्यकुमार यादव (36 गेंद पर 47 रन) के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला. दोनों ने भारत को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया. जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरे अंग्रेज कप्तान जोस बटलर के आउट होने के बाद ताश के पत्ते की तरह ढह गए.

इंग्लैंड से 2022 की लगान वसूल

3 विकेट लेकर अक्षर पटेल मैन ऑफ द मैच

रोहित शर्मा
57 रन
39 गेंद
06 चौका
02 छक्का

10 साल बाद फाइनल में भारत

2022 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की हार का बदला पूरा

कल बारबाडोस में साउथ अफ्रीका से होगी फाइनल जंग

भारत की जीत के हीरो

कुलदीप यादव	रोहित शर्मा	जसप्रीत बुमराह	सूर्यकुमार
3 विकेट	57 रन	2 विकेट	47 रन

भागवत संदेश पर निरर्थक क्लेश

प्रसंगवश

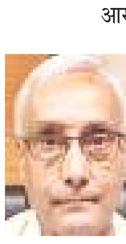

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

लोकसभा के नये सदस्यों ने शपथ ले ली है. संसद में गरज के साथ छींटे पड़ रहे हैं. माहौल वैसा ही है जैसा चुनाव के समय था. यह अभी रहेगा. समय-समय पर गाढ़ा भी होगा. इसी बीच आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक भाषण ने बखेड़ा खड़ा कर दिया है. कहा जा रहा है कि संघ भाजपा से नाराज है. भाजपा के बड़े नेता संघ की उपेक्षा कर रहे हैं. इस विमर्श में इंद्रेश कुमार के बयान और संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में रतन शारदा के आलेख ने जायकेदार छौंक लगा दी है. तो क्या यह मान लिया जाये कि संघ ने सचमुच भाजपा का साथ छोड़ दिया है ? कहा तो यह भी जा रहा है कि संघ के निष्क्रिय होने की वजह से ही भाजपा बहुमत नहीं पा सकी. यदि इसे मान लिया जाये तो सवाल उठता है कि क्या अब संघ विपक्ष की गालियां नहीं सुनेगा ? दरअसल ऐसा कुछ नहीं है. हकीकत यह है कि संघ और भाजपा का संबंध नाभि-नाल का है. संघ ने अपना एक वरिष्ठ स्वयंसेवक बतौर संगठन महामंत्री भाजपा में बैठा रखा है. समन्वय के लिए संघ के एक सह सर कार्यवाहक भी तैनात हैं. प्रदेशों के संगठन मंत्री भी स्वयंसेवक ही हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघ के प्रचारक रहे हैं. अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी से लेकर भाजपा के अधिकतर विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री संघ से ही जुड़े हैं. फिर संघ भाजपा से नाराज क्यों होगा और भाजपा उसे नाराज क्यों होने देगी ? क्या अब संघ कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, द्रमुक, झामुमो आदि दलों का समर्थन करेगा ? ऐसा सोचना सिर्फ घनचक्करी कवायद ही होगी. सच तो यह है कि भाजपा के लिए संघ की हैसियत भृकुटि विलास सृष्टि लय होई जैसी है. संघ नहीं चाहता तो न लालकृष्ण आडवाणी नेपथ्य में जाते, ना ही नरेंद्र मोदी की ताजपोशी हो पाती. क्या यह तथ्य नहीं है कि जिन्ना पर आडवाणी के बयान से संघ ऐसा बिफरा कि भैरो सिंह शेखावत और जसवंत सिंह ने बीच-बचाव न किया होता या तरकीब न सुझायी होती तो आडवाणी अपनी ही भाजपा से निकाल दिये गये होते ? आखिर उन्हें अध्यक्ष पद और नेता प्रतिपक्ष के पद से हाथ धोना ही पड़ा. निहितार्थ यह कि यदि संघ न चाहे तो न मोदी प्रधानमंत्री रह पाएंगे, न नड्डा पार्टी अध्यक्ष. संघ की नाराजगी के कारण आडवाणी के ही चेले वेंकैया नायडू, प्रमोद महाजन, अरुण जेटली आदि उनके खिलाफ हो गये थे.

1925 में बना संघ अपने दो स्वयंसेवकों अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बना चुका है, जबकि 1925 में बनी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया न केवल टूटी बिखरी, खुद को भूमंडल का सर्वाधिक विद्वान माननेवाले कामरेड और उनके पिछलग्गू बुद्धिजीवी वामपंथ को प्रमुख विपक्षी दल भी नहीं बना सके. खैर संघ प्रमुख ने संघ शिक्षा वर्ग के समापन के अवसर पर अपने समारोप संबोधन में जो कुछ कहा उसमें कुछ उन लोगों के विचार थे जिन्होंने अपने बौद्धिकों से स्वयंसेवकों को अभिसिंचित किया था. लेकिन उनके भाषण के तिल को ताड़ बना दिया गया, जबकि उन्होंने बुद्धि और ज्ञान के दुरूपयोग का जिक्र करते हुए विपक्ष को भी धोया था. जहां तक मणिपुर की बात है तो वह इस पर वह पिछले विजयादशमी के संबोधन में भी चिंता व्यक्त कर चुके थे. मोहन भागवत की यह भी शिकायत थी कि सियासी संग्राम में संघ को क्यों घसीटा जाता है. लेकिन मुद्दा बना स्वयंसेवक को अभिमानी नहीं होना चाहिए और मणिपुर में शांति बहाली. स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए यह मूल विचार राम गिरि का था, लेकिन पूरे चुनाव में मोदी को अहंकारी निरूपित करनेवालों ने इसे पकड़ लिया, जबकि किसी सरकार का अध्यादेश प्रेस कांफ्रेंस में यह कहते हुए फाड़ देना कि इट इज नानसेंस सौम्यता और विनम्रता है.

-शेष पेज 7 पर

31 छात्रों को मिली नौकरी

सीएम ने कल्याण गुरुकुल एवं कौशल कॉलेज के 31 छात्र- छात्राओं को नियुक्ति पत्र सौंपा

विशेष संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने एससी/एसटी, अल्पसंख्यक एवं ओबीसी कल्याण विभाग के प्रयोजन वाहिनी (एसपीवी) का काम कर रही प्रज्ञा फाउंडेशन द्वारा संचालित कल्याण गुरुकुल एवं कौशल कॉलेज के 31 छात्रों को गुरुवार को नियुक्ति पत्र सौंपा.

जिन्हें नियुक्ति पत्र मिला, उनमें कल्याण गुरुकुल के 13 का चयन दुबई की कंपनी, नर्सिंग की 4 छात्राओं का चयन हैदराबाद के बड़े अस्पताल, क्लीनरी के छह का चयन राजस्थान और आठ का हैदराबाद के बड़े होटल के लिए हुआ है. प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने छात्रों सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.

नौकरी पानेवालों के साथ मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सहित अन्य अधिकारी.

सीखने की प्रक्रिया जारी रखें : चंपाई सोरेन

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि संसार में कभी कोई कार्य रुकता नहीं है. ऐसे में बदलते समय के अनुरूप अपने को बनाए रखना जरूरी है. आप अपने कार्यों में निरंतरता के साथ सीखने की प्रक्रिया भी हमेशा जारी रखें. यह आपको और भी आगे ले जाएगा. यहां जिन छात्र- छात्राओं को नियुक्ति पत्र मिला है, उनमें ज्यादातर ग्रामीण परिवेश के हैं. ऐसे में आप उनके लिए किसी न किसी रूप में प्रेरणास्रोत बनेंगे. आपकी सफलता ग्रामीण युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी. जब आपके पास हुनर होगा तो रोजगार के अनेक मौके मिलेंगे.

झारखंड समेत कई राज्यों की पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है सुनील

झारखंड पुलिस का मोस्ट वांटेड अपराधी सुनील मीणा दुबई की कर रहा सैर

सौरभ सिंह। रांची

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

- जेल में बंद अपराधी अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है

झारखंड पुलिस का मोस्ट वांटेड अपराधी इन दिनों दुबई की सैर कर रहा है. उसकी एक तस्वीर भी सामने आयी है. हम बात कर रहे हैं, जेल में बंद अपराधी अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सुनील मीणा उर्फ मयंक सिंह की, जिसकी गिरफ्तारी झारखंड समेत कई राज्यों की पुलिस के लिए चुनौती है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है. वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया सुनील कुआलालमपुर में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया और मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा. वह लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर राजस्थान और पंजाब के कई जिलों में हत्या, रंगदारी वसूली, फायरिंग जैसे घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा. झारखंड पुलिस की एटीएस ने सुनील का पासपोर्ट रद्द करा दिया है और वह एटीएस के डीएसपी व एसआई साहू को गोली मारने से जुड़े मामले में वांछित है.

मोस्ट वांटेड अपराधी सुनील मीणा की दुबई घूमते हुए तस्वीर.

गिरफ्तारी से बचने के लिए पहले अपराधी भागते थे नेपाल, अब भाग रहे दुबई-मलेशिया

आपने अक्सर सुना होगा कि झारखंड में जब भी पुलिस को किसी अपराधी की तलाश होती थी तो वह नेपाल भाग जाते हैं. लेकिन बदलते समय के साथ अपराधियों ने अपना नया ठिकाना चुन लिया है. अपराधी नेपाल के बजाय अब दुबई और मलेशिया को अपना नया ठिकाना बना रहे हैं. जहां एक तरफ धनबाद में गैंग्स ऑफ वासेपुर का आतंक है. प्रिंस खान इसी गैंग से ताल्लुक रखता है. धनबाद पुलिस के लिए अब यह बड़ी चुनौती बना हुआ है. झारखंड पुलिस की टीम इसे गिरफ्तार करने का लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अब यह जानकारी मिली है कि प्रिंस खान भारत से बाहर शारजाह (अमीरात) में बैठकर अपना गैंग ऑपरेट कर रहा है और वहीं से धनबाद में हत्या तक करवा रहा है. वहीं दूसरी तरफ अमन साहू के जेल में बंद होने के बावजूद उसके गिरोह की सक्रियता कम नहीं हुई है. अमन साहू जेल से ही अपने गिरोह को चला रहा है. जानकारी के मुताबिक, सुनील मीणा उर्फ मयंक सिंह इन दिनों मलेशिया में बैठकर एक के बाद एक अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहा है.

इंटरनेट से आई कॉल को ट्रेस करने में अबतक नाकाम रही है पुलिस

झारखंड के अलग-अलग जिलों में इन दिनों अपराधी इंटरनेट कॉल के जरिए कारोबारी को फोन कर रंगदारी और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. इंटरनेट के जरिये किये जाने वाले कॉल में वर्चुअल नंबर का यूज किया जाता है. जिसे आसानी से ट्रेस नहीं किया जा सकता है. बिना सिम कार्ड के इस्तेमाल होने वाली कॉल को वर्चुअल कॉल कहा जाता है. इसके लिए मोबाइल की भी जरूरत नहीं होती है और न ही सिम कार्ड की. सिमकार्ड का इस्तेमाल न होने से पुलिस टावर लोकेशन सहित अन्य जानकारी ट्रेस करने में नाकाम रह जाती है.

सचिवालय सेवा के 1000 पदाधिकारी कलमबंद हड़ताल पर रहे

प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस में चार घंटे तक काम-काज रहा ठप

खास बातें

- संघ की चेतावनी, अब होगा उग्र आंदोलन
- पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को पुरजोर ढंग से रखा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड मंत्रालय और नेपाल हाउस में गुरुवार को चार घंटे तक कामकाज ठप रहा. फाइल मूवमेंट भी पूरी तरह से रुक गया. इसकी वजह रही कि सचिवालय सेवा के लगभग 1000 पदाधिकारी दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक कलमबंद हड़ताल पर रहे. बताते चलें कि सचिवालय सेवा संघ पिछले एक महीने से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत है.

संघ ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने बताया कि प्रदर्शन के पहले और दूसरे चरण में संघ के पदाधिकारियों ने मौन प्रदर्शन और काला बिल्ला लगाकर कार्य किया था. सरकार के पदाधिकारी संघ की विभिन्न मांगों के प्रति लगातार नकारात्मक रुख अपना रहे हैं, जिसके कारण सचिवालय के पदाधिकारियों में काफी रोष व्याप्त है. यह भी स्पष्ट किया कि यदि इन प्रदर्शनों के बाद भी सरकार के रुख में कोई परिवर्तन नहीं होता है, तो संघ बाध्य होकर और भी उग्र प्रदर्शन करेगा.

पदाधिकारियों के साथ वार्ता करते सचिवालय सेवा के पदाधिकारी.

संघ की प्रमुख मांगें

- संयुक्त सचिव/ उप सचिव के पदों का सृजन
- कार्मिक विभाग के संकल्प 3286 को पूर्ण रूपेण लागू करना
- सचिवालय सेवा के रिक्त पदों पर शीघ्र प्रोन्नति
- सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के पदों पर शीघ्र नियुक्ति

ज्वाइंट सेक्रेट्री से जूनियर अस्सिटेंट तक के 2352 पद रिक्त

सचिवालय सेवा में ज्वाइंट सेक्रेट्री से लेकर कनीय सचिवालय सहायक तक के पद रिक्त पड़े हैं. कुल 2352 पद रिक्त पड़े हैं. सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के 1156 पद सेक्शन ऑफिसर के 118 पद, ज्वाइंट सेक्रेट्री के सात पद, डिप्टी सेक्रेट्री के 11 पद, अंडर सेक्रेट्री के 168 पद रिक्त पड़े हैं. वहीं झारखंड सचिवालय लिपिकीय सेवा के 892 पद रिक्त पड़े हैं.

जानें आंदोलन की वजह

सचिवालय सेवा संघ पद कटौती का जोरदार विरोध कर रहा है. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के अनुसार आठ साल गुजर जाने के बाद सचिवालय सहायकों की नियुक्ति नहीं हुई है. सचिवालय सेवा के तहत संयुक्त सचिव रैंक में 24 पद, उपसचिव रैंक में 53 पद सृजन का प्रस्ताव है, लेकिन इन पदों की कटौती का प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया है, जबकि 2016 में ही सचिवालय सेवा के लिए पद सृजन के प्रस्ताव पर सरकार ने स्वीकृति दी थी.

सचिवालय सेवा संघ का कार्मिक सचिव के साथ वार्ता बेनतीजा

रांची। सचिवालय सेवा संघ का कार्मिक सचिव के साथ वार्ता बेनतीजा रही. शाम छह बजे कार्मिक सचिव ने संघ के प्रतिनिधमंडल को वार्ता के लिए बुलाया. कार्मिक सचिव ने कहा कि इसके लिए कमेटी बनाई जाएगी. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने कहा कि जब पद सृजन के प्रस्ताव पर पूर्व सीएम रघुवर दास और पूर्व सीम हेमंत सोरेन की स्वीकृति मिल चुकी है तो कमेटी बनाने का कोई मतलब ही नहीं. संघ की जल्द ही बैठक होगी, जिसमें आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी. आंदोलन जारी रहेगा.

आदिवासी व वनाश्रित समुदायों पर जलवायु संकट के दुष्प्रभावों पर चर्चा

- रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान में दो दिवसीय सेमिनार

रांची। जलवायु संकट पर चर्चा के लिए डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान में गुरुवार से दो दिवसीय सेमिनार की शुरुआत हुई. सामुदायिक वनपालन संस्थान के तत्वावधान में आयोजित हो रहे सेमिनार के पहले दिन आदिवासियों व वनाश्रित समुदायों पर जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा की गई. बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्य व क्षेत्र के जलवायु संकट अनुभवों को साझा किया. इस दौरान जलवायु संकट पर सरकार के स्तर पर कार्रवाईयों, कार्यक्रमों व नीतियों पर चर्चा की गई.

सामाजिक एवं गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि सहित 120 लोगों ने लिया हिस्सा : जलवायु संकट को कम करने के लिए सरकार की पहल और जलवायु न्याय पर विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी राय रखी. इसके अलावा पर्यावरण एवं जंगलों के संरक्षण के लिए लोगों से वृक्षारोपण की अपील की गई. वहीं कार्बन क्रेडिट व ग्रीन क्रेडिट के बाजारवादी नीति नियम पर विशेषज्ञों ने निराशा जाहिर की. कार्यक्रम में मुख्य रूप से जंगल, पर्यावरण और वनाधिकार मुद्दे पर कार्यरत प्रतिभागी और झारखंड के विभिन्न जिलों के सामाजिक संगठन एवं गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधी सहित 120 लोगों ने हिस्सा लिया.

टॉप लेवल के छह अफसरों के साथ 24 डीएफओ बदले गए

ताबड़तोड़ तबादला, 40 आईएफएस इधर से उधर

प्रमुख संवाददाता। रांची

- नौ आइएफएस अफसरों को मिली प्रोन्नति
- एनके सिंह बने पीसीसीएफ वाइल्फ

राज्य सरकार ने आईएफएस अफसरों का ताबड़तोड़ तबादला कर दिया है. इसमें प्रधान मुख्य वन संरक्षक से डीएफओ रैंक तक के अफसर शामिल हैं.

टॉप लेवल के छह अफसरों के साथ 24 डीएफओ को बदल दिया गया है. नौ आईएफएस अफसरों को प्रोन्नति दी गई है. वन विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

नाम	कहां गए
एनके सिंह	प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी
संजीव कुमार	सदस्य सचिव, झारखण्ड राज्य जैव विविधता पर्षद,
रवि रंजन	अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कैंपा
यतीन्द्र कुमार दास	अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, विकास,
जब्बर सिंह,	क्षेत्रीय मुख्य यन संरक्षक, रांची अप्र बिरसा जैविक उद्यान
स्मिथा पंकज,	क्षेत्रीय मुख्य वन संख्क्षक, सिंहभूम, जमशेदपुर
पीआर नायद,	अप्र राज्य वन वृक्ष विज्ञानी
अरविंद कुमार,	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, चतरा
राज कुमार साह	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, बोकारो
अशोक शुमार गुप्ता	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, देवघर
उमेश साहनी	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, दुमका
ममता प्रियदर्शी	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल हजारीबाग
महालिंग	केंद्रीय प्रतिनियुक्त पर , परफोरमा प्रोन्नति
ओम प्रकाश	वन संरक्षक, योजना अंचल, रांची
शशि कुमार	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, मेदिनीनगर
शिव कुमार प्रसाद	वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल गढ़वा
बी भास्करण	वन प्रमंडल पदाधिकारी विश्व खाद्य कार्यक्रम, चाईबासा
सबा आलम अंसारी	वन प्रमंडल पदाधिकारी जमशेदपुर
प्रवेश अग्रवाल	वन प्रमंडल पदाधिकारी, लातेहार प्रमंडल, लातेहार
अभिषेक कुमार	वन प्रमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा
सौरभ चन्द्रा	वन प्रमंडल पदाधिकारी, पाकुड़
दिलीप कुमार यादव	वन प्रमंडल पदाधिकारी, खूंटी
मनीष कुमार तिवारी	वन प्रमंडल पदाधिकारी, गिरीडीह
विकास कुमार उज्जवल	वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग
सत्यम कुमार	वन प्रमंडल पदाधिकारी मेदिनीनगर
सूरज कुमार सिंह	वन प्रमंडल पदाधिकारी, वन्यप्राणी प्रमंडल, हजारीबाग
आदित्य नारायण	वन प्रमंडल पदाधिकारी, चाईबासा
अभिषेक भूषण	वन प्रमंडल पदाधिकारी, देवघर
रौशन कुमार	वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा
बंकर अजिंक्य देवीदास	वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रचार प्रसार रांची
सौमित्र शुक्ला	वन प्रमंडल पदाधिकारी, कोडरमा
कुलदीप मीना	वन प्रमंडल पदाधिकारी, कोल्हान
अवनीश कुमार चौधरी	वन प्रमंडल पदाधिकारी, वन्यप्राणी प्रमण्डल, रांची
राहुल कुमार	वन प्रमंडल पदाधिकारी, जामताड़ा
मौन प्रकाश	वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग
अंकित कुमार सिंह	अतिरिक्त प्रभार गोड्डा वन प्रमंडल
आलोक कुमार वर्मा	वन प्रमंडल पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावां
एबिन बेनी अब्राहम	वन प्रमंडल पदाधिकारी, गढ़वा
प्रबल गर्ग,	वन प्रमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज
अंशुमान	वन प्रमंडल पदाधिकारी, गढ़वा

संजीव कुमार बनाये गये एफआरए के नोडल पदाधिकारी

रांची। वन विभाग ने वन अधिकार अधिनियम 2006 को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार को वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया है. इससे संबंधित आदेश वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार ने जारी किया है. जारी आदेश में कहा गया है कि संजीव कुमार का कार्य वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित वन प्रमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करना होगा. साथ ही संबंधित प्रमंडल अंतर्गत व्यक्तिगत वन अधिकार और सामुदायिक वन अधिकार मामले को समय-समय पर प्राप्त कर उसपर समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करना है. वन अधिकार अधिनियम 2006 के क्रियान्वयन के क्रम में वन प्रमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते समय उत्पन्न कठिनाइयों का भी निराकरण करेंगे.

‘स्वास्थ्य सचिव-रिम्स डायरेक्टर आज कोर्ट में हाजिर हों’

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राज्य के स्वास्थ्य सचिव, भवन निर्माण विभाग के सचिव और रिम्स के डायरेक्टर को सशरीर उपास्थित होने का निर्देश दिया है. गुरुवार को रिम्स के डायरेक्टर अदालत में सशरीर उपस्थित हुए थे. कोर्ट ने उनसे पूछा कि रिम्स की व्यवस्था क्यों नहीं सुधर रही, जिसपर उन्होंने कोर्ट को बताया कि रिम्स की व्यवस्था में सुधार के लिए जो प्रपोजल उन्होंने अलग-अलग विभागों में दिए थे, वह रुके हुए हैं. जिसके बाद अदालत ने उक्त अधिकारियों को उपस्थित होने का निर्देश दिया है. दरअसल रिम्स में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, बुनियादी सुविधा दिलाने, एमआरआई मशीन सहित अन्य चिकित्सा उपकरण को ऑपरेशनल रखने को लेकर ज्योति शर्मा की ओर से जनहित याचिका दायर हुई है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ में हुई.

शारीरिक शोषण के आरोपी मुखिया को हाईकोर्ट से मिली बेल

रांची। महिला के साथ शारीरिक शोषण करने के आरोप में जेल में बंद इटकी प्रखंड के कूल्ही पंचायत के मुखिया विनय उरांव को हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है. विनय की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट में विनय के अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद ने अपनी दलीलें पेश की. जिसके बाद कोर्ट ने 20-20 हजार के दो निजी मुचलके जमा करने की शर्त पर उन्हें बेल दे दी. अदालत ने बेल के लिए यह भी शर्त रखी है कि केस खत्म होने तक मुखिया विनय उरांव ट्रायल कोर्ट में सभी तारीखों पर सशरीर हाजिर होंगे और इस केस से जुड़े गवाहों से संपर्क करने की कोशिश नहीं करेंगे. बता दें कि इटकी प्रखंड के कूल्ही पंचायत के मुखिया विनय उरांव पर एक शादीशुदा महिला ने शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था. इस मामले में महिला ने बेड़ो थाना में प्राथमिकी दर्ज करवायी थी.

हाईकोर्ट ने पूछा- ऑटो व ई-रिक्शा चालकों का ड्रेस कोड क्यों नहीं?

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में रांची में ऑटो चालकों के लिए नियम बनाने और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने परिवहन विभाग, रांची नगर निगम, रांची के एसएसएपी और डीसी को यह बताने का निर्देश दिया है कि ऑटो और ई रिक्शा चालकों का ड्रेस कोड क्यों नहीं है? अदालत ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि ऑटो चालक और ई रिक्शा चालक ड्रेस कोड का पालन करें. अदालत अब इस मामले में 4 जुलाई को सुनवाई करेगा. राज्य सरकार की ओर से इस मामले में श्रीनु गणपति ने बहस की. वहीं प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने बहस की. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और अरुण कुमार राय की बेंच में सुनवाई हुई.

अंजू देवी को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली जमानत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने विस्फोटक बनाने का सामान के साथ गिरफ्तार प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन एमसीसी के सदस्य अखिलेश यादव की पत्नी अंजू देवी को जमानत की सुविधा प्रदान की है. अंजू देवी की क्रिमिनल अपील पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में सुनवाई हुई. अंजू देवी की ओर से अधिवक्ता तनु कुमारी और रमेश कुमार ने बहस की. अंजू देवी के खिलाफ पलामू जिले के हुसैनबाद थाना में कांड संख्या 25/2024 दर्ज की गयी थी. जिसमें अखिलेश यादव समेत अन्य लोगों को विस्फोटक अधिनियम समेत अन्य गंभीर धाराओं के तहत आरोपी बनाया गया था.

अच्छी खबर

मंत्री के आदेश के बाद बाल संसद में हो रहा स्कॉलरशिप मंत्री का चयन

पूर्वी सिंहभूम के सरकारी स्कूल की जानकी बनी मंत्री

जानकी कुमारी.

खास बातें

- शिक्षा मंत्री के आदेश के बाद उपायुक्तों ने लगाए कैंप
- डीसी ने अधिकारियों को दिए हैं कई आवश्यक निर्देश

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के सरकारी स्कूलों में संचालित बाल संसद में स्कॉलरशिप मंत्री पद का सृजन किया जा रहा है. अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ के आदेश के उपरांत उपरोक्त पदों का सृजन हो रहा है, ताकि बच्चे छात्रवृत्ति को लेकर जागरूक हो सकें.

ऐसी ही एक मंत्री बनी है जानकी कुमारी. पूर्वी सिंहभूम के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली जानकी अब बच्चों को छात्रवृत्ति के लिए जागरूक कर रही है. वह यह सुनिश्चित करती है कि उसके विद्यालय के सभी बच्चों को छात्रवृत्ति प्राप्त हो. ऐसे ही सभी सरकारी विद्यालयों में जानकी जैसे बच्चों को छात्रवृत्ति मंत्री पद पर नियुक्त किया जा रहा है. इससे पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ ने जिला के उपायुक्तों को स्कूल स्तर पर कैंप लगाकर मिशन मोड में सभी छात्र-छात्राओं का आधार कार्ड बनाने, आधार कार्ड को बैंक खाता से जोड़ने, केवाईसी कराने, ऑनलाइन जाति और आय प्रमाण पत्र बनाने का कार्य संपन्न करने का निर्देश दिया है.

स्कॉलरशिप मंत्री की ये है जिम्मेवारी : विभिन्न विद्यालयों में बनाए जा रहे स्कॉलरशिप मंत्री को सभी छात्रों के लिए पात्रता मानदंड, आवेदन की अंतिम तिथि और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में सटीक और अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराना होगा. उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि उनके स्कूल के सभी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन पूरा हो. प्रधानाचार्यों से भी फॉलोअप करना होगा, ताकि किसी अस्वीकृति के बारे में पता चल सके और फिर सुधारात्मक उपाय किए जा सकें. योग्य छात्रों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासन के साथ मिलकर काम करना है, ताकि विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करें. आवेदन प्रस्तुतियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखना और छात्रों के साथ फॉलोअप कर प्रक्रिया को पूरा करना भी कार्य दायित्व में शामिल है.

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक चार को रांची में

रांची। पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 14वीं बैठक चार जुलाई को रांची में होगी. इसमें स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में लिये गये निर्णय और प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जायेगा. बैठक में पुलिस आधुनिकीकरण, आतंकवाद, नक्सल, सीमावर्ती समस्याएं, पानी, मत्स्य, शिक्षा, मिड डे मील, वाटर हार्वेस्टिंग, हरित क्रांति आदि पर एक राज्य दूसरे राज्य को किस तरह से सहयोग करेंगे, इस पर चर्चा होगी. बैठक में अगर किसी राज्य को दूसरे राज्य से किसी तरह की मतभिन्नता होगी तो उसका निराकरण करने की कोशिश की जायेगी. बैठक रांची में हो रहा है, इसलिए विभागों के सचिव और अधिकारी बैठक में आमंत्रित सदस्य के तौर पर शामिल होंगे.

क्लासिफाइड

तापमान
33.4° अधिकतम | 25.2° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 28 जून 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 80 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ये रिम्स है वार्ड ब्वॉय ना बाबा ना ...

व्यवस्था फेल, जिम्मेदार मौन? मरीज को खुद ही स्ट्रेचर पर लादिए, खुद खींचिए

एंबुलेंस से मरीज को अंदर ले जाने के लिए वार्ड ब्वॉय का इंतजार करते परिजन.

वार्ड ब्वॉय नहीं मिला, तो खुद ही बुजुर्ग मरीज को ले जाते उसके परिजन.

स्ट्रेचर पर अपनी बुजुर्ग पत्नी को इलाज के लिए रिम्स के अंदर ले जाता पति.

महिला मरीज को एंबुलेंस से स्ट्रेचर पर लादते उसके परिजन.

सैयद रमीज जावेद/आकर्ष अनिकेत । रांची

ये रिम्स है. राज्य का सबसे बड़ा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल. यहां राज्य भर से गंभीर मरीज इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं. लोग मरीज लेकर पहुंच तो जाते हैं, लेकिन पहुंचने के साथ परेशानियों से रू-ब-रू होना पड़ता है. ओपीडी या इमरजेंसी में दिखाने के बाद मरीज को भर्ती कराने की जरूरत पड़ी, तो परेशानी शुरू. न तो वार्ड तक पहुंचाने के लिए स्ट्रेचर मिलेगा और न व्हीलचेयर. वार्ड ब्वॉय का तो पता ही नहीं रहता. जब स्ट्रेचर-व्हीलचेयर नहीं मिलेंगे, तो मरीज को कंधे पर या गोद में टांग कर हांफते-हांफते आपको खुद वार्ड तक पहुंचाना पड़ेगा. यदि भगवान भरोसे आपको स्ट्रेचर या व्हीलचेयर मिल भी गया, तो मरीज को बैठा-लेटा कर आपको वार्ड ब्वॉय को इंतजार करना पड़ेगा. लेकिन,मिलेगा नहीं. ऑपको खुद ही स्ट्रेचर या व्हीलचेयर पर मरीज को लेकर वार्ड तक पहुंचाना पड़ेगा. वार्ड तक मरीज को पहुंचाने के लिए आपको कई जगह पूछना पड़ेगा. वार्ड तक पहुंच भी गये, तो बेड मिलेगा ही, इसकी कोई गारंटी नहीं. फिर बेड के लिए इधर-उधर भागदौड़ कर हांफते रहिए. फर्श पर भी बेड लगाने को जगह मिल गयी, तो भगवान का शुक्रिया अदान कीजिए. वार्ड में भर्ती मरीज यदि स्वस्थ हो गया है, तो उसे वार्ड से नीचे तक पहुंचाने के लिए भी स्ट्रेचर या व्हीलचेयर मिलेगा ही, इसकी कोई गारंटी नहीं है. कंधे पर या गोद में मरीज को टांग कर ले जाइए. बहरहाल, रिम्स की पूरी व्यवस्था लचर है या यों कहें पूरी तरह से फेल है और जिम्मेदार मौन.

ब्रीफ खबरें

30 तक होल्डिंग टैक्स भर कर लें छूट का लाभ

रांची । नगर निगम क्षेत्र के होल्डिंग धारियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के होल्डिंग टैक्स को 30 जून तक एकमुस्त जमा करने पर छूट दी जाएगी. आम नागरिकों के लिए छूट 10 प्रतिशत तक होगी. वहीं सीनियर सिटीजन, महिला, दिव्यांग और सैनिकों को अतिरिक्त पांच प्रतिशत छूट का लाभ मिल सकता है. अधिकतम छूट 15 प्रतिशत होगी.

धोखाधड़ी मामले में जमीन कारोबारी दीपक गिरफ्तार

रांची । पिठौरिया थाना पुलिस ने गुरुवार को जमीन कारोबारी दीपक कुमार पाठक को धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है. थाना प्रभारी ने बताया कि पूर्व के मामले में दीपक पाठक को गिरफ्तार किया गया है. वह फरार चल रहा था. उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया.

61 बीडब्ल्यूजी को नगर निगम ने सम्मानित किया

रांची । गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करने को बढ़ावा देने के लिए निगम की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है. इसी कड़ी में बल्क वेस्ट जेनरेटर (बीडब्ल्यूजी) व हाउसहोल्ड को समय पर यूजर चार्ज व गीला और सूखा कचरा अलग-अलग देने पर फाइव स्टार रेटिंग दी जा रही है. मई महीने में कुल 61 बीडब्ल्यूजी का चयन किया गया. सभी चयनित प्रतिष्ठानों को गुरुवार को निगम के सभागार में सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की द्वारा फाइव स्टार रेटिंग का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया.

ऐसी दादागीरी... पीड़िता का सवाल- बरियातू का जेनेटिक हॉस्पिटल है या कसाईखाना

बिल के लिए महिला को 15 दिनों तक बंधक बनाए रखा

सौरभ सिंह । रांची

बरियातू पानी टंकी के पास है जेनेटिक हॉस्पिटल. अस्पताल प्रबंधन ने खूंटी की एक महिला को 15 दिनों से सिर्फ इसलिए बंधक बना कर रखा था, क्योंकि उसके पति भारी भरकम बिल का भुगतान नहीं कर पा रहे थे. महिला गर्भवती थी. प्रसव के बाद पति उन्हें घर ले जाना चाहते थे, लेकिन जब अस्पताल प्रबंधन ने भारी भरकम बिल थमाया तो उनके होश उड़ गये. उनके पास उतने पैसे नहीं थे. उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से काफी अनुनय-विनय किया. कहा कि जैसे ही पैसों को इंतजाम होगा, वे पाई-पाई चुका देंगे.

लेकिन अस्पताल प्रबंधन को उनकी हालत पर तनिक भी तरस न आया. अस्पताल प्रबंधन बिल भुगतान के लिए अड़ा रहा. पत्नी को अस्पताल में ही बंधक बना लिया गया. उधर पति बिल भुगतान के लिए पैसों के जुगाड़ में भटकता रहा, लेकिन व्यवस्था कर न सका. पति ने कहा जेनेटिक हॉस्पिटल, अस्पताल नहीं, कसाईखाना है. वहां उनकी पत्नी को न खाना दिया जा रहा है, न पानी. आखिरकार थक-हार कर उन्होंने इसकी शिकायत सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता से की. डीजी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीआईडी टीम को महिला को मुक्त कराने के लिए भेजा. सीआईडी की टीम ने सदर थाना पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंच कर महिला को वहां से मुक्त कराया और उनके घर (खूंटी) भेज दिया. वहीं अस्पताल प्रबंधन का पक्ष जानने के बाद उसके खिलाफ सदर थाना में केस दर्ज कराया.

किसी तरह जुगाड़ कर बाहर से खाना-पानी ले जा रहा था पति : 15 दिनों तक अस्पताल में बंधक बना कर रखी गयी महिला के पति का आरोप है कि अस्पताल में पत्नी को जबरन रोके रखा गया था, लेकिन अस्पताल प्रबंधन न खाना दे रहा था और न पानी. पति ने बताया कि वे किसी तरह पैसों को जुगाड़ कर बाहर से पत्नी के खाना-पानी ले जा रहे थे. पति का आरोप है कि काफी विनती करने के बावजूद उनकी पत्नी को घर नहीं ले जाने दिया जा रहा था. अस्पताल प्रबंधन के रवैये से पत्नी के साथ ही साथ-साथ उनकी भी मानसिक स्थिति खराब होती जा रही थी. अस्पताल प्रबंधन ने 15 दिनों तक उन्हें व उनकी पत्नी को मानसिक प्रताड़ना दी और पैसों के लिए दबाव डालता रहा.

लाचार पति ने सीआईडी के डीजी से की शिकायत, तो मुक्त करा महिला को घर पहुंचाया

न खाना दिया, न पानी

- प्रसव कराने आई थी खूंटी की महिला अस्पताल ने थमा दिया भारी भरकम बिल
- पति के पास नहीं थे उतने पैसे, पर बिल भुगतान के लिए अड़ा रहा अस्पताल प्रबंधन

जेनेटिक हॉस्पिटल में कैद खूंटी की महिला मरीज.

जेनेटिक हॉस्पिटल की आलीशान बिल्डिंग.

ऑटो चालक को रिम्स लेकर चलने को कहा, पर झांसा देकर निजी अस्पताल पहुंचा दिया

पीड़ित महिला के पति का कहना है उनकी पत्नी गर्भवती थीं. उन्हें प्रसव पीड़ा हुई, तो साथ लेकर बस से रांची पहुंचे. पत्नी को रिम्स में भर्ती कराना था. बस स्टैंड पर ऑटो चालक को रिम्स लेकर चलने को कहा. बताया कि पत्नी को प्रसव के लिए भर्ती कराना है, तो ऑटो चालक ने उन्हें झांसे में ले लिया. बताया कि रिम्स में बेड मिलेगा या नहीं मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है. इतना कहते हुए उसने जेनेटिक हॉस्पिटल पहुंचा दिया. लेकिन उन्हें क्या पता था कि ऑटो चालक अस्पताल का एजेंट है और मरीज पहुंचाने के बदले उसे कमीशन मिलता है. यहां आकर वे लोग फंस गये. पिछले 15 दिनों से महिला का न इलाज चल रहा था और न ही खाना दिया जा रहा था. थक हार कर उन्होंने सीआईडी के डीजी से शिकायत की, तो राहत मिली.

हाईकोर्ट के सवाल के जवाब मिले, तो बड़ा घोटाला खुलेगा

सुरजीत सिंह

टिप्पणी

झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार (26 जून) को एक सवाल उठाया. कोर्ट ने पूछा, पेयजल के लिए पाइपलाइन बिछाने से कुछ नहीं होगा, पानी कहां से लाएंगे? यह जायज सवाल है, जिसका जवाब देने की स्थिति में अफसर नहीं हैं. कोर्ट के इस सवाल के साथ में एक और सवाल है, जिसे मीडिया उठाता रहा है. वह यह कि राज्य में अरबों की लागत से सैंकड़ों जलमीनार क्यों बनाए गए, जब पानी की नई व्यवस्था की ही नहीं गई? अगर कोर्ट के सवाल और जलमीनार निर्माण के सवाल के जवाब सामने आ गए तो सालों से सिलसिलेवार तरीके से चल रहे अरबों रुपये का घोटाले पर से परदा उठ जायेगा. कोर्ट के एक सवाल से यह उम्मीद जगी है कि संभव है भविष्य में इन सवालों के जवाब भी सामने आये.

दरअसल, लोगों को साफ पानी उपलब्ध कराने के नाम पर झारखंड में 10-12 सालों से बड़ा खेल चल रहा है. वह खेल है- जलमीनार बनाने, पाइपलाइन बिछाने और घरों तक नल पहुंचाने का. जबकि सच यह है कि जितनी पुरानी जलमीनार हैं, जिन घरों तक पहले से पाइपलाइन पहुंचा हुआ है, उन तक ही पर्याप्त पानी पहुंचाना चुनौती है. डैमों और जलाशयों में पर्याप्त पानी है ही नहीं. पिछले 60-70 सालों में सरकारों ने कोई नया डैम या जलाशय बनाया नहीं, ना ही जो डैम या जलाशय हैं, उसके गाद को साफ किया गया. उपलब्ध डैमों व जलाशयों में ज्यादा से ज्यादा पानी रोकने के लिए किसी तरह की गंभीर कोशिश भी नहीं की गई. सरकार व विभाग का सारा ध्यान नयी जलमीनार बनाने और नए इलाके में पाइपलाइन बिछाने पर ही रहा. इस पर अरबों रुपये खर्च करने पर ध्यान रहा,ताकि कमीशन का खेल चलता रहे. अधिकांश जलमीनारों तक पानी भी नहीं पहुंच रहा है. अलग-अलग मौकों पर यह सवाल उठता रहा है कि अरबों रुपये खर्च कर जलमीनारें किनके लिए बनायी गयीं और किनके लिए पाइपलाइन बिछाये गए या बिछाये जा रहे हैं. इससे किसको फायदा मिला है या मिल रहा है. ठेकेदारों को, सप्लायरों को, इंजीनियरों को, अफसरों को, सत्ता शीर्ष पर बैठे नेताओं को या सभी को?

बहरहाल, हाईकोर्ट ने एक सवाल खड़ा किया है, तो इसका जवाब आना चाहिए. मंत्री, अफसर, इंजीनियर या ठेकेदार जवाब देंगे, इसकी उम्मीद नहीं कर सकते. कोर्ट से ही लोगों को उम्मीद है. कोर्ट को ही सवाल का जवाब सामने लाने के लिए अफसरों को कटघरे में खड़ा करना होगा, तभी सच सामने आ पायेगा और भ्रष्ट तंत्र बेनकाब होगा.

नीट पेपर लीक : दूसरे दिन भी हजारीबाग के ओएसिस स्कूल में सीबीआई की टीम ने की जांच

22 घंटे से डॉ एहसान उल हक सीबीआई हिरासत में

संवाददाता । रांची/ हजारीबाग

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई का शिकंजा कसता जा रहा है. इसको लेकर ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक से पूछताछ लगातार जारी है. सीबीआई की टीम दो दिनों से हजारीबाग में कैंप कर मामले की जांच कर रही है. इस क्रम में ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान करीब 22 घंटे से अधिक समय से सीबीआई की हिरासत में है.

इस मामले में रात भर चली पूछताछ के बाद प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक को गुरुवार सुबह करीब 11 बजे सीबीआई की टीम पुनः ओएसिस स्कूल पहुंची. कई बिंदुओं पर जांच के बाद दिन के करीब 1:30 बजे डॉ हक के अलावा एक अन्य को पुनः चरही गेस्ट हाउस लेकर चली गई. जानकारी के अनुसार सीबीआई की टीम दो भाग में बंट कर जांच कर रही है. एक टीम चरही स्थित सीसीएल के एरिया गेस्ट हाउस में प्रिंसिपल व एक अन्य संदिग्ध से पूछताछ कर रही है. वहीं दूसरी टीम शहर के अन्य हिस्सों में जांच कर रही है.

प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक को ओएसिस स्कूल ले जाती सीबीआई.

- चरही गेस्ट हाउस से स्कूल लाकर प्रिंसिपल से पूछताछ
- चार घंटे की जांच के बाद पुनः गेस्ट हाउस ले गयी सीबीआई

अब तक लैपटॉप, पेन ड्राइव व कागजात जब्त

इससे पूर्व नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम बुधवार सुबह ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक के घर पहुंची थी. यहां करीब तीन घंटे तक पूछताछ व जांच के बात दिन के करीब 12 बजे टीम उन्हें साथ लेकर स्कूल पहुंची. यहां परीक्षा संचालन में शामिल स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों से पूछताछ की गयी. स्कूल के कमरा नंबर 18 का भी निरीक्षण किया गया. इसके बाद बैंक को प्रश्न पत्र पहुंचाने वाली कूरियर कंपनी के कर्मचारियों को स्कूल लाकर पूछताछ की. शाम करीब पांच बजे प्रिंसिपल को चरही स्थित सीसीएल के एरिया गेस्ट हाउस ले जाया गया. वहां उनसे रात भर पूछताछ की गई. बता दें कि ओएसिस स्कूल से सीबीआई की टीम को कई अहम दस्तावेज और सबूत हाथ लगे हैं. बुधवार को टीम ने एक लैपटॉप, प्राचार्य के मोबाइल सहित कुल तीन मोबाइल, पेन ड्राइव, 18 नंबर कमरे से कुछ फाइल समेत अन्य महत्वपूर्ण कागजात जब्त किये थे.

ओएसिस स्कूल से कैसे जुड़े पेपर लीक के तार

नीट (यूजी) परीक्षा का अधजला प्रश्न पत्र पटना के एक स्कूल से बरामद हुआ था. जांच में सामने आया कि इस प्रश्न पत्र का सीरियल कोड हजारीबाग के ओएसिस स्कूल सेंटर सेंटर का ही था. इसके बाद 21 जून को पटना की ईओयू टीम ने हजारीबाग आकर ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक व अन्य शिक्षकों से पूछताछ की थी. इसके बाद जांच की डोर जब सीबीआई के हाथ में गई, तो दो दिनों से टीम स्कूल के प्रिंसिपल व अन्य शिक्षकों व कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है.

सीबीआई ने पटना से दो को किया गिरफ्तार

पटना । सीबीआई ने नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में पहली बार गिरफ्तारियां की हैं और पटना से और दो लोगों को हिरासत में लिया है. अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मनीष कुमार और आशुतोष कुमार ने परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को सुरक्षित परिसर कथित तौर पर मुहैया कराए, जहां उन्हें लीक हुए प्रश्न पत्र तथा उत्तर पुस्तिकाएं दी गयीं. सीबीआई ने नीट पेपर लीक मामले में छह प्राथमिकियां दर्ज की हैं.

ओएमआर शीट को लेकर एनटीए को नोटिस जारी

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एनटीए से जानना चाहा कि नीट (स्नातक) 2024 परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों को दी गई ओएमआर शीट से संबंधित शिकायतों को उठाने के लिए कोई समय सीमा है या नहीं. न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा व न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने कुछ नीट अभ्यर्थियों द्वारा दाखिल नयी याचिकाओं पर एनटीए को नोटिस जारी किया.

शहर में पावर कट जारी, लोग परेशान

रांची । 33 केवी लाइन के कंडक्टर में बुधवार देर रात को खराबी आ गई थी. इसके कारण आधी रांची में देर रात ब्लैक आउट की स्थिति हो गई थी. रात 12 बजे से गुरुवार सुबह चार बजे तक आधी रांची में बिजली नहीं रही. अचानक बिजली गुल हो जाने से लोग गर्मी से बेहाल हो गए. पूरी रात बिजली नहीं रहने से लोगों ने रतजगा कर समय गुजारा. रांची के बड़े इलाके में अंधेरा पसरा रहा. देर रात तक मरम्मत कार्य चला और सुबह बिजली बहाल हो पाई. पूरी रात गर्मी व बिन बिजली के जगने के कारण दूसरे दिन लोगों का दैनिक कार्य प्रभावित रहा और बिजली विभाग को खूब कोसे.

प्रभावित क्षेत्र : मोरहाबादी, अशोक नगर, लालपुर, अपर बाजार, नामकुम, पाहन टोली, महुआ टोली, गोरु टोली, नामकुम बाजार, कोकर, लालपुर, थड़पकना, गाड़ीगांव, हरमू रोड, पुरानी रांची, मणिटोला, हिनू, दीपाटोली, चुटिया, बहुबाजार सहित अन्य इलाके.

डोरंडा मणिटोला गोलीकांड

झामुमो नेता आजम अहमद सहित चार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

- हथियार के साथ भारी मात्रा में गोली भी बरामद, अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी

शहर के डोरंडा थाना क्षेत्र के मणिटोला में बुधवार की शाम ताबड़तोड़ फायरिंग मामले में पुलिस ने झामुमो नेता आजम अहमद सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से हथियार और भारी मात्रा में गोली बरामद किया है. गौरतलब है कि डोरंडा थाना क्षेत्र के मणिटोला स्थित सरकारी कुआं के पास बीती शाम जमीन विवाद को लेकर वर्चस्व की लड़ाई में ताबड़तोड़ गोलीबारी की गयी थी. हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था. गोलीकांड के बाद एसएससी चंदन सिन्हा के निर्देश पर मामले की जांच और गोलीबारी में शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था. टीम ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर गोलीकांड में झामुमो नेता आजम अहमद सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया.

20 डिसमिल जमीन को लेकर दो गुटों में चल रहा विवाद : घटना के संबंध में बताया जाता है कि जावेद और अली गुट के बीच पिछले कई सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है. मणिटोला की 20 डिसमिल जमीन को लेकर दोनों गुटों के लोग दावा करते रहे हैं कि जमीन उनकी है. इसी जमीन विवाद के कारण गोलीकांड की घटना को अंजाम दिया गया है. मौके पर मौजूद लोगों का आरोप था कि मो. अली ने ताबड़ोड़ गोलीबारी की है, जिसे रांची पुलिस ने जिला बदर किया है. इसके अलावा आरिफ, शहबाज और अन्य लोगों पर गोली चलाने का आरोप लगा है. पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल कर गोलीबारी करनेवालों के खिलाफ पुख्ता सबूत इकट्ठा कर लिया है. पुलिस का दावा है कि कुछ दिन पहले इसी गुट के बीच डोरंडा थाना क्षेत्र के मिस्त्री मोहल्ला में भी विवाद हुआ था. उस दिन भी ताबड़तोड़ गोलीबारी कर पूरे इलाके में दहशत फैला दी गयी थी. इस घटना में एक बच्चे के पैर में गोली लगी थी, जिसे सदर अस्पताल के बाद रिम्स में भर्ती कराया गया था.

ब्रीफ खबरें

नागवंत की जमानत पर सुनवाई 3 जुलाई को

रांची। पीएमएलए के विशेष जज पीके शर्मा की कोर्ट में 1.08 करोड़ के अलकतरा घोटाले की राशि की मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपित मेसर्स नागराज कंस्ट्रक्शन के संचालक नागवंत पांडे की जमानत पर सुनवाई हुई. गुरुवार को सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा. मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई तीन जुलाई को तय की है. इससे पहले नागवंत पांडे ने शनिवार को कोर्ट में सरेंडर किया था, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में होटवार जेल भेज दिया गया था.

प्रदीप के शपथ लेने पर पार्टी ने दी बधाई

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं नव निर्वाचित राज्यसभा सदस्य डॉ प्रदीप वर्मा ने गुरुवार को देश के उच्च सदन राज्यसभा में शपथ ग्रहण किया. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, मनोज कुमार सिंह सहित प्रदेश के पदाधिकारियों ने डॉ वर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डॉ वर्मा सदन ने झारखंड की आवाज बनेंगे.

हेमंत व अन्य की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी

रांची। लैंड स्कैम के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोप में जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन समेत अन्य आरोपियों की पीएमएलए की कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी हुई. पेशी के बाद कोर्ट ने आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है. अब सभी की अगली पेशी 11 जुलाई को होगी. गुरुवार को हेमंत के अलावा भानु प्रसाद, अंतु तिर्की, मो. सद्दाम, मो. अफसर अली, विपिन सिंह, प्रियरंजन सहाय, इरशाद अख्तर, शेखर कुशवाह, मो इरशाद, तापस घोष और संजीत कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट के समक्ष पेश हुए.

पतंजलि आईएएस अकादमी के निदेशक पर जानलेवा हमला

रांची। पतंजलि आईएएस अकादमी के निदेशक पर जानलेवा हमला

हुआ. संचालक संजय तिवारी ने लालपुर थानो में केस दर्ज कराया है. तिवारी ने अपने संस्थान में शिक्षक नवनीत निरंजन पर हमले का आरोप लगाया है. दर्ज केस में कहा कि घटना 26 जून की रात की है. उन्होंने बताया कि नवनीत ने नशे में हाथापाई की. साथ ही जान से मारने की धमकी दी. किसी तरह से भागा और थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई. पुलिस जांच में जुटी हुई है.

बिरसा सेना अब स्वराज एकता पार्टी से चुनाव लड़ेगी

रांची। झारखंड बिरसा सेना अब स्वराज एकता पार्टी के नाम से जानी जाएगी और आगामी विधान सभा चुनाव में 81 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. यह जानकारी गुरुवार को प्रेस क्लब में पार्टी के अध्यक्ष रवि कुमार ने मीडिया को दी. उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की आपत्ति के बाद संगठन को अपना नाम बदलना पड़ा. रवि कुमार ने कहा है कि स्वराज एकता पार्टी ने झारखंड के मुद्दों को लेकर चुनावी राजनीति में अपना कदम रखा है. यह पार्टी लोगों की बुनियादी जरूरतों को मुद्दा बना कर चुनाव लड़ेगी.

उपलब्धि: 10 सीसीटीवी कैमरों के 2200 फुटेज, 519 वाहनों की जांच का निकला नतीजा

पांच घंटे में ओरमांझी पुलिस ने दुष्कर्म के दो आरोपियों को धर दबोचा

संवाददाता। रांची

राजधानी में ओरमांझी में चलती कार में दिव्यांग नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपियों को पुलिस ने महज पांच घंटे में ही 2200 सीसीटीवी फुटेज और 519 वाहनों की जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार दोनों आरोपी सुबोध कुमार जायसवाल और हीरालाल महतो ओरमांझी के ही रहनेवाले हैं.

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार समेत कई अन्य सामान बरामद किया है. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को धर दबोचा.

2200 सीसीटीवी फुटेज व 519 वाहनों की हुई जांच : चलती कार में दुष्कर्म की वारदात बीआईटी मेसरा और ओरमांझी थाना के बीच हुई थी. एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने पांच घंटे के अंदर सबसे पहले पीड़ित लड़की के परिवारवालों का पता लगाया. इसके लिए दोनों थाना क्षेत्र के लगभग 100 सीसीटीवी कैमरा के 2200 फुटेज की जांच की गई. पुलिस को प्रारंभिक सूचना मिली कि घटना को अंजाम बोलेरो गाड़ी में दिया गया है. इसके बाद 150 बोलेरो गाडियों की जांच की गयी. लेकिन सीसीटीवी फुटेज से मिले साक्ष्य के आधार पर स्पष्ट हुआ कि नाबालिग बच्ची का अपहरण कॉमर्शियल पीली नंबर प्लेट की स्विफ्ट डिजायर कार से किया गया है.

1300 कॉमर्शियल स्विफ्ट डिजायर कार की भी जांच : स्विफ्ट डिजायर कार से अपहरण री सूचना मिलने पर सिटी एसपी ने डीटीओ रांची से सभी कॉमर्शियल स्विफ्ट डिजायर कार की लिस्ट मांगी. लगभग 1300 स्विफ्ट डिजायर कार की लिस्ट उपलब्ध करायी गयी. इन 1300 गाडियों में से लगभग 107 कॉमर्शियल स्विफ्ट डिजायर कार की जांच की गयी. इसके अलावा 412 गाड़ियों की जांच सिटी कंट्रोल रूम और स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से की गई. इसके बाद सामूहिक दुष्कर्म में उपयोग की गयी कार की तलाश कर मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया.

दुष्कर्म के आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी देते एसएसपी चंदन सिन्हा व अन्य.

पहले चलती कार, फिर आनंदी बगीचा ले जाकर ज्यादती की

बीते 18 जून की देर रात लड़की ओरमांझी के पंचायत सचिवालय के पास दिब्यांग नाबालिग बच्ची सोई हुई थी. इसी दौरान कुछ युवक कार से लड़की के पास पहुंचे और उसे जबरदस्ती कार में बैठा लिया. इसके बाद नाबालिग से पहले चलती कार में ज्यादती की, फिर आनंदी बगीचा ले जाकर सभी ने दुष्कर्म किया. वारदात को अंजाम देने के बाद कार में सवार अपराधी आनंदी बगीचा के पास सड़क पर नाबालिग को फेंक कर फरार हो गए थे. लड़की ओरमांझी इलाके में अपनी मां के साथ छोटे-मोटे काम कर और कभी-कभी भीख मांग कर गुजरा किया करती थी.

मुख्यमंत्री ने हर घर नल योजना को समय पर पूरा करने का दिया निर्देश

भविष्य के पेयजल संकट को देखते हुए विशेष कार्ययोजना बनाएं अफसर : सीएम

- **12 हजार** के खर्च में शौचालय बनेगा या नहीं इसकी समीक्षा होनी चाहिए
- **पहाड़ से** गिरने वाले झरनों को चिन्हित कर जलापूर्ति योजना तैयार की जाए
- **मुख्यमंत्री ने** पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाओं की समीक्षा की

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि पेयजल लोगों की जीवन का सबसे अहम चीज है. इसके बिना जीवन चलना नहीं है, इसलिए विभागीय अफसर भविष्य में पेयजल संकट से बचने के लिए विशेष कार्य योजना बनाएं. यह निर्देश सीएम ने गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर स्वीकृत नए नलकूपों की कार्य प्रगति में तेजी लाएं. खराब पड़े नलकूपों की मरम्मत का कार्य भी अवश्य कराएं. मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के मौसम में लोगों को शुद्ध पेयजल की समस्या किसी भी हाल में नहीं होनी चाहिए.

जल जीवन मिशन की हर योजना को समय पर पूर्ण करके घरों तक पानी पहुंचाएं : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन (हर घर जल) ग्रामीण के अंतर्गत छोटी-बड़ी जितनी भी योजनाएं ली गई हैं, उन योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत अवश्य पूरा करें. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि वैसे सभी घर जहां नल से जल पहुंचाया गया है, समीक्षा करें कि योजना के तहत लगाए गए नलों में जल की उपलब्धता है या नहीं. मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत आच्छादित सभी घरों में अनिवार्य रूप से पानी पहुंचे यह सुनिश्चित की जाए. मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन प्रत्येक घर में नल से जल पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण योजना है. मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित सभी जलापूर्ति परियोजनाओं को निर्धारित समय पर पूरा कर राज्य में सुलभ पेयजल उपलब्धता तथा कनेक्शन कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं का संचालन एवं रखरखाव बेहतर तरीके से हो इस निमित्त विशेष सतर्कता बरतते हुए कार्य करें.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाओं की समीक्षा की.

सरायकेला-खरसांवा जलापूर्ति योजनाओं में लापरवाही हुई है, अफसर कारवाई करें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत ईचागढ़ तथा डूडरा कमलपुर में विश्व बैंक संपोषित जलापूर्ति योजना 2023 में ली गई थी .परंतु एजेंसी की लापरवाही की वजह से यह योजना पूरी नहीं हो सकी, जिस एजेंसी द्वारा लापरवाही बरती गई है, विभाग उस पर कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा नई स्वीकृति कराकर इस जलापूर्ति योजना को पूर्ण कराया जाए.

पानी की जांच करा कर ही ग्रामीणों को जलस्रोतों से पीने का पानी उपलब्ध कराएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विगत दिनों विभिन्न माध्यमों से ऐसी खबरें मिली रही हैं कि राज्य के कुछ जिलों में चूंआ, तालाब, कुआं आदि जल स्रोतों से ग्रामीण पीने का पानी ला रहे हैं. जिन-जिन क्षेत्रों में ऐसी खबरें मिल रही है वहां जांच कराकर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें. पेयजल से संबंधित जो भी शिकायतें विभाग को मिल रही हैं उसका निराकरण हर हाल में करें. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसी सभी बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजनाएं जिसे माह सितम्बर-अक्टूबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, उन सभी योजनाओं को माह जुलाई-अगस्त 2024 तक हर हाल में पूरा करें. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के भीतर कुछ ऐसे पहाड़ हैं जहां से झरना गिरता है उन जगहों पर भी जलापूर्ति योजनाएं ली जा सकती हैं. ऐसे पहाड़ों को चिन्हित कर कार्य योजना बनाएं.

शौचालय योजना को अबुआ आवास से जोड़ें, इसके लिए मिलने वाली 12 हजार राशि की समीक्षा करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बनाए जा रहे शौचालय निर्माण योजना को अबुआ आवास योजना से जोड़ें. स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण के लिए मात्र 12 हजार राशि दी जाती है,इसकी भी समीक्षा करें कि इतनी राशि में गुणवत्तापूर्ण शौचालय बनाया जा सकता है या नही. सरकार अबुआ आवास के लाभुकों को एक बेहतर शौचालय देने के लिए प्रतिबद्ध है जो लम्बे समय तक उपयोग में लाया जा सके. गोबरधन अंतर्गत निर्मित गोबरगैस प्लांट की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें. बैठक मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभागीय सचिव राजेश शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, अभियंता प्रमुख ब्रजनंदन कुमार, मुख्य अभियंता, मुख्यालय शिशिर कुमार सोरेन आदि उपस्थित थे.

नियुक्ति की घोषणा चंपाई सरकार की सोची समझी साजिश: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

- विधानसभा चुनाव तक युवाओं के आक्रोश को दबाना चाहती है राज्य की चंपाई सोरेन सरकार
- नियुक्ति वर्ष का हाल देख चुके हैं राज्य के बेरोजगार युवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि राज्य के युवा, बेरोजगार इस सरकार की नीति और नीयत को समझ चुके हैं. 5 लाख प्रतिवर्ष नियुक्ति, बेरोजगारी भत्ता का झांसा देकर सत्ता में आई राज्य सरकार ने बार-बार युवाओं को ठगा है. ये वही सरकार है जिसने अपने पहले पार्ट में नियुक्ति वर्ष की घोषणा करके युवाओं को निराश किया है.जेएसएससी द्वारा जारी चुनावी परीक्षा कैलेंडर में दो-तीन माह बाद की संभावित परीक्षा तिथि घोषित करना चंपाई सोरेन सरकार की एक सोची समझी साजिश है.

ये भ्रष्ट-निकम्मी सरकार विधानसभा चुनाव तक युवाओं के आक्रोश को दबाकर उन्हें गुमराह करना चाहती है. यदि सरकार की नीयत साफ़ होती तो जेएसएससी, सीजीएल की परीक्षा 15 दिनों के अंदर सम्पन्न करा ली जाती. छात्रों के विरोध के बावजूद जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के लिए सरकार ने मात्र 14 दिनों का ही समय दिया था.

सुनियोजित साजिश की गई है : झारखंड सरकार के अधीन दो आयोगों द्वारा जानबूझ कर कभी जल्दीबाजी, तो कभी विलंब करना इनके सुनियोजित साजिश को दर्शाता है. युवा साथियों से कहा कि जेएमएम कांग्रेस सरकार की इस चुनावी परीक्षा कैलेंडर के झांसे में नहीं आएं.

यदि सरकार युवाओं को नौकरी देने के प्रति सजग है, तो हर हाल में जुलाई माह में जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा सम्पन्न करा नियुक्ति प्रक्रिया को जल्द पूरा करे. अन्यथा, युवाओं का कीमती समय बर्बाद कर उनके करियर के साथ खिलवाड़ करना बंद करे.

झारखंडअल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष ने योजनाओं की समीक्षा की

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने रांची जिला में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा की. समाहरणालय में आयोजित बैठक में कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग समेत सभी विभाग के प्रतिनिधि मौजूद थे. बैठक में जिले में चलायी जा रही योजनाओं में अल्पसंख्यकों को कितना लाभ मिल रहा है, कितने स्कूल संचालित हैं, ये सारी जानकारी ली गई. अध्यक्ष खान ने बताया कि राज्य अल्पसंख्यक आयोग में कोई भी मामले नहीं बचा है. सभी मामलों को तय समय पर सलटा दिया गया है. उन्होंने बताया अभी सभी जिलों में अल्पसंख्यक आयोग द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा की जाएगी.

विधानसभा चुनाव की कार्ययोजना पर बनी कांग्रेस की रणनीति: गुंजन

संवाददाता। रांची

- प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह की अध्यक्षता में कांग्रेस भवन में गुरुवार को पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की बैठक हुई. बैठक में मुख्य रूप से लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा हुई और विधानसभा चुनाव की कार्ययोजना पर रणनीति बनी. साथ ही संगठन की मजबूती पर चर्चा हुई.

बैठक में गुंजन सिंह ने पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम हमारे अपेक्षा अनुरूप नहीं रहा. और बेहतर करने की जरूरत थी. अब विधानसभा चुनाव बहुत ही करीब आ गया है. आप लोगों को संगठन की जो भी जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरा करने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ अपने-अपने जिले और क्षेत्र में जुट जाएं. प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली में संपन्न बैठक में मिली एक्शन प्लान की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी अगस्त माह में राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक आहूत होगी.

इसमें महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर शामिल होंगे. प्रखंड महिला कांग्रेस अध्यक्षों का तीन दिनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की जाएगी. गुंजन ने कहा कि सभी जिलों में नारी न्याय सम्मेलन एवं जिला स्तर से लेकर बूथ तक पदयात्रा होगी. पार्टी मैनिफेस्टो को जन-जन तक पहुंचाना है. साथ ही महिलाओं की स्वास्थ्य के लिए हेल्थ कैम्प लगाया जाएगा. इसके अलावा पेपर लीक मामले और महिला आरक्षण पर सांसद घेराव कार्यक्रम होगा.

बढ़ती महंगाई, टोलटैक्स, भारतीय रुपए में गिरावट, मुहल्ला पदयात्रा एवं मेरा बूथ मेरी जिम्मेवारी पर विशेष रूप से महिला कांग्रेस कार्यक्रम चलाएगा. बैठक में प्रदेश महासचिव पिंकी सिंह, संगीता टोप्पो, प्रीति सहाय, पुनीता चौधरी, सुन्दरी तिर्की, अनीता सिन्हा, शांति बाला केरकेटा, वर्षा, अमृता भगत, सीता राणा, अजन्ता सामद, दिव्या मिंज, ग्रेसी मिंज, नीतू देवी, हेमन्ती जायसवाल, रूबी खातून, नमिता बा, मनिषा तिर्की, प्रभा तिग्गा सहित अन्य मौजूद रहीं.

रांची के सभी प्रत्याशियों के साथ बैठक हुई

रांची। समाहरणालय भवन में गुरुवार को लोकसभा चुनाव के सभी अभ्यर्थियों के साथ बैठक हुई. बैठक का उद्देश्य सभी प्रतिनिधियों को इस चुनाव में हुए व्यय का अंतिम लेखा तैयार करने हेतु सभी प्रपत्रों से अवगत कराना था. बैठक में प्रभारी पदाधिकारी सज्जन पांडेय ने प्रत्याशियों को विहित प्रपत्र उपलब्ध कराया. साथ ही इसे भराकर देने को कहा गया. राज्य कर पदाधिकारी कुंदन कुमार ने प्रपत्रों को भरने की प्रक्रिया के विषय में जानकारी दी.

बता दें कि 3 जुलाई को अंतिम लेखा जांच की तिथि निर्धारित है. जिसमें सभी प्रत्याशियों के पूर्ण व्यय की जांच एवं जिला प्रशासन के पास उपलब्ध व्यय संबंधी आंकड़ों से मिलान किया जाएगा. साथ ही प्रत्याशियों का रजिस्टर मूल रूप में ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा. जिसे ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा भारत निर्वाचन को भेजा जाएगा.

आजसू पार्टी के हल्ला बोल कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रखंड कार्यालयों पर धावा

संवाददाता। रांची

राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरेध में आजसू पार्टी का हल्ला बोल कार्यक्रम दूसरे दिन भी चला. हल्ला बोल कार्यक्रम के दूसरे दिन पार्टी पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न प्रखंड कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, बिजली आपूर्ति में अनियमितता, मनरेगा मजदूरों को मजदूरी न मिलना, पलायन, मानव तस्करी, प्रशासनिक उदासीनता समेत जनमानस को आ रही अन्य समस्याओं के खिलाफ सम्बंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा.

इन प्रखंडों में हुआ हल्ला बोल कार्यक्रम : हल्ला बोल कार्यक्रम के दूसरे दिन बोकारो जिला के चास प्रखंड, लोहरदगा जिला के कुडू प्रखंड, गढ़वा जिला के रंका प्रखंड, सिमडेगा जिला के बोलबा प्रखंड, देवघर जिला के सारवां प्रखंड, साहिबगंज के सदर प्रखंड, गुमला जिला के सदर प्रखंड, जामताड़ा जिला के फतेहपुर प्रखंड कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया. शुक्रवार को भी पार्टी द्वारा राज्य के विभिन्न प्रखंडों में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन होगा.

प्रखंड कार्यालयों में हल्ला बोल करते आजसू पार्टी के कार्यकर्ता.

आंदोलन | **600 कर्मचारियों-पदाधिकारियों को नहीं मिल रही किसी तरह की सुविधा**

आवास कर्मी संघ अपनी मांगों को लेकर सीएम से मिला

मुख्य संवाददाता। रांची

राज्य आवास कर्मी संघ के आह्वान पर 24 जिलों के आवास योजना में काम करने वाले कर्मी आपनी 6 सूत्री मांगो को लेकर गुरुवार को रांची पहुंचे. प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत इन कर्मियों की नियुक्ति जिला एवं प्रखंडस्तर पर संविदा पर की गई थी. आवास योजना में कुल 600 पदाधिकारी / कर्मियों को नियुक्त हुई थी. वर्तमान में इन कर्मियों के जिम्मे अबुआ आवास योजना का काम-काज भी दे दिया गया है. इनकी नियुक्तियों को ग्रामीण विकास विभाग ने प्रशासी पदवर्ग समिति से स्वीकृत नहीं कराया गया है. जिस कारण संविदा कर्मियों को मिलने वाले लाभ से भी इन्हें वंचित होना पड़ रहा है. अपनी मांगो को लेकर आवास कर्मी गुरुवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को मांग पत्र सौंपने मोरहाबादी स्थित सीएम आवास के समक्ष एकत्र हुए. उन्हें शाम को सीएम से मिलने का समय मिला.

राज्य आवास कर्मी संघ के कर्मचारी सीएम आवास के बाहर.

क्या है आवास कर्मियों की मांग

- कंप्यूटर ऑपरेटर का मानदेय राज्य में 34,000 है जबकि आवास योजना में कार्यरत प्रखंड कंप्यूटर ऑपरेटर को मात्र 12000 मानदेय दिया जाता है. इसमें समानता हो.
- **आवास कर्मियों को भी 7वें वेतन मान के अनुरूप सम्मानजनक मानदेय दिया जाए .**
- आवास कर्मियों को चयन नियमावली में अपीलीय प्राधिकार उपबंधित किया जाए.
- **आवास कर्मियों का स्वास्थ्य बीमा, आवास भत्ता एवं अन्य अनुमान्य भत्ता का लाभ दिया जाए.**
- कर्तव्य निर्वहन के दौरान अगर किसी की मृत्यु होती है, तो उसके बदले उसके परिवार के किसी व्यक्ति को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जाए.

पटना में नीतीश से मिले सरयू राय

रांची। राज्य में विधानसभा चुनाव होने में भले ही अभी चार माह शेष है, लेकिन दांव-पेंच शुरू हो गया है. इस कड़ी में बिहार के सीएम नीतीश कुमार और विधायक सरयू राय की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में सुगबुगाहट बढ़ गई है. पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात में राजनीतिक स्थितियों पर चर्चा हुई. इस दौरान नीतीश ने इच्छा प्रकट की कि सरयू राय जदयू में शामिल हो जाएं. दोनों नेताओं के बीच छात्र जीवन से ही गहरी दोस्ती है. इस संबंध में सरयू राय ने कहा कि वे पुराने साथी हैं और दोनों के बीच मुलाकात होती रहती है. इस मुलाकात को भी उसी लिहाज से देखा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि नीतीश चाहते हैं कि वे उनके साथ आ जाएं. इसमें कोई अस्वाभाविक बात नहीं है. राजनीति में कुछ भी संभव है.

सुदेश केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले राज्य के राजनीतिक हालात पर हुई चर्चा

रांची। आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने गुरुवार को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की. इस दौरान राज्य के राजनीतिक हालात सहित अन्य मुद्दों पर गृहमंत्री से चर्चा की. आने वाले विस चुनाव को देखते हुए इस मुलाकात को झारखंड के लिए अहम माना जा रहा है. सुदेश महतो ने जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी देश में विकास के नये आयाम स्थापित करेगी. आजसू लंबे समय से भाजपा की साथी रही है.हालांकि, 2019 के विस चुनाव में आजसू ने भाजपा से किनारा कर लिया था. जिसका खामियाजा दोनों को उठाना पड़ा था. भाजपा भी एनडीए के घटक दलों को अलग होने नहीं देना चाहती है. 90 के दशक में जब अटल के दौर में भाजपा आगे बढ़ रही थी, तब से आजसू पार्टी भाजपा के साथ थी. अलग झारखंड राज्य के मुद्दे पर भाजपा और आजसू साथ आयी थी.

ब्रीफ खबरें

कस्तूरबा विद्यालय में होगा 948 छात्राओं का नामांकन

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार गुरुवार को समाहरणालय में रांची जिला के 13 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और पांच झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 के नामांकन हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई. प्रखंड स्तरीय समिति ने विस्तृत चर्चा के उपरांत कक्षा 6 के नामांकन हेतु कस्तूरबा विद्यालय के 948 एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में 250 छात्राओं के नामांकन की स्वीकृति प्रदान की गई. जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची द्वारा नामांकन का कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची ने जिला स्तर से सभी कार्यक्रम को गति प्रदान करने का निर्देश दिया.

माहेश्वरी भवन रांची में प्री मॉनसून मेला का आगाज

रांची। सेवा सदन पथ में स्थित माहेश्वरी भवन में गुरुवार से प्री मॉनसून मेला का आगाज हुआ. माहेश्वरी महिला समिति के तत्वाधान में आयोजित मेले का उद्देश्य देश के विभिन्न शहर के महिला उद्यमियों को मंच प्रदान करना है. मेले में लगभग 40 स्टॉल लगाए गए है. जिसमें विभीन्न हैंडमेड उत्पादों की बिक्री की जा रही है. तीन दिवसीय इस मेले में गोल्ड डायमंड के गहने, साड़ी, लहंगा, कुर्ती, गाउन, हैंड मेड ज्वेलरी, राखी, क्रॉकरी, केक और लजीज व्यजनों के स्टाल्स लगे हैं. वहीं इस मेले में आगंतुकों के लिए 10 रुपये प्रवेश शुल्क निर्धारित किया गया है.

लिटिल एंजेल गोवा रेड, नगड़ी और जेएसएसपीएस की जीत

रांची। छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन (सीएए) की ओर से आयोजित प्रथम स्व. अमिताभ चौधरी रांची महिला फुटबॉल लीग में लिटिल एंजेल गोवा रेड, जेएसएसपीएस व नगड़ी की टीम ने जीत दर्ज की. खेलगांव के प्रैक्टिस ग्राउंड में शसक्त क्लब व ब्लू पैंथर का मुकाबला गोल रहित पर खत्म हुआ. दूसरे मैच में लिटिल एंजेल गोवा रेड ने रांची रेकर्स को 2-0 से पराजित किया. 23वें व 30वें मिनट में लक्ष्मी कुमारी ने दो शानदार गोलकर टीम को जीत दिला दी. वहीं, स्टेडियम ग्राउंड में खेले गए पहले मैच में जेएसएसपीएस ने युवा क्लब को आसानी से 3-0 से हराया.

कल्पना से मिले दिव्यांग थ्रो बॉल टीम के खिलाड़ी

रांची। गांडेय की झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने थाईलैंड से जीतकर आये भारतीय पारा थ्रो बॉल टीम (दिव्यांगजन) खिलाड़ियों से मुलाकात की. गुरुवार को भारतीय पारा थ्रो बॉल 24 सदस्यीय टीम में झारखंड से पांच महिला और चार पुरुष खिलाड़ी शामिल थे. कल्पना ने सभी खिलाड़ियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए जीत की शुभकामनाएं दीं. खिलाड़ियों ने विधायक को बताया कि लगातार पांच प्रतियोगिताओं में विजेता बनकर टीम लौटी है. इससे पहले सभी खिलाड़ियों ने नेपाल, भूटान, मलेशिया एवं थाईलैंड से स्वर्ण पदक प्राप्त किया है. कल्पना से मिलनेवाले खिलाड़ियों में सनोज महतो, मुकेश कंचन, मुकेश कुमार, महावीर बिन असुंता टोप्पो, पुष्पा मिंज, संजुक्ता एक्का, तारामणि लकड़ा, महिमा उरांव के साथ पैरा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड के उपाध्यक्ष पतरस तिर्की शामिल थे. इधर कल्पना सोरेन से कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने भी शिष्टाचार मुलाकात की. वहीं राज्य के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं ने भी मुलाकात की.

झारखंड के युवाओं के लिए सेना में शामिल होने का सुनहरा अवसर

रांची में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक सेना भर्ती रैली

संवाददाता।रांची

झारखंड राज्य के लिए (2024-25) सेना भर्ती रैली 27 जुलाई से 10 अगस्त तक रांची में आयोजित है. इस सेना भर्ती रैली के आयोजन को लेकर सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार एवं अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में डायरेक्टर रिक्रूटिंग रांची कर्नल विकास भोला एवं भर्ती से सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

सेना भर्ती रैली स्थल में होने वाली तैयारियों को लेकर चर्चा : बैठक के दौरान रांची में आयोजित होनेवाली सेना भर्ती रैली को लेकर कर्नल ने कहा कि रांची जिले के युवाओं को सेना में ज्यादा से ज्यादा शामिल करना हमारा लक्ष्य है. रांची जिले के युवा ज्यादा से ज्यादा सेना में भर्ती हो कर अपना भविष्य बनायें.

बैठक में भाग ले रहे सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक एवं सैन्य अधिकारी.

सेना भर्ती के दौरान दलालों से दूर रहने की सलाह

एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने सेना में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को सलाह दी कि वे शोषण करने वाले दलालों से दूर रहें. उन्होंने उम्मीदवारों से विशेष रूप से कहा कि सेना भर्ती पारदर्शी होती है. जो भी भर्ती प्रक्रिया की सभी अहर्ता पूरी नही करता, उनका भर्ती किसी भी हालत में नहीं हो सकती. इसलिए सभी उम्मीदवार दलालों से दूर रहें. उनके किसी भी झांसे में नहीं आयें.

ये है हमारी प्राथमिकता

- कर्नल विकास भोला ने कहा कि रैली में जो युवा भाग लेंगे, उन्हें मौलिक सुविधा सहित अन्य सभी सुविधाएं रैली स्थल पर मुहैया कराई जायेगी.
- रैली के दौरान विधि व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था, रैली ग्राउंड में भर्ती स्थल की चौतरफा सुरक्षा की जायेगी.
- रैली स्थल ग्राउंड में सीजीआई शीट होगी.
- बैरिकेडेड क्षेत्र होगा, रैली का रन एरिया 1.6 किमी का होगा.
- विश्राम क्षेत्र के आसपास सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन चाक चौबंद होगा.
- रैली स्थल पर एम्बुलेंस के साथ मेडिकल टीम तैनात रहेगी. भर्ती रैली के दिनों में सुबह चार बजे से टीम उपलब्ध रहेगी.
- एसडीओ एवं अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) ने जानकारी दी कि सारी व्यवस्था जिला प्रशासन की तरफ से उपलब्ध करा दी जायेगी.

जगन्नाथपुर थाने में पूरी की गयी मेले की टेंडर की प्रक्रिया

1.92 करोड़ में जगन्नाथपुर मेले की बंदोबस्ती की गई

शुभम किशोर ।रांची

रांची में हर साल लगने वाले जगन्नाथ मेला के टेंडर की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हुई. पटना के फर्म आरंभ बिजनेस एंड मार्केटिंग ने एक करोड़ 92 लाख की सबसे ऊंची बोली लगाकर मेले की बंदोबस्ती अपने नाम कराई. जगन्नाथपुर थाने में रांची एडीएम लॉ एंड आर्डर राजेश्वर नाथ आलोक की मौजूदगी में टेंडर खोला गया. मौके पर भगवान जगन्नाथ मंदिर न्यास समिति के अधिकारी और टेंडर डालने वाले लोग मौजूद थे.

11 लोगों ने डाला था टेंडर : इस वर्ष सात जुलाई से रांची के धुर्वा में ऐतिहासिक जगन्नाथ मेला लगने वाला है. मंदिर के आस-पास 41.27 एकड़ भूमि पर मेले के लिए पिछले साल की तरह इस साल भी मेले का टेंडर जारी किया गया, जिसमें 11 लोगों ने टेंडर भरा.

तीन लोगों का टेंडर टेक्निकल बीड में सही नहीं होने के कारण उसे रद्द कर दिया गया. बाकी बचे आठ टेंडर में आरंभ बिजनेस एंड मार्केटिंग की एक करोड़ 92 लाख की सबसे ऊंची फाइनेंशियल बिड थी, जिससे इस साल का टेंडर उन्हें मिला. बता दें इस साल मेला का ठेका लेने के लिए न्यूनतम बोली 31 लाख रुपये से शुरू थी. वहीं पिछले साल आरएस इंटरप्राइजेज ने 75 लाख की सबसे ऊंची बोली लगाकर टेंडर अपने नाम किया था.

जिस कंपनी को टेंडर मिला है, उसके प्रोपराइटर विकास कुमार ने बताया कि वे भगवान विष्णु के बड़े भक्त हैं. उन्होंने ये पैसे भगवान को डोनेट किया है. बाकी मेले के बारे में बताया कि छोटे दुकानदारों से तय राशि ही ली जाएगी. छोटे दुकानदारों से अवैध वसूली रोकने का प्रयास किया जाएगा. इस साल 3500 से ज्यादा दुकानें लगने का अनुमान है. साथ ही कई झूले पहली बार इस मेले में दिखेंगे. उन्होंने कहा कि वे मंदिर न्यास समिति और जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे.

जगन्नाथपुर थाने में मेले की टेंडर प्रक्रिया में भाग ले रहे अधिकारी एवं टेंडर डालनेवाले लोग.

किस कंपनी ने कितनी बोली लगाई (करोड़ में)

- जय मां दुर्गेश्वरी इंटरटेनमेंट - 1.62
- जय जगरनाथ इंटरप्राइजेज - 1.31
- आर एस इंटरप्राइजेज - 1.62
- ऋषिकांत फैंटेसी पार्क फन फेयर बिहार शरीफ - 1.77
- न्यू झारखंड डिजनीलैंड मेला - 1.35
- मोहम्मद शमीम खान - 1.11
- आरंभ बिजनेस एंड मार्केटिंग पटना - 1.92
- आरके कंस्ट्रक्शन - 1.45

व्यापारियों के टेक्निकल प्रशिक्षण के लिए होगा कार्यशाला का आयोजन

रांची। व्यापारियों को व्यवसाय में काम आनेवाले सॉफ्टवेयर का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके लिए झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की आईटी उप समिति की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा. चैंबर भवन में गुरुवार को आयोजित झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की आईटी उप समिति की बैठक में कार्यशाला की रूप रेखा तय की गयी. चैम्बर अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में संपन्न उक्त बैठक में आईटी उप समिति मनोज कुमार मिश्रा द्वारा बिजनेस बैंकिंग, इंटीग्रेटेड बैंकिंग एवं कनेक्टेड बैंकिंग के लिए उठाए गए मुद्दों पर एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड ने अपना पक्ष रखा और जल्द ही इसकी सुविधा सारे व्यापारियों को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. बैठक में झारखंड चैम्बर की सोशल मीडिया हैंडल्स के प्रचार-प्रसार बढाने की रणनीति बनाई गयी. रिलायंस जियो के सीईओ शुभ्रो चटर्जी के चैम्बर आगमन पर आईटी चेयरमैन मनोज कुमार मिश्रा द्वारा उठाये गए कुछ बिन्दुओं पर चर्चा के लिए उनके एंटरप्राइज हेड उप समिति की बैठक के दौरान आये एवं उन्होंने अपनी बातों को उप समिति के सामने रखा. बैठक में चैम्बर अध्यक्ष किशोर मंत्री, कार्यकारिणी सदस्य नवजोत अलंग, उप समिति चेयरमैन मनोज कुमार मिश्रा, अल्तमश आलम, सदस्य मुकेश पाण्डेय, विजय शंकर, राजीव प्रकाश चौधरी, मुकेश कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

भक्तों से विदा ले वृंदावन धाम लौटे अनिरुद्धाचार्य

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश मंदिर रांची से विदाई के क्षण स्वामी अनिरुद्धाचार्य.

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश मंदिर के सत्रहवें वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव में भाग लेने खास तौर से आये स्वामी अनिरुद्धाचार्य गुरुवार को वृंदावन धाम लौट गये. गोविन्द दास और उनके सेवक भी साथ रवाना हुए. जाने से पूर्व स्वामी जी ने कांचीपुरम से आये श्रीवत्स भट्टर, कन्न भट्टर, सहयोगी आचार्य-परिचारक, पालकी वाहकों और नाद- स्वर पार्टी के सदस्यों को अंग वस्त्र देकर विदा किया. साथ ही अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि निष्काम कर्म से ही मोक्ष मिल सकता है. शास्त्रों में अनन्त कोटि ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति में कर्म को ही प्रधान कारण स्वीकार किया है.

महंत अमर दास नागा बाबा की मनी पुण्यतिथि

महंत अमर दास नागा बाबा की पुण्यतिथि पर गीता पाठ करते महंत छोटू राम.

रांची। महंत अमर दास नागा बाबा की 19वीं पुण्य तिथि गुरुवार को श्रद्धाभाव से मनायी गयी. दिन के नौ बजे गीता पाठ से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इसके बाद यज्ञादि अनुष्ठान हुए. साथ ही भजन-संकीर्तन और शबद गायन के बीच अनुयायियों ने सद्गुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये. दोपहर बाद भंडारा प्रारंभ हुआ, जो रात नौ बजे तक चला. बड़ी संख्या में अनुयायियों ने स्वादिष्ट व्यंजन प्रसाद रूप में ग्रहण किया. महंत छोटू राम ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वालो का आभार जताया.

गायत्री महामंत्र का जाप कर अर्पित की श्रद्धा

साप्ताहिक सत्संग में भाग लेतीं श्रद्धालु महिलाएं.

रांची। गायत्री शक्ति पीठ, धुर्वा में गुरुवार को साप्ताहिक सत्संग हुआ. इसमें महिला प्रतिनिधियों ने अखंड गायत्री महामंत्र का जाप कर ईश्वर और सद्गुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. प्रज्ञागीत गायन-वादन के साथ भक्ति में घंटों रमे रहे. गायत्री साधना के बारे में भी साधकों को विस्तार से जानकारी दी गयी. वरिष्ठ साधक जय नारायण प्रसाद ने बताया कि प्रातःकाल, संध्याकाल, मध्यम संध्याकाल और कनिष्ठ संध्याकाल की साधना फलदायी होती है. उन्होंने बताया कि महर्षि विश्वामित्र की दिव्य दृष्टि के अनुसार गायत्री की विशिष्ट साधना से कलियुग का समापन और सतयुग का आगमन होगा. अंत में सबकी सुख-शांति और समृद्धि की कामना के साथ सत्संग संपन्न हुआ.

चयन ट्रायल में सैंकड़ो बच्चों ने कराया रजिस्ट्रेशन

चयन ट्रायल के लिए रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचे बच्चे.

रांची। झारखंड खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एकलव्य केंद्रों) के लिए चयन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है. इसके लिए गुरुवार को रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया रांची के जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में की गई. जिसमें 300 से अधिक बच्चों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया. खेल विभाग की ओर से जानकारी दी गई कि शुक्रवार को भी बच्चे रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे. रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला एवं लोहरदगा जिले में स्वीकृत नए केंद्रों के लिए 28 - 29 जून तक चयन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. इसमें बैडमिंटन, फुटबॉल, तीरंदाजी, हॉकी, एथलेटिक्स के लिए प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा. भाग लेने वाले प्रतिभागी को आवेदन के साथ आधार कार्ड की छायाप्रति देना अनिवार्य है. चयन मानक के आधार पर बैटरी एवं स्कील टेस्ट पर खिलाड़ियों का परीक्षण किया जाएगा.

कंप्यूटर ऑर्गेनाइजेशन और आर्किटेक्चर पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का लोकार्पण करते कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य व अन्य

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के आईटी विभाग में शिक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार महतो द्वारा लिखित पुस्तक 'कंप्यूटर आर्गेनाइजेशन और आर्किटेक्चर' का विमोचन किया गया. पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. तपन कुमार शांडिल्य ने किया. उन्होंने इस पुस्तक को एक बेहतर संदर्भ ग्रंथ, पठनीय, रोचक और नवीन तकनीकों से युक्त बताया. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में एक व्यापक पुस्तकालय के निर्माण की योजना है जहां अन्य पुस्तकों के साथ विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का भी संग्रह होगा. पुस्तक के लेखक डॉ. राजेंद्र कुमार महतो ने कहा कि यह पुस्तक नयी शिक्षा नीति-2020 के तहत लिखी गयी है, जो सभी के लिए उपयोगी है. मौके पर कुलसचिव डॉ. नमिता सिंह, डीएसडब्ल्यू डॉ. एसएम अब्बास, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष गुप्ता, एफओ आनंद मिश्रा, डॉ. एस एन सिंह, डॉ. अनुपम कुमार, डॉ. आईन साहू, डॉ. जाफर अब्बास आदि मौजूद थे.

चर्च की ओर से प्रायोजित हैं सरना धर्मगुरु : जनजाति सुरक्षा मंच

बैठक में भाग लेते जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारी और सदस्य.

संवाददाता।रांची

धुर्वा सेक्टर सरना स्थल पर गुरुवार को जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता करते हुए जनजातीय सुरक्षा मंच के प्रवक्ता मेघा उरांव ने कहा कि अपने पूर्वजों का अस्तित्व नकारने वाला आदिवासी नहीं हो सकता है. मूल परंपरा, रूढ़ि प्रथा, पूजा पद्धति और सफेद झंडा आदिवासियों का पहचान है, जो पूर्वजों की देन है. जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं. ये चर्च पोषित संगठन के लोग हैं और ये क्रिप्टो क्रिश्चियन हैं. ये चर्च प्रायोजित सरना धर्मगुरु हैं. जहां-जहां सरना प्रार्थना सभा का प्रभाव है, वहां वहां लाल सफेद रंग का झंडा स्थापित है और जहां प्रभाव नहीं है, वहां केवल सफेद झंडा ही मिलता है. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत ने आस्था के प्रतीक झंडे को अपमानित वाला शब्द नहीं कहा है. मौके पर क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, प्रांत के मीडिया प्रभारी सोमा उरांव, प्रांत सह संयोजक हिंदवा उरांव, रवि प्रकाश उरांव, साजन मुंडा, राजू उरांव, विकास उरांव, बंधना मुंडा समेत अन्य मौजूद थे.

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा ने फूंका गणेश भगत का पुतला

बसंत मुंडा।रांची

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा से जुड़े सैकड़ों लोगों ने गुरुवार को अलबर्ट एक्का चौक पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री गणेश राम भगत का पुतला फूका. इससे पहले सरना धर्मावलंबी ने जयपाल सिंह मुंडा मैदान के सामने एकत्र हुए. फिर पैदल मार्च करते हुए अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे, जहां पुतला फूंका गया. कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच आदिवासी समाज को जबरदस्ती हिंदू बनाने का प्रयास कर रहा है. आदिवासी को आदिवासी से लड़ाने का षडयंत्र रच रहा है. उन्होंने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच के संयोजक ने सरना झंडा पर विवादास्पद बयान दिया है. अगर नहीं सुधरे तो उनके कार्यक्रम का बहिष्कार किया जाएगा और उन्हें गांव में घुसने नहीं दिया जाएगा.

गणेश राम भगत का पुतला फूंकते राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के सदस्य.

राजी पड़हा प्रार्थना सभा के अध्यक्ष चंपा कुजूर ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच आदिवासियों का संगठन नहीं है. यह आदिवासियों को खत्म करने वाला संगठन है, जो आदिवासियों को लड़ाने की साजिश का एक हिस्सा है. सरना झंडा को खत्म करने की साजिश की जा रही है, जिसे कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. राजी पड़हा प्रार्थना सभा के रांची जिला महासचिव तानसेन गाड़ी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री गणेश राम भगत आरएसएस के दलाल हैं. वे आदिवासियो के हित के बारे में कभी नहीं सोचते और हमारे प्रतीक सरना झंडा को खत्म करने में लगे हैं. आदिवासी संस्कृति हिंदू संस्कृति से अलग है, जिसे जनजाति सुरक्षा मंच जोड़ने का प्रयास कर रहा है. राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा रांची महानगर के सचिव अर्जुन गाड़ी ने कहा कि गणेश राम भगत सरना धर्मावलंबियों को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं. सरना कभी हिंदू नहीं हो सकता है. मौके पर रांची जिला अध्यक्ष बीरेंद्र उरांव, बिरसा पाहन, जिला महासचिव तानसेन गाड़ी, राष्ट्रीय प्रचारिका रेणु तिर्की, महागनर अध्यक्ष चंपा कुजूर, उपाध्यक्ष पवन टोप्पो, सुधीर उरांव, अर्जुन गाड़ी, अनिता खलखो एवं अन्य शामिल थे.

सावन की तैयारी | पहाड़ी मंदिर विकास समिति की बैठक में महोत्सव के आयोजन की रूपरेखा तय

भव्य और वृहद रूप में मनाया जाएगा श्रावण महोत्सव

संवाददाता।रांची

पहाड़ी मंदिर विकास समिति की गुरुवार को हुई बैठक में श्रावण महोत्सव वृहत और भव्य रूप में मनाने का निर्णय लिया गया. साथ ही इसके सफल आयोजन को लेकर रूप रेखा तय की गयी. समिति के बादल सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को सोमवारी के साथ भोले बाबा की भक्ति का पवित्र महीना शुरू हो रहा है. कांवरियों और श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा. इसके मद्देनजर अभी से तैयारी शुरू कर दी गयी है.

उन्होंने बताया कि मंदिर की साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं. कांवरियों के रात्रि विश्राम से लेकर बुजुर्गों और बच्चों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए अलग से व्यवस्था की जायेगी. तीसरी आंख से हर ओर नजर रखी जायेगी. पेयजल के लिए किसी को भटकना नहीं पड़ेगा. होनी-अनहोनी को ध्यान में रख पूरे माह मेडिकल कैंप लगा रहेगा. महिला-पुरुष अलग-अलग बैरिकेटिंग से होकर मुख्य मंदिर में बाबा का जलाभिषेक कर सकेंगे. जिला प्रशासन, श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति सहित विविध धार्मिक और सामाजिक संगठनों के साथ तालमेल बना कर समिति के सदस्य दर्शनार्थियों को हरसंभव देंगे.

उन्होंने बताया कि पूर्व गृह सचिव और समिति के अध्यक्ष एनएन पांडेय के मार्गदर्शन में समस्त कार्य संचालित किये जायेंगे. बैठक में सचिव राकेश सिन्हा, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार, राजेश साहू राजू, अरुण वर्मा,राजेन्द्र सिंह, राज कुमार तलेजा, उर्मिला चौधरी, राकेश चौधरी, पलटू दादा, राम सिंह, मुरारी मंगल, पुजारी पिंटू बाबा, दीपक नंदा, प्रदीप, बेबी आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

पहाड़ी मंदिर विकास समिति की बैठक भाग ले रहे सदस्य गण.

खास बातें

- 22 जुलाई को सोमवारी के साथ श्रावण का शुभारंभ
- उमड़ेगा कांवरियों और श्रद्धालुओं का सैलाब

इस बार पांच श्रावण सोमवारी होगी

पहली 22, दूसरी 29, तीसरी पांच, चौथी 12 और अंतिम सोमवारी 19 जुलाई को है.

जुलाई में बरसेंगी बरखा रानी, लगेगी त्योहारों की झड़ी

राजन बॉबी।रांची

सनातनियो के लिए आषाढ़ माह भक्ति का सौगात लेकर आया है. अस्त चल रहे शुक्र देव के उदित होने के बाद जुलाई में जहां बरखा रानी झूम कर बरसेंगी, वहीं मांगलिक कार्यों के साथ-साथ त्यौहारो की झड़ी भी लगेगी. सनातनी पूरे माह भक्ति में रमे रहेंगे. इस महीने योगिनी एकादशी व्रत, रथ यात्रा, गुरु पूर्णिमा, देवशयनी एकादशी, सावन सोमवार व्रत, हरियाली अमावस्या, सावन शिवरात्रि, चातुर्मास आदि कई प्रमुख व्रत त्यौहारों की धूम रहेगी. विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी खास आयोजन किये जाएंगे. इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है. राधाकृष्ण मंदिर, कृष्णा नगर कॉलोनी, रातू रोड में 30 जून को मां ज्वाला की ज्योत का आगमण होगा. इसको लेकर सात दिनो तक पूजा-पाठ और भजन-भंडारा आदि कार्यक्रमो का क्रमवार सिलसिला चलेगा. हेसल शिव मंदिर में देव प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की जायेगी. हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा. शहर के अन्य मंदिरों में भी भक्ति के विविध कार्यक्रम होंगे.

जुलाई माह के पर्व त्यौहार

- दो जुलाई - योगिनी एकादशी, तीन - प्रदोष व्रत (कृष्ण)- चार जुलाई- मासिक शिवरात्रि, पांच जुलाई- आषाढ़ अमावस्या, छह जुलाई - आषाढ़ गुप्त नवरात्रि, सात जुलाई - जगन्नाथ रथ यात्रा. नौ जुलाई - विनायक चतुर्थी, 11जुलाई - स्कंद षष्ठी, 16 जुलाई - कर्क संक्रांति,17 जुलाई- देवशयनी एकादशी, 19 जुलाई- प्रदोष व्रत (शुक्ल), 20 जुलाई - कोकिला व्रत, 21 जुलाई - गुरु पूर्णिमा, 22 जुलाई- सावन पहला सोमवार, 24 जुलाई – गजानन संकष्टी चतुर्थी और 29 जुलाई – सावन का दूसरा सोमवार.
- राधाकृष्ण मंदिर : 30 जून को मां ज्वाला की ज्योत का आगमन, एक से सात जुलाई तक नित्य पूजा-पाठ, भजन-संकीर्तन और भंडारा, सात जुलाई को ज्योत स्थापना.
- हेसल शिव मंदिर : सात जुलाई कलश यात्रा, वेदी पूजन आदि अनुष्ठान, आठ जुलाई प्राण-प्रतिष्ठा,रूद्राभिषेक,सुंदरकांड पाठ और भंडारा.
- हनुमान मंदिर,हेसल : 15 जुलाई कलश यात्रा, स्थापना पूजन, भजन और भंडारा आदि कार्यक्रमों का सिलसिला सुबह से देर शाम तक चलेगा.

हुसैनाबाद के एनसीपी विधायक कमलेश सिंह ने पलामू एसपी रिश्मा रमेशन पर लगाए गंभीर आरोप, कहा

मुझे जान का खतरा...नक्सलियों के खिलाफ एसपी नहीं कर रहीं कार्रवाई

लक्ष्मी सिंह। हुसैनाबाद

हुसैनाबाद के एनसीपी विधायक कमलेश कुमार सिंह ने पलामू एसपी रिष्मा रमेशन पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने एसपी पर नक्सलियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए अपनी जान का खतरा बताया है. इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है. इसमें कमलेश सिंह कह रहे हैं कि हुसैनाबाद हरिहरगंज में आए दिन नक्सली गतिविधियां काफी तेज हो गई हैं. मेरे छोटे भाई विभिन्न प्रकार के निविदा के जरिए पुल-पुलिया, सड़क आदि का निर्माण कार्य करते हैं. विधायक ने आगे कहा है कि पलामू एसपी को आठ से 10 बार पत्राचार किया हूं कि इलाकों में नक्सली गतिविधियां तेज हो गई हैं. वे लोग काम में लगातार काम में रुकावट डाल रहे हैं. रोज फोन करके जान मारने की धमकी दे रहे हैं. सड़क निर्माण में लगे तीन वाहनों में नक्सलियों ने आग लगा दी. इससे काम की प्रगति में रुकावट आ रही है. एसपी को यह भी जानकारी दी कि नक्सली यहां ठहरा हुआ है, फिर भी उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की. ऐसी स्थिति में हुसैनाबाद हरिहरगंज का विकास कैसे होगा? यह एक चिंतनीय विषय है.

विधायक बोले

- इलाके में विकास कार्यों में रुकावट डाल रहे हैं नक्सली
- एसपी को कई बार किया पत्राचार, नहीं हुई कोई कार्रवाई

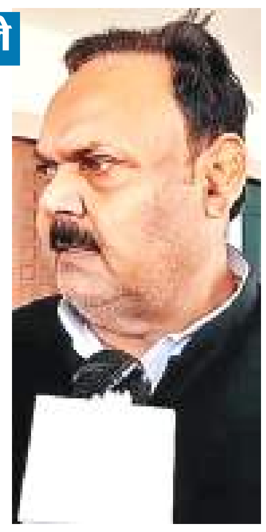

गृह मंत्रालय से एसपी की करेंगे शिकायत : विधायक

विधायक कमलेश सिंह ने कहा है कि सभी कागजात इकट्ठा कर गृह मंत्रालय से शिकायत करने दिल्ली जा रहे हैं. वहां बताएंगे कि पलामू एसपी एक जनप्रतिनिधि की उपेक्षा कर रही हैं. यह भी कहा कि हुसैनाबाद, हरिहरगंज अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र है. थाना प्रभारी गरीब से पैसा तसीलने में लगे रहते हैं, कभी गश्ती नहीं करते हैं. यहां नक्सलियों ने आतंक मचाया हुआ है. चुनाव का समय है, अभी विकास का काम रूका हुआ है. नक्सली के ठहरे होने की सूचना के बाद भी एसपी ने कभी भी इसे गंभीरता ने नहीं लिया.

नक्सलियों ने विधायक के भाई के तीन वाहन फूंके

संवाददाता। हुसैनाबाद

- हैदरनगर के डंडिला में सड़क निर्माण कार्य में लगे थे वाहन
- नक्सलियों की धर-पकड़ के लिए चला रहे अभियान : एसपी

पलामू के सुदूरवर्ती इलाके में भाकपा माओवादियों ने फिर से उत्पात मचाया है. लेवी नहीं मिलने के कारण सड़क निर्माण कार्य में लगे तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया है. तीनों वाहन हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह के भाई विनय सिंह उर्फ बीनू सिंह के बताये जा रहे हैं. घटना बुधवार की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है. विनय कुमार सिंह अपनी कंपनी अभय कंस्ट्रक्शन के माध्यम से हैदरनगर में डंडिला से सड़ेया तक का सड़क का निर्माण करवा रहे हैं. जानकारी के मुताबिक बुधवार की रात करीब दर्जन भर हथियारबंद माओवादियों का दस्ता डंडिला इलाके में पहुंचा और एक

धू-धू कर जलते सड़क निर्माण कार्य में लगे वाहन.

जेसीबी और दो ट्रैक्टरों में आग लगा दी. विनय कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें लेवी के लिए उग्रवादियों से धमकी मिल रही थी, जिसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को भी दी थी. उनका हरिहरगंज और डंडिला के इलाके में पुल व सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है. हरिहरगंज में लेवी के लिए उन्हें टीएसपीसी ने और डंडिला इलाके में माओवादियों ने धमकी दी थी.

घटना के पीछे नक्सली कमांडर नितेश यादव का हाथ : इस घटना के पीछे 15 लाख का इनामी नक्सली कमांडर नितेश यादव का हाथ बताया जा रहा है. बताया जा रहा है कि घटना के वक्त कंपनी का एक मुंशी मौके पर मौजूद था, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है. मामले में पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने कहा है कि नक्सलियों के धर-पकड़ के लिए इलाके में सघन अभियान चलाया जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

मोटरसाइकिल के धक्के से ट्रक चालक की मौत

डकरा। चुरी कोलयरी के बाघलाता के समीप सड़क दुर्घटना में शंभु राम नामक एक ट्रक चालक की मौत हो गई. घटना गुरुवार की रात 7 बजे बताई जाती है. घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार शंभु अपने ट्रक में कोयला लोड करने चुरी कोलयरी गया था. ट्रक खड़ा कर वह खाना खाने होटल पैदल जा रहा था. ऐसी बीच पिपरवार की ओर जा रहे मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति ने उससे पीछे से धक्का मार दिया. जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई. हादसे के बाद मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति अपना मोटरसाइकिल घटना स्थल पर ही छोड़कर भाग गया. मृतक शंभु राम मूलरूप से मोहम्मद गंज जिला पलामू का रहने वाला बताया जाता है. घटना के बाद खलारी पुलिस मृतक का शव को कब्जे में लेकर अग्रसर की कार्रवाई में लगी है.

पूर्व बीएलओ का दिल का दौरा पड़ने से निधन

रातू। रातू के समाजसेवी हुरहुरी ग्राम निवासी जुगेशवर सिंह की पत्नी अंजु देवी,(45)का बुधवार रात्रि 11 बजे दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया .वह अपने पीछे दो पुत्र एवं पुत्रियां छोड़ गई है.वह महिला समिति, स्वयं सहायता समूह तथा अपने पंचायत के बीएलओ भी रह चुकी थी.और राजनीति से भी जुड़ी थी.वह आजसू की महिला समिति की प्रखंड अध्यक्ष भी रह चुकी है.उनके निधन पर क्षेत्र के लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है.

पिकअप वैन पलटा बाल-बाल बचे लोग

सोनाहातू। प्रखंड के बारेंदा पंचायत के जिन्तुडीह गांव के एयरटेल-जिओ टावर के समीप सड़क पर बीती रात एक मिल्क पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गया. मिल्क पिकअप वैन में करीब 200 लीटर दूध का पैकेट लदा हुआ था, मिल्क पिकअप वैन का चालक सुरक्षित है. मिल्क पिकअप वैन के चालक का कहना है कि वह प्रतिदिन चौका से दूध लेकर हजारीबाग जाता है बीती रात चौका से दूध लेकर जा रहा था इसी क्रम में पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे करीब 100 लीटर दूध का पैकेट का नुकसान हुआ है घटना की सूचना मिलते ही सोनाहातू पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी के सहारे मिल्क पिकअप वैन को उठाया गया. घटनास्थल पर एएसआई राकेश कुमार एवं पुलिस बल मौजूद थे.

30 को सीपीआईएम हुल दिवस मनाएगी

बुंडू। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के तत्वाधान पर आगामी 30 जून को बुंडू अनुमंडल क्षेत्र के तमाड़ प्रखंड स्थित भूयाईडीह आदि चौक में हुल दिवस मनाएगा. उक्त जानकारी लोकल कमेटी के सचिव नेहरू लाल मुंडा ,जेहरू लाल मुंडा ने देते हुए बताया कि इस मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश के सचिव प्रकाश विप्लव, प्रदेश कमेटी के सदस्य और तमाड़ विधानसभा प्रभारी सुरेश मुंडा, सचिन मंडल सदस्य समीर दास,जिला सचिव सुखनाथ लोहार के अलावा कई किसान सभा के नेता शामिल होंगे. इसकी तैयारी को लेकर गांव गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है. हजारों की संख्या में किसान मजदूर शामिल होंगे.

जंगल में सखुआ का बल्ली और बोटा काटकर ट्रैक्टर पर लोड किया था

ग्रामीणों ने लकड़ी लदा ट्रैक्टर सहित वनरक्षी को पुलिस के हवाले किया

खास बातें

- वनरक्षी आनंद भगत ने कहा मैं गश्ती पर था,आरोप झूठा है
- रेंजर बोले- गलतफहमी हुई ग्रामीणों को, सच कुछ और

सुनील कुमार गुप्ता। लापुंग

लापुंग थाना क्षेत्र के लतरातु देशवाली जंगल में बुधवार अवैध तरीके से सखुआ के बल्ली एवं बोटे काट जा रहे थे. लतरातु के ग्रामीणों ने सखुआ के बोटे के साथ ट्रैक्टर सहित सिविल ड्रेस में लकड़ी लोड करते नगड़ी बीट के वनरक्षी सहित ट्रैक्टर के चालक और सहयोगियों को भी कब्जे में ले लिया. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सिविल ड्रेस में वनरक्षी खुद अवैध तरीके से लकड़ी कटवा कर लोड कर रहे थे. लतरातु के ग्रामीणों ने वनरक्षी को बुधवार दोपहर से लेकर रात 10:00 बजे तक गांव में बैठाकर रखा और रात 10:00 बजे छोड़ा. दूसरे दिन गुरुवार को 9:00 बजे से लतरातु पंचायत सचिवालय परिसर में ग्राम प्रधान ललित उरांव एवं विधायक प्रतिनिधि सुजीत तिर्की की अध्यक्षता एवं संचालन में ग्रामीणों ने वनरक्षी आनंद भगत एवं अन्य लोगों को बुलाकर बैठक किया और निर्णय लिया कि वनरक्षी समेत ट्रैक्टर और ट्रैक्टर के चालक को लापुंग पुलिस के हवाले कर देना है. इस संबंध में लापुंग पुलिस को लिखित आवेदन देकर वनरक्षी सहित ट्रैक्टर चालक के ऊपर मामला दर्ज करने का अनुरोध किया गया. लापुंग के एएसआई हेरमन सोय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर लकड़ी लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया.

लतरातु पंचायत सचिवालय के पास ग्रामीणों के कब्जे में वनरक्षी आनंद भगत .

जंगल में पेड़ काटे जाने की सूचना मिली थी:वनरक्षी

उधर वनरक्षी आनंद भगत ने कहा कि वे कल गश्ती में थे उन्हें जंगल में लकड़ी काटे जाने की सूचना मिली थी तो वे धरपकड़ के लिए ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचे थे. उन्होंने कहा कि वे वन विभाग के अधिनियम के तहत तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पहुंचे थे. लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें गांव में दस बजे तक रात तक बैठा कर रखा. हालांकि लतरातु के श्याम लाल बडाईक ने कहा कि वनरक्षी सिविल ड्रेस में जंगल में क्या कर रहा था ? अगर जंगल की कटाई दूसरा कोई कर रहे थे तो इसकी सूचना वन रक्षा एवं प्रबंध समिति लतरातु के अध्यक्ष को क्यों नहीं दी गई. सिविल ड्रेस सेंडो गंजी में वनरक्षी खुद लकड़ी लोड कर रहे थे. जबकि वे लेबर लाए थे. ट्रैक्टर में नंबर भी नहीं था.

वनरक्षी और ट्रैक्टर चालक हिरासत में

रेंजर से बात कराने कहा गया तो वे राहुल से बात कराया. ग्रामीणों ने कहा कि मामले की जांच होनी चाहिए. गार्ड खुद संदेह के घेरे में है. गुरुवार की शाम तक मामला दर्ज नहीं किया गया था. लापुंग थाने में थाना प्रभारी का इंतजार किया जा रहा था. फिलहाल ग्रामीणों द्वारा बनाए गए आरोपी वनरक्षी आनंद भगत, ट्रैक्टर के चालक अमन गोप सहित अन्य लोगों को पुलिस अपने हिरासत में रखी थी. मामले की जानकारी मिलने पर वन विभाग के रेंजर थाना पहुंचे और मामले की जानकारी ली. बेडो.के रेंजर सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि कटे हुए लकड़ी को जब्त करने गार्ड पहुंचा था लेकिन गलतफहमी में ग्रामीणों ने उसे ही आरोपी बना दिया. उन्होंने कहा कि बहुत जल्द गलतफहमी दूर होगी सच्चाई सामने आएगी.

रातू में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

रातू। रातू थाना क्षेत्र के कटहल मोड़ निवासी भोला साव की पत्नी रानी कुमारी(19) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली . घटना को लेकर मृतिका के पति भोला साहू रातू थाना में मामला दर्ज कराया है. जानकारी अनुसार भोला साव प्रत्येक दिन की भांति प्राइवेट कंपनी में नाइट गार्ड का काम कर सुबह 10 बजे घर लौटा तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है.काफी आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उसको अनहोनी की आशंका हुई और वह दरवाजा को तोड़कर अंदर गया.अंदर देखा कि उसकी पत्नी छत के हूक में फांसी लगा ली है.उसने तत्काल इसकी सूचना रातू थाना को दी.रातू पुलिस ने शव का पंचनामा करा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. मृतका के पति ने बताया कि रानी कुछ दिनों से अपने मायके को लेकर तनाव में थी.

टाइगर जयराम महतो की बुंडू में छह को महासभा

बुंडू। जेबीकेएसएस और जेएलकेएमएम के संयुक्त तत्वावधान पर 6 जुलाई को बुंडू आयोजित बदलाव संकल्प सभा को सफल बनाने को लेकर तैयारी जारी है. इसी क्रम में महिला मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष दमयंती मुंडा बुंडू प्रखंड के हाजेद,तैमारा लबगा, पंसकाम, आनेडीह, कराम्बू आदि गांवों का दौरा किया . उन्होंने ग्रामीणों को संबोधन में कहा कि जयराम महतो के नेतृत्व में राज्य में स्थानीय लोगों के हक अधिकार के लिए बदलाव सभा का आयोजन किया गया है . जिसमें ग्रामीणों को शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र देकर बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील किया . मौके पर केन्द्रीय सक्रिय सदस्य विश्वनाथ महतो, सुमित महतो शंकर पाहन,चामा पाहन, मोहन मुंडा, मंगल आदि थे.

न्यूज अपडेट

विधायक की पहल पर लगा नया ट्रांसफार्मर

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के पिस्का पंचायत अंतर्गत राजागोड़ा गांव में लगा ट्रांसफार्मर लगभग एक महीना से ख़राब था. जिसके चलते ग्रामीणों को काफ़ी दिक्क़तों का सामना करना पड़ता था. बिजली की परेशानियों को देखते हुए ग्रामीणों ने इसकी सूचना सिल्ली के विधायक श्री सुदेश कुमार महतो को दिया. स्थानीय विधायक ने बिजली विभाग के पदाधिकारियों को तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया.इस दौरान सिल्ली प्रखंड प्रमुख जीतेन्द्र नाथ बड़ाईक, पिस्का पंचायत प्रभारी गीता देवी, विशाल महतो, अनिल महतो, धीरेन महतो, बिरेन महतो समेत ग्रामीण उपस्थित रहे.

महिलाओं ने विद्युत आपूर्ति प्रशाखा का घेराव किया

नामकुम। सिदरोल गांव की महिलाओं ने सिदरोल स्थित रामपुर विद्युत आपूर्ति प्रशाखा का गुरुवार को घेराव भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर के नेतृत्व में किया. कार्यक्रम में कुसुम मुंडा रूपा चौहान अंजली लकड़ा एवं वार्ड सदस्य पूजा लिंडा शामिल हुए. महिलाए झारखंड सरकार की लचर बिजली आपूर्ति के खिलाफ आवाज उठाई . घेराव में उपस्थित महिलाओं ने एक सुर में बिजली आपूर्ति सुधारने की बात कही आरती कुजूर ने कहा कि सिदरोल में बिजली सब स्टेशन है किंतु गांव को ही बिजली नहीं मिलती है . घेराव में आरती कुजूर, अंजली लकड़ा, कुसुम मुंडा, रूपा चौहान, सरोज कुमारी, अशोक मुंडा, वार्ड सदस्य पूजा लिंडा, मुखिया प्रत्याशी शांति मुंडा, विनीता कच्छप, मीना देवी, कविता देवी,सुनीता देवी आदि शामिल थी.

आंगनबाड़ी भवन जर्जर,कहीं बड़ा हादसा न हो जाए

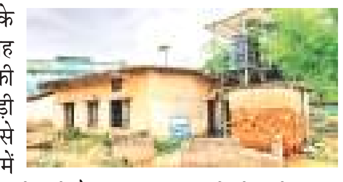

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के बारेन्दा पंचायत के चरकुडीह गांव का आंगनबाड़ी भवन काफी जर्जर स्थिति में है. आंगनबाड़ी केंद्र का का छत कई जगह से गिरने की स्थिति में है. केंद्र में एक भी दरवाज़ा और खिड़की सही नहीं है. जिस कारण कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका जतायी जा रही है. दरवाजा नही होने का कारण कभी भी आवारा कुत्ता, बैल, बकरी, प्रवेश कर डेरा जमा लेते है. केन्द्र में बाथरूम बनाया गया था, लेकिन देखरेख नहीं होने के कारण बर्बाद हो चुका है. केंद्र का बाउंड्रीवाल भी गिर चुका है. पानी का कोई व्यवस्था नहीं है. केन्द्र में सोलर टंकी तो लगी है, लेकिन मशीन का कहीं आता-पता नहीं है. विभाग के पदाधिकारी कभी भी केन्द्र का निरीक्षण नहीं करते हैं.

झामुमो की बैठक में विस चुनाव की तैयारी पर चर्चा

खलारी। खलारी सीमेंट फैक्ट्री के यूनियन कार्यालय में झामुमो के खलारी प्रखंड के पदाधिकारियों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान एवं संचालन कलाम रिज्वी ने की. बैठक में आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए खलारी प्रखंड के सभी पंचायत को मजबूत करने के लिए महिला मोर्चा, किसान मोर्चा एवं क्रीड़ा मोर्चा का गठन जल्द से जल्द किया जायगा. बैठक में प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान, उपाध्यक्ष राजेश प्रसाद, कमलेश प्रशाद संयुक्त सचिव, चितरंजन सिंह,राजकुमार,प्रवीण चौहान गंझू, संगठन सचिव सुधीर चौहान ,सुनील यादव कोषाध्यक्ष जैनुल खान, युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष मुकेश यादव,उपाध्यक्ष गौरव सिंह आदि शामिल थे.

शक्तिपुंज एक्सप्रेस का ठहराव नहीं होने से घटे पर्यटक

मैक्लुस्कीगंज। मैक्लुस्कीगंज स्टेशन में शक्तिपुंज एक्सप्रेस का ठहराव नहीं होने से पर्यटन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. मैक्लुस्कीगंज शिक्षा के साथ-साथ पर्यटन के क्षेत्र में विख्यात है. पश्चिम बंगाल से मैक्लुस्कीगंज का ऐतिहासिक जुड़ाव व संबंध रहा है. ऐसे में बंगाल से पूरे वर्ष पर्यटक यहां आते रहते हैं. शक्तिपुंज एक्सप्रेस का ठहराव यहां लगभग ढाई वर्षों से नहीं हो रहा है. पहले बंगाल के पर्यटक सीधे मैक्लुस्कीगंज स्टेशन पहुंचते थे, और अब पर्यटकों को जमशेदपुर-रांची के रास्ते या फिर टोरी-चंदवा स्टेशन से वाहन बुक कर अतिरिक्त खर्च कर मैक्लुस्कीगंज आना पड़ता है. वहीं चंदवा से वाहन चालक देर रात मैक्लुस्कीगंज आने से कतराते हैं. यह मार्ग अतिसंवेदनशील है. मैक्लुस्कीगंज से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर चंदवा-टोरी स्टेशन पर उतरकर निजी वाहन बुक कर मैक्लुस्कीगंज आना पड़ता है.

एंगल चोरी कर भाग रहे नौ चोरों को ग्रामीणों ने दबोचा

बड़का हातमा में एंगल चोरों को पुलिस के हवाले करते ग्रामीण.

संवाददाता। मांडर

थाना अंतर्गत करगे पंचायत के बड़का हातमा के ग्रामीणों ने गुरुवार दोपहर चोरी के हाईटेंशन के एंगल के साथ नौ चोरों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. पकड़े गये चोरों में हजारीबाग बड़कागांव का सिमरतिरि निवासी विनोद कुमार महतो, बड़कागांव महूदी के मेघु राणा, बुढ़मू के माशूक अंसारी, बुढ़मू ईचापीड़ी के इजहार मलिक, साहिल मलिक, चकमे गांव का गुलजार अंसारी, मक्का गांव का दीपक साहू एवं काशीटोला का रामनाथ लोहार शामिल है. इनके पास से चार बाइक जेएच 01 सी- 7433, जेएच 02के- 0468, जेएच 08एफ-8129, जेएच 01ए-6241 सहित हाईटेंशन टावर का करीब पांच क्विंटल एंगल बरामद किया गया है.

1857 की स्वतत्रंता सेनानियों की चौथी पीढ़ी के वंशजों ने किया प्रदर्शन, कहा

राज्य सरकार नहीं कर रही है सहयोग

संवाददाता। रांची

अमित सिंह

कोमल खेरवार

जीतराम बेदिया

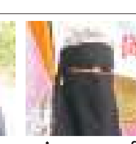

इंतशाम अली

हजारों वीरों के बलिदान से देश आजाद हुआ. देश को आजादी दिलाने में हजारों लोगों को फांसी दी गई. अंग्रेजों से गोलियां खानी पड़ी. तब देश आजाद हुआ, लेकिन आज झारखंड के शहीदों के वंशजों की सुध लेने वाला कोई सामने नहीं आ रहा है. गुरुवार को 1857 की लड़ाई में चार शहीद परिवार के वंशजों ने अपनी मांग को लेकर राजभवन के समक्ष उपवास रखकर विरोध जताया. उपवास पर बैठे शहीदो के परिवार से राष्ट्रीय युवा शक्ति का साथ मिला. इस दौरान अध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि युवा शक्ति का गठन ही शहीदो के नाम से किया गया है. झारखंड में शहीद होने वाले परिवार का सहयोग नही मिलना दुखद है. सरकार वीरक्रांति के परिवार को चिन्हित करे है.और उनका सहयोग दिलाये.

शहीद टिकैत उमरांव सिंह की चौथी पीढ़ी के वंशज अमित सिंह ने कहा कि यह कैसा झारखंड है, जिसमें शहीदों के परिवार वाले को सरकार भूल जा रही है.आजादी के लिए जो परिवार अपना बलिदान दिया, संघर्ष किया, अंग्रेजों से लड़ाई लड़ा. आज उसका पूरा परिवार राज्य में ठोकर खा रही है.

ये हैं इनकी मांगें

- स्वतंत्रता सेनानी आयोग का गठन हो, ताकि परिवारों को सहायता मिल सके.
- निःशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था सरकार की ओर से की जाए.
- सरकार की ओर से स्वतंत्रता सेनानी के वंशजों को भी पेंशन दी जाए.
- झारखंड स्थापना दिवस पर शहीद परिवारों को सम्मानित किया जाए.
- यूनिवर्सिटी का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के नाम पर ही हो.

अनुसंधान भाकपा माओवादियों को फंडिंग करने के मामले में की गयी छापेमारी, रांची से पहुंची थी एनआई की टीम

मनोहरपुर की ईंट फैक्ट्री में एनआईए का छापा, टेरर फंडिंग की जांच

संवाददाता। किरीबुरु

मनोहरपुर स्थित जोगेश्वर गोप उर्फ जोगी के ईंट फैक्ट्री में गुरुवार की अहले सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने टेरर फंडिंग मामले को लेकर छापेमारी की. रांची से चार वाहनों में एनआईए की टीम और मनोहरपुर थाना पुलिस की ईंट फैक्ट्री पहुंच कर तलाशी ले रही थी. जानकारी के अनुसार, एनआईए एक करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा और नक्सलियों के फ्रंट ऑर्गेनाइजेशन के खिलाफ कार्रवाई कर रही है.

बताया जा रहा है कि भाकपा माओवादियों को फंडिंग करने के मामले में यह छापेमारी की गयी है. बता दें कि जोगेश्वर गोप का घर अत्यंत नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल के गुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत रोवाम गांव में पड़ता है. इस संबंध में जोगेश्वर गोप से संपर्क करने पर उसने बताया कि अभी वह चाईबासा न्यायालय में एक तारीख पर आया हैं. मनोहरपुर के थाना प्रभारी फोन कर आने को कह रहे थे, लेकिन जब तक न्यायालय की प्रक्रिया खत्म नहीं हो जाती, तब तक वहां जाना संभव नहीं है. उसने कहा है कि एनआईए को जांच में पूरा सहयोग करेंगे.

जोगेश्वर गोप

खास बातें

- नक्सलियों को फंडिंग करने के मामले में चल रही जांच
- गुवा के रोवाम गांव निवासी जोगेश्वर गोप की है फैक्ट्री

नक्सली से संबंध या संपर्क होने से किया इनकार : जोगी ने नक्सलियों से किसी प्रकार का संपर्क अथवा संबंध होने की बात को सिरे से खारिज किया है. बताया कि मनोहरपुर स्थित ईंट फैक्ट्री में तीन पार्टनर हैं, जिसमें उसके अलावा मनोहरपुर निवासी राजेश राम और हीरा बगाड़िया शामिल हैं.

पीएलएफआई एरिया कमांडर सहित दो गिरफ्तार

- एक कट्टा, तीन कारतूस, पर्चा और चोरी की बाइक बरामद

खूंटी। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर विष्णु मांझी के साथ एक अन्य नक्सली सामू डोडराय उर्फ फुटू को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया. दोनों तोरपा थाना क्षेत्र के जरिया कुटाम के रहनेवाले हैं. इनके पास एक कट्टा, तीन कारतूस, पीएलएफआई के चार पर्चे, चोरी की बाइक (जेएच 01पी 4246) और पांच मोबाइल बरामद किये गये हैं.

तोरपा एसडीपीओ ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तोरपा थाना के तेतरटोली के पास दो व्यक्ति एक स्लेटी रंग की बाइक से घूम हैं और हथियार रखे हुए हैं. इसमें एक पीएलएफआई का एरिया कमांडर भी है. एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी टीम जब तेतरटोली के पास पहुंची, तो दोनों भागने लगे. हालांकि सशस्त्र बल के सहयोग से दोनों को खदेड़ कर पकड़ लिया गया. पूछताछ में दोनों नक्सलियों की पहचान हुई.

कार्रवाई की जानकारी देते तोरपा एसडीपीओ ख्रिस्टोफर केरकेट्टा.

मुरी में सड़क दुर्घटना में युवक की जान गई

सिल्ली/मुरी। सिल्ली पुलिस को अहले सुबह गुरुवार को रांची-पुरुलिया मुख्य मार्ग पर खून से लथपथ युवक का शव मिला. जिसकी पहचान अफताब खान तालडागा पुरुलिया निवासी के रुप में हुई. ग्रामीणों से पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक रांची पुरुलिया मार्ग पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है . तत्पश्चात पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक को उठाकर सामुदायिक अस्पताल सिल्ली ले आई . जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया. पुरुलिया पुलिस की सहयोग से मृत युवक के परिजनों को खबर मिलते ही सिल्ली थाना पहुंचे और बताया कि आफताब खान पिछले 25 जून को सुबह घर से निकला था और वापस नहीं आया. परिजनों ने पुरुलिया थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष खर्च भाव में चंद्रमा राहु का योग है. गलत कार्य और हॉस्पिटल में खर्च होगा. विदेश यात्रा का प्लान बन सकता है. किसी खास चीज से अच्छे लाभ का योग है. सहकर्मियों से मनमुटाव हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें.

वृषभ गलत आय से बचें, क्योंकि आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. दोपहर के बाद समय बहुत ही अनुकूल है. अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी दोस्त से धोखा मिल सकता है. आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. गौ माता का सेवा करें.

मिथुन समय अनुकूल है. आय भाव में चन्द्र है. सात्विक आय ज्यादा लाभकारी होगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी, वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार न दें.

कर्क धर्म में मन लगेगा. कोई बड़ा लाभ होगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का भी संकेत सितारे दे रहें हैं. किसी विवाद में न पडें. धन आगमन से मन खुश होगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह धर्म से भाग्य उदय होगा. कर्म के लिए दिन अच्छा है. मनोरंजक होगी. ससुराल से अच्छा लाभ का मौका दिख रहा है. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य न करें.

कन्या थोड़ा मानसिक तनाव होगा, पर भाग्य का साथ मिलेगा. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. यात्रा का योग है.

तुला जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. कोई नया कार्य कर सकते हैं. शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं. कोई बड़ा बदलाव होगा.

वृश्चिक समय सामान्य है. मानसिक उलझन वाला दिन होगा. एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें. शिवलिंग पर दूध का अर्पण करें.

धनु कार्य मे बिलंब होने से मन खिन्न होगा. संतान के कार्य पर नज़र रखें. धर्म से सही मार्ग मिलेगा. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. काली वस्तु का दान करें.

मकर आपके प्रभाव से अच्छे लाभ का योग है, पर किसी से विवाद नहीं करें. माता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना भरी पड़ सकता है. दुर्गा माता का ध्यान करें. जूता और अन्न का दान करें.

कुंभ भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. शिक्षा में बदलाव होगा. नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें.

मीन समय सामान्य है. पर किसी से विवाद होगा. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने से बचें.

खनन विभाग की कार्रवाई से अवैध खनन, भंडारण और परिवहन करने वालों में हड़कंप, 16 केस दर्ज

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई : तीन माह में 21 वाहन जब्त

आशिष टैगोर। लातेहार

जिले में अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन रोकने के लिए जिला प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है. डीसी गरिमा सिंह के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) आनंद कुमार लगातार छापामारी अभियान चला रहे हैं. प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध उत्खनन, भंडारण व परिवहन करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए डीएमओ आंनद कुमार ने बताया कि अप्रैल माह से 24 जून तक जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण के मामलों में 21 वाहनों को जब्त कर 16 प्राथमिकी दर्ज की गयी है. उन्होंने बताया कि बतौर जुर्माना 152.35 लाख (1 करोड 52 लाख पैतीस हजार) की राशि वसूली की गयी. बताया कि अवैध खनन को रोकने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और उपायुक्त के निर्देश पर लगातार छापेमारी की जा रही है.

खास बातें

- अप्रैल से अब तक 16 प्राथमिकियां दर्ज की गईं और 21 वाहन जब्त
- 152 .35 लाख (1.52 करोड) जुर्माना भी वसूला गया

नहीं बख्शे जायेंगे अवैध कारोबारी : डीएमओ

जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने कहा कि जिले में अवैध खनिज कारोबारियों को बख्शा नहीं जायेगा. उन्होंने कहा कि अवैध खनिज संपदा के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जायेगी. साथ ही उनको जेल भेजा जायेगा.

20 जून को एक लाख 50 हजार सीएफटी किया था जब्त

डीएमओ ने बताया कि 20 जून को ही छापेमारी कर बालूमाथ थाना क्षेत्र के एक कंस्ट्रक्शन साइट में अवैध रूप से भंडार कर रखे गये एक लाख 50 हजार सीएफटी बालू जब्त किया था. जांच में पाया गया कि यह बालू रेलवे निर्माण कार्य में लगे उपकार इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड का है. कंपनी के पास बालू भंडार करने का लाइसेंस भी नहीं था और ना ही कंपनी ने भंडारण के लिए कोई आवेदन दिया था. बाद में कंपनी ने, जो कागजात उपलब्ध कराये, उसमें और बालू भंडारण में भिन्नता पायी गयी. इसे लेकर डीएमओ ने अवैध बालू भंडारण को लेकर उपकार इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी एवं संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ बालूमाथ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी.

पाडुपुड़िंग जलप्रपात में डूबने से दो छात्रों की मौत, एक शव बरामद

खूंटी । जिले के प्रसिद्ध पांडुपुड़िंग जलप्रपात में डूबने से दो छात्रों सन्नी गुप्ता और आदि कुमार की मौत हो गई. सन्नी कुमार हजारीबाग निवासी सुभाष कुमार साहू का पुत्र था, जबकि आदि कुमार रांची के हरमू चौक का रहनेवाला था. सन्नी का शव बरामद कर लिया गया, जबकि आदि का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है. जानकारी के अनुसार आदि और सन्नी अपने अन्य दस दोस्तों के साथ गुरुवार को अपने मित्र अंकित कुमार का जन्मदिन मनाने तपकारा थाना क्षेत्र के पांडुपुड़िंग जलप्रपात गये थे. लड़के नहाने के लिए जलप्रपात में घुस गये. पानी के तेज बहाव के कारण सन्नी डूबने लगा. उसे बचाने के क्रम में आदि भी डूब गया.

सीएम ने गौतम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की रखी आधारशिला, कहा-

स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है. इस दिशा में स्वास्थ्य संरचनाओं को बेहतर करने का प्रयास निरंतर जारी है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को रांची स्मार्ट सिटी परिसर में गौतम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राज्यवासियों को अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता जताई. उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में इस मेडिकल कॉलेज का खुलना स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस पहल से निश्चित तौर पर राज्य के विकास को एक नई दिशा मिलेगी. शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, रांची यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिंह, राइट पाथ फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ अभिजीत कुमार विशेष रूप से मौजूद थे.

ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यकताओं को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल खोले जाने की जरूरत है. इस राज्य में आज भी देश के मानक स्तर से काफी कम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल हैं. ऐसे में यहां नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है. मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले दिनों में यहां निजी अथवा पीपीपी मोड पर कई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खुलेंगे, जिसका फायदा यहां के लोगों को मिलेगा.

रांची में अस्पताल की आधारशिला रखते सीएम चंपाई सोरेन.

खास बातें

- निजी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज का खुलना एक महत्वपूर्ण कदम
- स्वास्थ्य में निवेश करने वालों को सरकार करेगी पूरा सहयोग
- ग्रामीण व सुदूर इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बना रहे हैं बेहतर

निवेशकों को पूरा सहयोग करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य समेत किसी भी क्षेत्र में जो निवेशक यहां निवेश करने के इच्छुक हैं, उन्हें सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा. वे अपना प्रस्ताव दें, सरकार पूरी गंभीरता से विचार करेगी. निवेशकों को सरकार की नीति के अनुरूप इंसेंटिव भी दिया जाएगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विकास की गति तेज करने के लिए कई कदम उठाए जा रहा हैं.

इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़े

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी बेहतर इलाज के लिए लोग दूसरे राज्यों और बड़े शहरों का रुख करते हैं. वहां महंगा इलाज होने की वजह से उनके आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है. सरकार की कोशिश है कि यहां के लोगों को अपने ही राज्य में बेहतर और आधुनिक चिकित्सीय जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध करा सकें. इस दिशा में मेडिकल कॉलेज तथा विभिन्न अस्पतालों को अपग्रेड किया जा रहा है.

गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के ग्रामीण और सुदूर इलाकों से लेकर शहरों तक लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करना हमारी प्रतिबद्धता है. इस दिशा में स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत कर रहे हैं. सरकार इसके लिए तो कार्य कर ही रही है, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों को भी इसके लिए आगे आना होगा. वे ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करें ताकि ग्रामीणों को इलाज के लिए अन्यत्र इधर-उधर जाना नहीं पड़े. सभी के सहयोग से हम राज्य वासियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में सफल होंगे.

बैठक में नहीं आने वाले अफसरों व कर्मचारियों पर कार्रवाई हो

संवाददाता। लातेहार

प्रखंड प्रमुख परशुराम लोहरा के नेतृत्व में पंचायत समिति सदस्यों ने उपायुक्त को एक आवेदन सौंपा है.आवेदन मे उन्होंने पंचायत समिति मासिक बैठकों में नहीं पहुंचने वाले विभागों के पदाधिकारी व कर्मी पर कार्रवाई करने की मांग की है. प्रखंड प्रमुख ने कहा है कि बैठकों में पदाधिकारी व कर्मी नहीं शामिल नहीं होने पर पंचायत में हो रही समस्या का निराकरण समय पर नहीं हो पा रही है. पदाधिकारी व संबंधित विभाग के कर्मियों के लापरवाही के कारण पंचायत में चल रही योजनाओं की जानकारी तक नहीं मिल पा रही है. उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के पदाधिकारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म कर रहे हैं. आवेदन देने वाले में सरिता देवी, पुनीत भुईयां, सीता कुमारी, शांति देवी, पिंकी देवी, अनीता देवी, रीना देवी,समेत प्रखंड के सभी पंचायत समिति सदस्य का नाम शामिल है.

पेड़-पौधे हैं तो जीवन है, इनकी रक्षा करें : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गुरुवार को खिजरी विधानसभा क्षेत्र के नवागढ़ पंचायत में एक वृक्ष मां के नाम के तहत पौधरोपण सह बूथ कार्यकर्ता सम्मान में शामिल हुए. मरांडी ने कहा प्रकृति हमारी मां है, जो समस्त पृथ्वीवासियों की रक्षा करती है. प्रकृति की शोभा पेड़ पौधे और वृक्ष ही हैं. वृक्ष लगाकर हम प्रकृति की सुरक्षा सुनिश्चित करें तभी प्रकृति हमारे जीवन की रक्षा करेगी. भाजपा अपने स्थापना काल से केवल राजनीतिक नही बल्कि रचनात्मक कार्यक्रम के साथ भी जनता की बीच जाती है. भाजपा प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा के लिए संकल्पित है. मां के नाम पेड़ लगाकर हमें उसकी देखभाल की जिम्मेवारी लेनी है,उसे बचाना भी है. उन्होंने जनता और कार्यकर्ताओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया.

आरएनएल स्टार किया गया लॉन्च ग्राहकों को देगा बेहतर रिटर्न

रांची। रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 में अपने भागीदार पॉलिसीधारकों के लिए कुल 346 करोड़ रुपए के बोनस की घोषणा की है. जो 31 मार्च, 2024 तक सभी पात्र प्रतिभागी पॉलिसीज इस बोनस घोषणा से लाभान्वित हुई हैं. कंपनी पिछले 23 वर्षों से लगातार बोनस की घोषणा कर रही है जो ग्राहकों को नियमित रूप से अपने प्रीमियम का भुगतान और निवेश में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करती है. कंपनी के ईडी और सीईओ आशीष वोहरा ने कहा, हमारा फोकस लगातार मजबूत प्रदर्शन, बेहतर निवेश प्रबंधन है. कंपनी ने हाल ही में एक नया सहभागी प्रोडक्ट, आरएनएल स्टार लॉन्च किया है, जो जीवन के विभिन्न चरणों जैसे आय के दूसरे स्रोत, बच्चे की शिक्षा, सेवानिवृत्ति या लेगेसी का निर्माण करने आदि की समस्याओं का समाधान कर सकता है.

अय्याशी के लिए किराये पर कमरा नहीं देने पर दो पक्षों में मारपीट

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर थाना क्षेत्र के मसिहानी गांव में दो पक्षों के बीच हुये मारपीट में आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं . छतरपुर अनुमंडल अस्पताल में घायलों का इलाज हुआ और गंभीर रूप से घायल तीन युवकों को एमएमसीएच भेज दिया गया है जहां इलाज के बाद भी उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. इस घटना के बारे में छतरपुर थानाक्षेत्र के मसिहानी गांव के परमेश्वर उरांव के पुत्र उपेंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 5:30 बजे गांव के ही बिट्टू सिंह उसके घर पर आकर रूम किराए पर मांगने लगा . वह रूम लेकर उसमें लड़कियों को रखकर ऐय्याशी करना चाहता था . उपेंद्र उरांव ने जब कमरा देने से जब इन्कार किया तो बिट्टू सिंह और उसके साथ आए युवकों ने उपेंद्र उरांव उम्र 22 वर्ष, मनीष उरांव उम्र 25 वर्ष और प्रकाश कुमार चंद्रवंशी को लाठी डंडे से पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. छतरपुर थाना की पुलिस घटना से संबंधित मामले की छानबीन में जुट गई है. हांलाकि इस मामले में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है . पुलिस का कहना है कि किसी भी पीड़ित पक्ष की ओर से उन्हें कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है .

लातेहार जिले में शिविर लगाकर करें मुआवजा के लंबित भुगतान: उपायुक्त

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह ने रेलवे व पथ निर्माण समेंत अन्य परियोजनाओं में जमीन अधिग्रहण के लंबित मुआवजा का भुगातन शिविर लगा कर करने का निर्देश दिया है. गुरुवार को भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्देश दिया. बैठक में रेलवे, पथ निर्माण, पीवीयूएनएल, डीवीसी, एनएच, एनएचएआई व टीवीएनल की परियोजनों की समीक्षा की गयी.उपायुक्त ने वंशावली व एलसी आदि सत्यापन का कार्य अंचल अधिकारी स्तर से समय पर सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया. 80 प्रतिशत से अधिक मुआवजा राशि वितरण होने वाले परियोजनाओं का अधियाची विभाग को दखल-देहानी देने का निर्देश दिया गया. एनएचएआइ के पैकेज टू उदयपुरा से भोगू तक भू अर्जन से संबंधित मुआवजा का भुगतान के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया डीसी ने दिया. एनएचएआई के पैकेज-वन कुडू से उदयपुरा के भू–अर्जन से संबंधित सभी ग्रामों के पंचाटियों को मुआवजा भुगतान हेतु नोटिस निर्गत कर अंचल स्तर पर शिविर लगाने का निर्देश दिया गया. एनटीपीसी के रेलवे लाइन निर्माण से संबंधित भू–अर्जन का कार्य व अन्य सड़क परियोजनाओं का मुआवजा का भुगतान करने का निर्देश भी दिया गया.

टीका लगाने पर शिक्षिका की आपत्ति पर अभिभावक नाराज

संवाददाता। सतबरवा/पलामू

खास बातें

- अभिभावक, उप प्रमुख, भाजयुमो प्रखंड अध्यक्ष पहुंचे स्कूल
- प्रिंसिपल ने शिक्षिका को एक अंतिम मौका देने को कहा

मेला टांड़ बाजार स्थित मध्य विद्यालय की शिक्षिका रानी पूनम द्वारा टीका लगाकर स्कूल आने वाले विद्यार्थियों के साथ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर अभिभावक आक्रोशित हैं. इसे लेकर गुरुवार को बच्चों संग कई अभिभावक व उप प्रमुख कामाख्या नारायण यादव, भाजयुमो प्रखंड अध्यक्ष ज्योति सिंह ने विद्यालय के प्रधानाध्यापिका विद्या कुमारी से आपत्ति जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापिका विद्या कुमारी ने सुधार का एक मौका देने की बात पर मामला रफा-दफा हुआ. शिक्षिका रानी पूनम ने धर्म विशेष पर टिप्पणी करते हुए बच्चों से स्कूल में टीका लगाकर नहीं आने को कहा था. प्रिंसिपल ने आरोपित शिक्षिका व अन्य शिक्षक को कार्यालय में बुलाया और आरोपी शिक्षिका से इस संबंध में बात की. आरोपी शिक्षिका रानी पूनम ने कहा कि हमने जो पढ़ा है, उसी को मैं पढ़ाती हूं. माथे पर टीका लगाकर आने से बच्चों में संतुलन नहीं बन पाता है, इसलिए मैं कहती हूं एक ड्रेस में एक जैसा बच्चे रहेंगे. मैं अपने धर्म को मानती हूं, मैं अंबेडकर द्वारा लिखी गई किताब को ही मानती हूं. अगर मेरी गलती है तो मैंने जितना भी पढ़ाया सब गलत है. इस विषय पर प्रिंसिपल विद्या कुमारी ने लोगों से शिक्षिका को सुधार का एक मौका देने की बात कही. मौके पर शिक्षक सुमित कुमार, कसियाडीह के मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोविंद प्रसाद, सामाजिक कार्यकर्ता अजय उरांव आदि उपस्थित थे.

मजदूर अपना पंजीकरण जरूर करायें : श्रम अधीक्षक

खूंटी । श्रम अधीक्षक कार्यालय में सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन श्रम अधीक्षक बबन कुमार सिंह, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष तनुश्री सरकार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो अलताफा खान और संस्था के सचिव राजेन कुमार ने संयुक्त रूप से किया. श्रम अधीक्षक बबन कुमार सिंह ने कहा कि संगठित एव असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का पंजीकरण श्रम विभाग में होता है. तनुश्री सरकार ने कहा कि असुरक्षित पलायन का सबसे ज्यादा दर्द महिलाओं एव बच्चों भुगतना पड़ता है. असुरक्षित पलायन रोकने के लिए नशापान को रोकना जरूरी है.

पेज एक का शेष

भागवत संदेश पर...

प्रधानमंत्री को तू-तड़ाक करना विनयशीलता का अद्भुत प्रमाण है.

बहरहाल संघ भाजपा के रिश्तों को समझने के लिए जनता पार्टी की सरकार के पतन पर गौर कीजिए. तब समाजवादियों ने दोहरी सदस्यता का सवाल उठाया था. कहा गया था कि सरकार में शामिल जनसंघ धड़े के नेता संघ से नाता तोड़ें. संघ से जुड़े लोग जनता पार्टी के सदस्य नहीं रह सकते. तब विरोधियों की नजर में उदारवादी कहे जानेवाले और रग-रग हिंदू मेरा परिचय के उद्गाता अटल बिहारी वाजपेयी (तब के विदेश मंत्री) ने साफ-साफ कह दिया था कि हमें सरकार नहीं संघ चाहिए. बावजूद इसके बार-बार कहा जाता है कि संघ भाजपा से नाराज है. भाजपा संघ का कहा नहीं मानती है. ऐसा कहनेवाले यह जानते ही नहीं हैं कि संघ भाजपा के दैनंदिन कार्यों में दखल नहीं देता है. उसे जो कुछ कहना होता है संगठन मंत्री के माध्यम से कह देता है या फिर प्रधानमंत्री को बुला लेता है. संघ का कार्य राष्ट्र निर्माण, समाज निर्माण, व्यक्ति निर्माण और चरित्र निर्माण है. उसके चिंतन का आधार ही है राष्ट्र को परमवैभवशाली बनाना और नरेंद्र मोदी भी अहर्निश इसी में लगे हैं. संघ का एक स्वयंसेवक पूरी दुनिया में डंका बजा रहा है तो क्या संघ उसकी टांग खींचेगा ? दरअसल समीक्षकों के बीच एक बेतुकी परंपरा चल पड़ी है. जब भाजपा जीतती है तो कहा जाता है कि संघ ने बहुत मेहनत की और जब भाजपा हारती है तो कहा जाता है कि संघ ने अपने हाथ खींच लिये. लेकिन क्या संघ प्रमुख, सरकार्यवाह और सहकार्यवाहों में से किसी ने भी कहीं भी और कभी भी यह कहा है कि भाजपा को वोट दो या न दो. जो संघ को जानते ही नहीं हैं वे कपोल कल्पित अवधारणाएं और विमर्श फैलाते रहते हैं.

सच तो यह है कि संघ अपने काम के सिवाय कुछ करता नहीं है, लेकिन स्वयंसेवक अपनी अभिरुचि, क्षमता और समय के हिसाब से सब करता है. मोहन भागवत और मोदी के बीच दुराव या मनमुटाव की बात वही कर सकता है जिसने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय इन दोनों की जुगलबंदी न देखी हो. संघ तो अपनी आलोचनाओं का जवाब भी प्रायः नहीं देता है. नित नये विवादों में उलझने के लिए उसके पास न फुर्सत है, ना ही उसका उद्देश्य. उसके तीन दर्जन से अधिक आनुशांगिक संगठनों में से एक भाजपा भी है. यदि संघ के शीर्ष अधिकारी ही संगठन के कार्यों में रोज टांग अड़ाते रहेंगे तो वह संगठन चल ही नहीं पाएगा. संघ मार्गदर्शन करता है, योजनाएं बनाता है, प्रतिनिधि सभा में सभी संगठनों के प्रमुखों से रिपार्ट मांगता है और अपने सुझाव देता है. इसलिए भागवत के संदेश में भाजपा के साथ किसी क्लेश की कल्पना या तो निरर्थक है या फिर प्रहसन. संघ अगले साल अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाएगा. उसमें सभी संगठनों की ऊर्जा लगेगी. भाजपा भी उसमें प्राण-प्रण से जुटेगी. तब कपोल कल्पित धारणाओं की कलई खुद उतर जाएगी. संघ स्वयं राजनीति नहीं करता है, लेकिन राजनीति करनेवाले अपने स्वयंसेवकों को प्रेरित और अनुप्राणित अवश्य करता है.

गुड वर्क

एक्सएलआरआई ने एक बार फिर अपनी उदारता और सेवा भावना का परिचय दिया

आदिवासी समुदाय के लोगों के लिए जुटाये 2.10 लाख रुपये

आनंद मिश्रा । जमशेदपुर

एक्सएलआरआई ने एक बार फिर अपनी उदारता और सेवा भावना का परिचय दिया है. सीआइआई वाईआई की ओर से आयोजित एक साइलेंट ऑक्शन के माध्यम से एक्सएलआरआई ने 2.10 लाख रुपये से अधिक राशि एकत्र की है. यह राशि फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसइटी को दान स्वरूप प्रदान की जाएगी. यह लगातार तीसरा साल है, जब संस्थान की ओर से यह परोपकारी पहल की जा रही है. इस साइलेंट ऑक्शन में एक्सएलआरआई के छात्र-छात्राएं, अलग-अलग समितियों और फैकल्टी सदस्यों ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने डिनर, ट्यूटोरिंग सेशंस, गिटार लेशन, किताबें, पेंटिंग्स और अन्य कई आइटम्स ऑफर किए, जिन पर बोली लगाई गई. ये सभी आइटम्स एक्सएलआरआई के छात्रों ने खरीदे और सभी राशि दान कर दी गई. इस ऑक्शन से एकत्र की गई पूरी राशि फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसइटी को दी जाएगी. इस अवसर पर राजेश मित्तल और अभिषेक गर्ग ने संगठन की तरफ से चेक प्राप्त किया. एक्सएलआरआई के प्रवक्ता ने कहा कि ट्राइबल सोसाइटी के साथियों को उक्त राशि देने में सुखद अनुभूति हो रही है.

बताया गया कि यह संगठन दूर-दराज के क्षेत्रों में शिक्षा के माध्यम से जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए अथक प्रयास कर रहा है. यह दान एक्सएलआरआई के छात्रों के लिए समाज को वापस देने का एक तरीका है और ग्रेटर गुड के लिए सच्चे मन से काम करने का प्रतीक है. वहीं सीआईआईआई यंग इंडियन की सेक्रेटरी, स्मृति गुप्ता ने इसके लिए डीन एडमिनिस्ट्रेशन और एसोसिएट डीन स्टूडेंट अफेयर्स के प्रति आभार जताया.

कार्यक्रम में शामिल एक्सएलआरआई के विद्यार्थी व संगठन के लोग.

खास बातें

- एक्सएलआरआई ने मदद को बढ़ाया हाथ
- फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी को दान स्वरूप मिलेगी राशि

अभिभाषण के संदेश

न तो इरादा बदला है और न ही नीति. विपक्ष के प्रति नजरिया भी पूर्ववत ही बना रहेगा और गठबंधन की सरकार होने के बावजूद जनादेश से ज्यादा कुछ सबक नहीं हासिल किया गया है. लोगों ने तंत्र पर लोक के वर्चस्व का जनादेश दिया. बावजूद इसके नरेंद्र मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल सहिष्णुता और सहयोग के आधार पर शायद ही चले. चुनाव अभियान के दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया ने संविधान को खतरे में बताया था और वंचित तबकों यानी बहुजन वोटरों पर इसका गहरा असर पड़ा था. अब सत्ता पक्ष इमरजेंसी के बहाने स्वयं को संविधान का पैरोकार बता रहा है. राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के मूल में गणतंत्र की परंपराएं रही हैं. राष्ट्रपति का अभिभाषण इसी का संकेत है. वाचिक तौर पर सहयोग और संवाद की बातें अभिभाषण में आयीं, लेकिन इसमें जनादेश के मूल संदेश को नजरअंदाज करने की प्रवृति भी झलकी. राष्ट्रपति के अभिभाषण में नरेंद्र मोदी सरकार के विजन पर फोकस रहा. जनादेश में देश के युवाओं, दलितों और वंचित तबकों के अन्य समूहों ने जिस असंतोष को प्रकट किया, उसके निदान के लिए कोई ठोस एलान नहीं किया गया. अभिभाषण मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों की निरंतरता के साथ 2047 में विकसित भारत के सपने से लबरेज रहा. लेकिन देश की जनता की कुछ ठोस जरूरतें रोजगार और छोटे और मध्यम उद्योगों को ले कर है. इसके साथ ही जिस तरह के आर्थिक विकास की रूपरेखा अभिभाषण में पेश किया गया, उससे भी जाहिर होता है कि आर्थिक असमानता के बढ़ते खतरे को दूर करने की दिशा में सरकार ने ज्यादा कुछ सोचा नहीं है. अभिभाषण में कहा गया कि बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के साथ ऐतिहासिक निर्णय भी देखने को मिलेंगे. भारत के तेज विकास के लिए रिफॉर्म्स की गति और तेज की जाएगी. साल 2021 से लेकर साल 2024 तक भारत ने औसतन आठ प्रतिशत की रफ्तार के हिसाब से विकास किया है. यह ग्रोथ सामान्य स्थितियों में नहीं हुई है. इस दौरान दुनिया ने बड़ी आपदा देखी है. भारत दुनिया के ग्रोथ में अकेले 15 प्रतिशत का योगदान दे रहा है. सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तभों मैक्युफैक्चरिंग, सर्विसेज और एग्रीकल्चर को बराबर महत्व दे रही है. राष्ट्रपति ने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है. पारंपरिक सेक्टर्स के साथ-साथ सनराइज सेक्टर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जा रहा है. राष्ट्रपति ने नई सरकार का रोडमैप पेश किया.उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव संपन्न हुआ. जनता ने लगातार तीसरी बार मोदी सरकार पर भरोसा जताया है. भारत तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है. राष्ट्रपति ने पेपर लीक पर कड़ी सजा के प्रावधान का एलान किया और कहा कि भारत की विकास गति को तेज किया जाएगा. ग्रोथ की निरंतरता हमारी गारंटी है और आने वाले बजट में ऐतिहासिक कदम दिखेंगे. किसानों का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, 'किसानों को 20 हजार करोड़ ट्रांसफर किए गए. हम किसानों को ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर करेंगे.'

> अभिभाषण में कहा गया कि बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के साथ ऐतिहासिक निर्णय भी देखने को मिलेंगे. भारत के तेज विकास के लिए रिफॉर्म्स की गति और तेज की जाएगी. साल 2021 से लेकर साल 2024 तक भारत ने औसतन आठ प्रतिशत की रफ्तार के हिसाब से विकास किया है.

सुभाषित

अपूर्व कोपि कोशोयं विद्यते तव भारति ।
व्ययतो वृद्धमायाति क्षयमायाति संचयात् ॥

हे माता सरस्वती ! आपका कोश (विद्या) बहुत ही अपूर्व है जिसे खर्च करने पर बढ़ते जाता है और संचय करने पर घटने लगता है. आपके द्वारा दी गयी विद्या ही सबसे बड़ा धन है, जिसे कोई चुरा नहीं सकता, जिसका कोई हरण नहीं कर सकता.

प्राथमिकता बने बेरोजगारी उन्मूलन

यह सच है कि भारत इस समय अपने कम हो गए खाद्यान्न भंडार को फिर से भरने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से गेहूं खरीदने की तैयारी में है. लेकिन इसके पीछे कारण कुप्रबंधन है, न कि देश में अनाज की कोई वास्तविक कमी है. इसलिए भारत में इस समय जो भारी बेरोजगारी है, वह मांग की कमी के कारण है. इसके उन्मूलन के लिए जरूरी है की कुल मांग बढ़ाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं, जिसमें सरकारी खर्च/निवेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी.

• देश-काल

प्रभात पटनायक

अर्थशास्त्र में दो तरह के सिस्टम के बीच फर्क किया जाता है, एक वह जहां बाजार में मांग की कमी हो, दूसरा वह जहां संसाधन की कमी हो (इसे हम सरल ढंग से आपूर्ति की कमी वाला सिस्टम कहेंगे). पहले सिस्टम में उत्पादन में वृद्धि हो सकती है अगर कुल मांग में वृद्धि हो. जाहिर है ऐसे सिस्टम में कोई अभाव- जनित महंगाई नहीं होगी. दूसरे सिस्टम में उत्पादन की कमी कई कारणों से हो सकती है, मसलन, या तो सिस्टम के उत्पादन की पूरी क्षमता भर उत्पादन हो रहा हो- अर्थात और अधिक उत्पादन की क्षमता सिस्टम में न हो, अथवा किसी ऐसी लागत सामग्री का अभाव हो जो उत्पादन के लिए अनिवार्य है या खाद्यान्न की कमी हो अथवा श्रम शक्ति की कमी हो, जाहिर है ऐसे सिस्टम में मांग बढ़ने पर उत्पादन नहीं बढ़ सकता, ऐसी स्थिति में अभाव- जनित महंगाई बढ़ जाएगी. पूंजीवाद आमतौर पर, युद्ध के दौर को छोड़कर, मांग की कमी वाला सिस्टम है, जबकि समाजवाद, जैसा सोवियत यूनियन और पूर्वी यूरोप में था, वह आपूर्ति की कमी वाला सिस्टम था. मांग की कमी वाले सिस्टम में अगर कुल मांग बढ़ती है तो उत्पादन बढ़ेगा, फलस्वरूप रोजगार भी बढ़ेगा. भारत में आज के दौर में इस फर्क को ध्यान में रखना जरूरी है, जब यहां बेरोजगारी एक गंभीर सामाजिक मुद्दा बन गई है, जब इसकी भयावहता हालिया चुनाव में भाजपा को लगे झटके के पीछे प्रमुख कारक रही और जब इसका उन्मूलन आज सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय बन गया है. क्योंकि सरकारी सेवाओं समेत सेवा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार में सचेतन ढंग से कटौती हुई है, जहां पूंजी की कमी की कोई भूमिका नहीं है. इसलिए हम आपूर्ति की किसी कमी को बेरोजगारी के मौजूदा स्तर के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते.

ठीक इसी तरह बेरोजगारी का मौजूदा स्तर किसी ऐसी लागत सामग्री की कमी के कारण नहीं है, जो उत्पादन के लिए अनिवार्य है. खाद्यान्न की भी कोई कमी नहीं है, यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि मोदी सरकार जो गरीबों को विपक्ष द्वारा दी जा रही आर्थिक मदद को "रेवड़ी" कह कर मजाक उड़ाती है, वह कुछ चुनावी फायदे की उम्मीद में बड़ी तादाद में लाभार्थियों को मौजूदा स्टॉक से 5 किलो प्रति व्यक्ति प्रति माह अनाज मुफ्त देती रही है. यह सच है कि भारत इस समय अपने कम हो गए खाद्यान्न भंडार को फिर से भरने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से गेहूं खरीदने की तैयारी में है. लेकिन इसके पीछे कारण कुप्रबंधन है, न कि देश में अनाज की कोई वास्तविक कमी है. इसलिए भारत में इस समय जो भारी बेरोजगारी है, वह मांग की कमी के कारण है. इसके उन्मूलन के लिए जरूरी है की कुल मांग बढ़ाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं, जिसमें सरकारी खर्च/निवेश की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी. बड़ी तादाद में सरकारी पद खाली पड़े हैं, शिक्षा क्षेत्र में तो स्टाफ की इतनी कमी है कि अचरज होता है. जाहिर है इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ रहा है. यहां तक कि सशस्त्र बलों में भी जो नियमित भर्ती होती थी, वह नहीं हो रही है जिसकी वजह से अग्निवीर जैसी तरह तरह की योजनाएं लागू की जा रही हैं. संक्षेप में, रोजगार देने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की बजाय, यह विडंबना है कि सरकार रोजगार में कटौती कर रही है, इसका कारण यह लगता है कि वह वित्तीय दबाव में है. आइए इस मामले को थोड़ा और बारीकी से देखते हैं.

जिस मूलभूत फर्क की हमने ऊपर चर्चा की, वह मांग की कमी और आपूर्ति की कमी वाले दो सिस्टम के बीच थी. आपूर्ति की कमी, जो अभी हमने देखा कि हमारे यहां नहीं है, को छोड़कर और दूसरी कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे एक संप्रभु राज्य पर वस्तुगत वित्तीय बंदिश कहा जा सके. ऐसी कोई भी वित्तीय बंदिश राज्य पर अंतरराष्ट्रीय पूंजी और उसके स्थानीय सहयोगी, घरेलू कारपोरेट वित्तीय समूह द्वारा थोपी गई चीज है. यह राज्य की किसी वस्तुगत सीमा का नहीं, वरन उसकी स्वायत्तता के क्षरण का प्रतिबिंब है. मांग की कमी वाले किसी देश में राज्य की खर्च करने की क्षमता की कोई वस्तुगत सीमा नहीं है, यह तथ्य अर्थशास्त्र के साहित्य में 90 साल पहले ही कैलेकी और कीन्स की सैद्धांतिक क्रांति द्वारा स्थापित कर दिया गया था. फिर भी वह गलत सिद्धांत जिसे 9 दशक पहले ही खारिज कर दिया गया था, उसे फिर आज राज्य की वस्तुगत सीमा के बतौर पुनर्जीवित किया जा रहा है, जबकि वह दरअसल राज्य पर बड़े पूंजी घरानों द्वारा थोपी गई बंदिश है.

बेरोजगारी के उन्मूलन के लिए सबसे बड़ी जरूरत यह है कि राज्य वैश्विक तथा देशी बड़ी पूंजी की सनक की गुलामी के जुए को उतार फेंके, उसे पुनः जनता की सेवा के संकल्प को हासिल करना होगा तथा उसके अनुरूप काम करना होगा. एक ऐसे सिस्टम में जहां मांग की कमी है, बड़े पैमाने पर सरकारी खर्च से बेरोजगारी पर काबू पाया जा सकता है, भले ही यह खर्च वित्तीय घाटे के माध्यम से किया जा रहा हो. इसका जो सबसे नुकसानदेह असर है, वह यह नहीं है कि यह निजी निवेश को हतोत्साहित करेगा, साथ ही इसके खिलाफ किए जा रहे दूसरे बकवास दावे भी सच नहीं हैं, लेकिन इसकी मुख्य बुराई यह है कि यह अनायास ही देश में आय की असमानता को बढ़ा देगा. अगर सरकार 100 रुपए खर्च करती है और ऐसा वित्तीय घाटे द्वारा करती है अर्थात कर्ज लेकर, तो इसका अंतिम नतीजा यह होगा कि अपने इस तरह खर्च द्वारा वह पूंजीपतियों के हाथ 100 रुपए दे रही है (क्योंकि मेहनतकश लोग जितना कमाते हैं, करीब-करीब वह पूरा खर्च कर देते हैं. उदाहरण के लिए इस मामले में सरकार ने जो 100 रुपया खर्च किया, वह मजदूरों को मिला, उन्होंने उसे पूरा खर्च कर दिया, इस तरह वह 100 रुपया पूंजीपतियों के पास पहुंच गया.) और फिर सरकार उसे पूंजीपतियों से उधार लेती है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | ओशो

सत्य की खोज

सत्य पाने का मार्ग अति कठिन है. सत्यार्थी अगर सत्य पाने के लिए कटिबद्ध है, तो उसे बहुत सा त्याग चाहिए. और अटूट सावधानी भी. कई तरह के मोह उसे मार्ग चलित कर सकते हैं. उसके स्वयं के दृष्टिकोण भी उसके सत्य पाने में बाधक हो सकते हैं. सत्य खोजी को चाहिए, चाहे कैसे भी उसके दृढ और स्थापित पूर्वाग्रह हो. चाहे वे कितने भी यथार्थ प्रतीत होते हों. जिस समय उसका चिंतन सत्य की शोध में संलग्न हो, उस समय मात्र के लिए तो उसे अपने पूर्वाग्रह या कदाग्रह को तत्क्षण त्याग देना चाहिए. अन्यथा वे पूर्वाग्रह, सत्य को बाधित करते रहेंगे. सोचें कि मेरा चिंतन मेरी धारणाओं, मेरे आग्रहों से प्रभावित तो नहीं हो रहा? कभी कभी तो हमारी स्वयं की 'मौलिक विचारशीलता' पर ही अहं उत्पन्न हो जाता है. और अहं, यथार्थ जानने के बाद भी स्वयं में, विचार परिवर्तन के अवसर को अवरोधित करता है. सोचें कि कहीं मैं अपनी ही वैचारिकता के मोहजाल में, स्वच्छंद चिंतन में तो नहीं बह रहा? कभी कभी तो अजानते ही हमारे विश्लेषण मताग्रह के अधीन हो जाते हैं. प्रायः ऐसी स्थिति हमें, सत्य तथ्य से भटका देती है. प्रायः हमारी वैचारिकता पर किसी न किसी विचारधारा का प्रभाव होता है. तथ्यों की परीक्षा-समीक्षा करते हुए, अनायास ही हमारा पलड़ा सत्य के विरुद्ध झुक सकता है. और अक्सर हम सत्य के साथ 'वैचारिक पक्षपात' कर बैठते हैं. इस तरह के पक्षपात के प्रति पूर्ण सावधानी जरूरी है. पूर्व स्थापित निष्कर्षों के प्रति निर्ममता का दृढ़ भाव चाहिए. सम्यक दृष्टि से निरपेक्ष ध्येय आवश्यक है. ₹यह निश्चित है कि कोई एक 'परम सत्य' अवश्य है. और सत्य 'एक' ही है. सत्य को जानना समझना और स्वीकार करना हमारे लिए नितांत ही आवश्यक है.₹ सत्य पर इस प्रकार की अटल श्रद्धा होना जरूरी है. सत्य के प्रति यही आस्था, सत्य जानने का दृढ़ मनोबल प्रदान करती है. उसी विश्वास के आधार पर हम अथक परिश्रम पूर्व सत्य मार्ग पर डटे रह सकते है. अन्यथा जरा सी प्रतिकूलता, सत्य संशोधन को विराम दे देती है. परीक्षा करें कि विचार, तर्कसंगत-सुसंगत है अथवा नहीं. वे न्यायोचित है या नहीं. भिन्न दृष्टिकोण होने कारण हम प्रथम दृष्टि में ही विपरित विश्लेषण पर पहुंच जाते है. जैसे सिक्के के दो पहलू होते हैं. दूसरे पहलू पर भी विचार जरूरी है. जल्द निर्णय का प्रलोभन त्याग कर, कम से कम एक बार तो विपरीत दृष्टिकोण से चिंतन करना ही चाहिए. परीक्षक से सदैव तटस्थता की अपेक्षा की जाती है.

दक्षिण भारत में कांग्रेस की रणनीति

• सियासत

कल्याणी शंकर

कांग्रेस पार्टी ने अटकलों और प्रत्याशाओं की झड़ी के बीच वायनाड लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को मैदान में उतारकर एक रणनीतिक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है. यह सीट उनके भाई राहुल गांधी द्वारा रायबरेली को बरकरार रखने और वायनाड से हटने के फैसले के बाद खाली हुई है. दोनों ही सीटों पर उन्होंने लोक सभा आम चुनाव में जीत हासिल की थी. अगर कांग्रेस की यह रणनीति सफल होती है, तो यह प्रियंका, उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है. इसने जनता और राजनीतिक वर्ग के बीच उत्साह और संदेह को जन्म दिया है. जब प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा की गयी, तो उन्होंने कहा, 'मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने में खुशी हो रही है और मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि लोगों को राहुल गांधी की कमी महसूस न हो. ...मैंने अपने परिवार की राजनीतिक विरासत और दक्षिण में गांधी परिवार की मौजूदगी को जारी रखने के लिए वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला किया. मेरी दादी इंदिरा गांधी का वायनाड के लोगों से गहरा रिश्ता था और मुझे उम्मीद है कि मैं इसे और मजबूत बना पाऊंगी.' राहुल और उनकी मां सोनिया ने कई सालों तक कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व किया और सांसद के तौर पर काम किया. वायनाड में होने वाला आगामी चुनाव प्रियंका के लिए एक अहम परीक्षा होगी. वास्तव में यह उनकी पहली अग्निपरीक्षा होगी. भाजपा समेत पूरा देश उनके प्रदर्शन पर करीब से नजर रखेगा. राजनीतिक परिवार में जन्मी प्रियंका ने अपनी मां के चुनाव प्रचार में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया है. उन्होंने 2004 में राजनीति में प्रवेश करने वाले अपने भाई के लिए भी प्रचार किया था. 2014 और 2019 में ऐसी अफवाहें थीं कि प्रियंका वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ सकती हैं. 2024 के चुनावों से पहले उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य वंशवाद की भाजपा की आलोचना का मुकाबला करने के लिए तीन गांधी को मैदान में उतारने से बचना है. गांधी परिवार ने 2024 के चुनावों को कांग्रेस के लिए एक बेहतरीन अवसर के रूप में देखते हुए अपना विचार बदल दिया. उन्होंने तय किया कि प्रियंका को केरल कांग्रेस सांसद के रूप में चुनावी राजनीति में उतारने का यह सही समय है. यह एक सुरक्षित सीट है. अपनी दादी इंदिरा गांधी से मिलती-जुलती प्रियंका 2019 में राजनीति में आने के बाद से ही सुर्खियों में हैं. वह कांग्रेस पार्टी की महासचिव बनीं और उन्होंने पार्टी के प्रचार में अहम भूमिका निभायी. प्रियंका को 2024 के चुनाव में कांग्रेस की संख्या लगभग दोगुनी करने और पार्टी में नयी जान फूंकने का श्रेय दिया जाता है. वायनाड से चुनाव लड़ने का फैसला प्रियंका के लिए चुनौतियों और अवसरों का अनूठा संग्रह प्रस्तुत करता है. एक ओर उन्हें वंशवाद की राजनीति के मुद्दे पर भाजपा के हमलों का सामना करना पड़ सकता है, एक बाधा जिसे उन्हें चतुराई और लचीलेपन के साथ पार करना होगा. दूसरी ओर, यह उन्हें खुद को साबित करने और एक नए निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ने का सुनहरा अवसर देता है, एक ऐसा मौका जिसे उन्हें दृढ़ संकल्प के साथ भुनाना होगा. उत्तरी केरल में स्थित वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में 14.6 लाख मतदाता हैं. पिछले चार चुनावों में इसने लगातार कांग्रेस के सांसदों को चुना है, जो पार्टी के लिए एक ठोस समर्थन का संकेत देता है. इस निर्वाचन क्षेत्र में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का भी व्यापक समर्थन है, जिसमें मुस्लिम और ईसाई मतदाता लगभग 60 प्रतिशत हैं. आईयूएमएल प्रियंका का समर्थन करेगी. अगर प्रियंका जीतती हैं तो गांधी परिवार के तीनों सदस्य भारतीय संसद में होंगे. इससे पार्टी के भीतर परिवार की स्थिति मजबूत हो सकती है, लेकिन ऐसी स्थिति विरोधियों के हमले भी आमंत्रित करेगी. भारतीय राजनीति में, केरल में प्रियंका की उम्मीदवारी कांग्रेस पार्टी द्वारा दक्षिण में अपने समर्थन आधार को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम है, जो संभावित रूप से इसकी क्षेत्रीय गतिशीलता को नया आकार देगा. यह कदम कांग्रेस को दक्षिण की उपेक्षा करने के लिए आलोचना से बचाता है. वायनाड से प्रियंका की उम्मीदवारी 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए केरल में सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठाने के लिए दक्षिण में पार्टी के मिशन का हिस्सा है. प्रियंका के पास कई लाभदायक स्थितियां हैं - वह प्रसिद्ध हैं और हिंदी पर उनकी अच्छी पकड़ है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> 2024 के चुनावों से पहले उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य वंशवाद की भाजपा की आलोचना का मुकाबला करने के लिए तीन गांधी को मैदान में उतारने से बचना है. गांधी परिवार ने 2024 के चुनावों को कांग्रेस के लिए एक बेहतरीन अवसर के रूप में देखते हुए अपना विचार बदल दिया. उन्होंने तय किया कि प्रियंका को केरल कांग्रेस सांसद के रूप में चुनावी राजनीति में उतारने का यह सही समय है.

इंसानों के साथ सभी कीटों के लिए भी खतरा

• वायु प्रदूषण

सीमा अग्रवाल

वायु प्रदूषण केवल इंसान को प्रभावित कर रहा है ऐसा नहीं है. जहरीली गैसों का बुरा असर पूरी जैवविविधिता के खात्मे पर तुला है. इस कड़ी में वे सूक्ष्म कीट भी शामिल हैं, जो हमें अक्सर हवा में उड़ते दिखते हैं. ये सूक्ष्म कीट कचरे का विघटन, मानव जीवन, फसलीय चक्रीकरण के लिए बेहद जरूरी हैं. इनकी अहमियत मानव जीवन में प्रत्यक्ष तौर पर नजर नहीं आती, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से ये कीट इंसान को हर स्तर पर प्रभावित करते हैं. लेकिन वायुमंडल में चढ़ती प्रदूषण की मोटी परत ने इन कीटों की जिंदगी डिस्टर्ब कर दी है. कीटों के भोजन तलाशने से लेकर साथी से मिलन, संतति निर्माण और विकास की प्रक्रिया प्रदूषण के कारण नष्ट हो चुकी है. कीटों के सूचनातंत्र को धुएं और गैसों ने डिस्टर्ब कर उन्हें रास्ते से भटका दिया है. हालिया शोधों के मुताबिक कीटों की घटती आबादी के लिए प्रदूषण के साथ शहरीकरण, कृषि क्षेत्र में बढ़ता कीटनाशकों का उपयोग और जलवायु परिवर्तन जैसी वजह जिम्मेदार हैं. प्रदूषण न केवल शहरों के आस-पास बल्कि दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में भी इनकी आबादी को प्रभावित कर रहा है. शोध से पता चला कि प्रदूषण के चलते आने वाले कुछ दशकों में दुनिया के 40 फीसदी कीट खत्म हो जाएंगे. धुआं, धूल, धुंध, पीएम के कण कीटों के एंटीना और रिसेप्टर्स पर बहुत बुरा असर डाल रहे हैं. यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, बीजिंग वानिकी विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं के अध्ययन में कीटों पर प्रदूषण का असर अनुमान से कहीं ज्यादा निकला है. वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा तय मानक के अनुसार वार्षिक औसत से ज्यादा हैं. खेतों, बगीचों में उड़ते कीटों का मुख्य काम परागण होता है. ये फसलों, फूलों को परागित कर नए बीजों का संवर्द्धन करते हैं. इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) द्वारा संकटग्रस्त प्रजातियों के लिए जारी की जाने वाली रेड लिस्ट में कीटों की सिर्फ 8 फीसदी प्रजातियां ही शामिल हैं. एक अन्य अध्ययन के मुताबिक 1990 के बाद से कीटों की आबादी में करीब 25 फीसदी की कमी आई है, अनुमान है कि ये कीट हर दशक में करीब नौ फीसदी की दर से कम हो रहे हैं. शोधकर्ताओं के अनुसार प्रदूषण कीटों के एंटीना को प्रभावित करता है और मस्तिष्क को भेजे जाने वाले गंध संबंधी विद्युत संकेतों की शक्ति को कम कर देता है. कीटों की एंटीना में गंध को पकड़ने वाले रिसेप्टर्स होते हैं, जो आहार, स्रोत, संभावित साथी और अंडे देने के लिए एक अच्छी जगह खोजने में मदद करते हैं. ऐसे में यदि किसी कीट के एंटीना पार्टिकुलेट मैटर से ढके होते हैं तो उससे एक भौतिक अवरोध उत्पन्न हो जाता है. यह गंध को पकड़ने वाले रिसेप्टर्स और हवा में मौजूद गंध के अणुओं के बीच होने वाले संपर्क को रोकता है. जीवाश्म ईंधन के दहन से निकलने वाले पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में जहरीले भारी धातु और कार्बनिक पदार्थ शामिल हैं. ये सांस के जरिए शरीर में जाने वाले कण होते हैं, जो इतने छोटे होते हैं कि उन्हें नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता. कीटों पर वायुप्रदूषण कैसे खतरनाक साबित हो रहा है, इसके लिए शहरी बीजिंग और ग्रामीण ऑस्ट्रेलिया दोनों में किए गए अध्ययनों में पाया गया कि पीएम 2.5 मधुमक्खियों, ततैयों, पतंगों और मक्खियों सहित विभिन्न कीटों के एंटीना पर जमा हो जाता है. बीजिंग वानिकी विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया डेविस विश्वविद्यालय की टीम ने बीजिंग के हैडियन जिले से एकत्रित घरेलू मक्खियों का अध्ययन उस समय किया, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (अदक) का उपयोग करके वायु गुणवत्ता को निम्न, मध्यम या उच्च आंका गया था. प्रदूषण के बड़े कण (उदाहरण के लिए, पीएम 10 जो 10 मिलियन मीटर या 10 माइक्रोन की चौड़ाई के होते हैं) आपकी आंखों और नाक में जलन पैदा कर सकते हैं, जबकि बहुत छोटे कण (पीएम 2.5, जो 2.5 माइक्रोन से भी कम चौड़ाई के होते हैं) फेफड़ों में गहराई तक जा सकते हैं. बाद वाले कण हमारे लिए ज्यादा हानिकारक होते हैं और कीड़ों के एंटीना पर जमा हो सकते हैं. एंटीना पर प्रदूषक तत्वों के जमने के कारण कीटों का सूचनातंत्र काम करना बंद कर देता है. आपस में संदेशों का आदान, प्रदान नहीं कर पाते. भोजन, अपने साथी को खोजना या अपने ठिकानों को तलाश करने की उनकी शक्ति क्षीण हो जाती है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) द्वारा संकटग्रस्त प्रजातियों के लिए जारी की जाने वाली रेड लिस्ट में कीटों की सिर्फ 8 फीसदी प्रजातियां ही शामिल हैं. एक अन्य अध्ययन के मुताबिक 1990 के बाद से कीटों की आबादी में करीब 25 फीसदी की कमी आई है, अनुमान है कि ये कीट हर दशक में करीब नौ फीसदी की दर से कम हो रहे हैं.

मीडिया में अन्यत्र

असंगठित क्षेत्र में रोजगार की पहेली

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 2021-22 और 2022-23 के लिए असंगठित क्षेत्र के उपक्रमों के वार्षिक सर्वेक्षण पर हाल ही में प्रकाशित फैक्टशीट (तथ्य रिपोर्ट) देश में रोजगार की स्थिति का गंभीर चित्र प्रस्तुत करती है. महामारी के बाद मजबूती दिखाने के बावजूद असंगठित क्षेत्र पर्याप्त रोजगार नहीं तैयार कर सका. इस क्षेत्र में छोटे कारोबार और विनिर्माण, सेवा तथा व्यापार क्षेत्र के एकल उपक्रम शामिल हैं तथा यह अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्र को दर्शाता है. इस क्षेत्र के कर्मचारियों और उपक्रमों को आमतौर पर औपचारिक पहचान नहीं मिलती और अक्सर वे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी बाहर होते हैं. बहरहाल, यह क्षेत्र रोजगार निर्माण और मूल्य श्रृंखलाओं में अहम भूमिका निभाता है. फैक्टशीट से संकेत मिलता है कि अप्रैल 2021 से मार्च 2022 और अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच पंजीकृत प्रतिष्ठानों और कामगारों की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 5.88 फीसदी और 7.83 फीसदी रही. बहरहाल, जैसा कि इस समाचार पत्र ने भी हाल ही में प्रकाशित किया था, जुलाई 2015 से जून 2016 के बीच 73वें दौर के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के नतीजों से तुलना की जाए तो उद्यमों की संख्या बढ़ने के बावजूद असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या में 1.6 लाख की कमी आई. इससे असंगठित क्षेत्र की रोजगार तैयार करने की क्षमता के बारे में प्रश्नचिह्न लगते हैं. इसकी दो वजह हो सकती हैं. पहली, असंगठित क्षेत्र के कई उपक्रम अपनी सीमित उत्पादन क्षमता के कारण बहुत छोटे हैं या फिर मांग में कमी है. दूसरा, संभव है कि उत्पादन तकनीक और मशीनरी में सुधार की बदौलत वे और अधिक पूंजी आधारित हो गए हों. इसकी वास्तविक वजह अस्पष्ट है, लेकिन दोनों परिदृश्यों में रोजगार में कमी आती है. यह क्षेत्र बीते दशक के दौरान कई तरह के झटकों से भी प्रभावित रहा. इसमें नोटबंदी, वस्तु एवं सेवा कर का लागू होना और कोविड से संबंधित उथलपुथल शामिल रही. सांख्यिकी संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रणव सेन के मुताबिक सालाना करीब 20 लाख नए असंगठित उपक्रम जुड़ते हैं. इनमें से प्रत्येक में औसतन 2.5-3 लोग काम करते हैं. बहरहाल, जैसा कि आंकड़े दर्शाते हैं और डॉ. सेन के मुताबिक भी इस अवधि के दौरान लगभग एक करोड़ से अधिक उपक्रम तथा 2.5-3 करोड़ रोजगार खत्म भी हुए होंगे. सर्वेक्षण को लेकर विस्तृत रिपोर्ट आने पर इस क्षेत्र के घटनाक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी, लेकिन फैक्टशीट अर्थव्यवस्था की ढांचागत कमजोरी को सामने लाती है. जैसा कि सावधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण से संकेत मिलता है नियमित वेतन वाले कर्मचारियों की संख्या में भी सुधार नहीं हो रहा है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

प्रतिभा/प्रतिमा

प्रभा पढ़ने लिखने में तो तेज है ही, उसमें प्रतिमा गढ़ने की अद्भुत प्रतिभा है. इस वाक्य में बिल्कुल एक जैसे लगनेवाले दो शब्द दिख रहे हैं-प्रतिभा और प्रतिमा. इनके बीच समानता बस इतनी ही है कि ये दोनों संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं. अर्थ या आशय की दृष्टि से दोनों के बीच कोई समानता नहीं है. वर्धा हिंदी शबदकोश के अनुसार प्रतिभा का मतलब है किसी विषय को तत्काल समझ लेनेवाली असाधारण बुद्धि, असाधारण प्रखरता वाली मानसिक शक्ति, बुद्धि, समझ, विलक्षण बौद्धिक शक्ति, लेखक, कवि, कलाकार आदि की वह शक्ति जिससे वह अनुभव के आधार पर किसी कृति का सर्जन करता है, नवोन्मेष शालिनी शक्ति, ऊपर या सामने दिखायी देने वाली आकृति या रूप, दीप्ति, प्रभा, चमक. वही प्रतिमा का मतलब है किसी वास्तविक अथवा कल्पित आकृति के अनुसार बनायी गयी मूर्ति या चित्र, अनुकृति, आराधन-पूजन के लिए धातु, पत्थर, मिट्टी आदि की बनायी हुई देवता या देवी की मूर्ति, देवमूर्ति, प्रतिबिंब, परछाईं, काव्यशास्त्र में एक अलंकार जिससे किसी मुख्य पदार्थ या व्यक्ति के न होने की दशा मं उसी के समान किसी दूसरे पदार्थ या व्यक्ति की स्थापना का उल्लेख होता है, हाथियों के दांतों में जड़ा जानेवाला पीतल, तांबे आदि का छल्ला या मंडल, तौलने का बटखरा, बाट. किसी विषय को तत्काल समझ लेनेवाली असाधारण बुद्धि को प्रतिभा कहा जाता है. एक प्रतिभाशाली कर्मचारी उद्योग के प्रकार के आधार पर अपने काम को बेहतर बनाने, राजस्व बढ़ाने या संगठन की सार्वजनिक छवि को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिभा का उपयोग करता है. जिससे किसी देवविशेष, व्यक्तिविशेष अथवा पदार्थविशेष की प्रतिकृति, बिंब, मूर्ति अथवा आकृति का बोध होता है, उसे प्रतिमा कहते हैं. प्रतिमा बनाने वाले को मूर्ति शिल्पी कहते हैं और प्रतिमा बनाने के काम को मूर्ति शिल्प कहा जाता है. मंदिरों में या पूजास्थलों पर प्रतिमा की स्थापना की जाती है तो वहीं घर, नगर और संस्थानों में सुंदरता के लिए इन्हें स्थापित किया जाता है.

आज की मोबाइलमयी दुनिया

• तीर-तुक्का

अनूप शुक्ल

आज की दुनिया मोबाइलमयी है. समाज सेवा के नाम पर सरकारें बनाने के काम से लेकर अपराध का धंधा करने वाले माफ़िया लोग मोबाइल पर इस कदर आश्रित हैं कि इसके बिना उनके धंधे चौपट हो जायें. बिना मोबाइल का आदमी खोजना आज के समय कायदे की बात करने वाले किसी जनप्रतिनिधि को खोजने सरीखा काम है. जितनी तेजी से मोबाइल की जनसंख्या बढी है, उतनी तेजी से इन्सान के बीच के दूरी के अलावा और कुछ नहीं बढा होगा. आज के समय में आदमी बिना कपड़े के भले दिख जाये, लेकिन बिना मोबाइल के नहीं दीखता. गर्ज यह कि बिना आदमी के दुनिया का काम भले चल जाये, लेकिन बिना मोबाइल के आदमी का चलना मुश्किल है. मोबाइल ने लोगों के बीच की दूरियां कम की हैं. झकरकटी बस अड्डे के पास जाम में फ़ंसा आदमी लंदन में ऊंघती सहेली से बतिया सकता है. भन्नानापुरवा के किचन में दाल छौंकती महिला अपने फ़ेसबुक मित्र को कुकर की सीटी से निकली भाप की फ़ोटो भेज सकती है. गरज यह कि दुनिया में घूमता-फ़िरता आदमी बड़े आराम से दुनिया को मुट्ठी में लिये घूम सकता है. जितनी दूरियां कम की हैं, बढाई भी उससे कम नहीं हैं इस औजार ने. आमने-सामने बैठे लोग अगर अपने-अपने मोबाइल में डूबे नहीं दिखते तो अंदेशा होता है कि कहीं वे किसी और ग्रह के प्राणी तो नहीं. मोबाइल ने बिना शर्मिन्दगी के झूठ बोलना सुगम बनाया है. नाई की दुकान पर दाढी बनवाता आदमी अपने को दफ़्तर में बता सकता है. बगल के कमरे में बैठा आदमी अपने को सैकड़ो मील दूर होने की बात कहकर मुलाकात से बच सकता है. घंटी बजने पर फ़ोन उठाकर बात करने की बजाय तीन दिन बाद कह सकता है – 'अभी तेरा मिस्डकाल देखा. फ़ोन साइलेंट पर था. देख नहीं पाया.' समय के साथ आदमी की औकात का पैमाना हो गया है मोबाइल. आदमी अपनी जेब से एप्पल का नया आई फ़ोन निकालकर मेज पर धरकर वही रुतबा काबिल कर सकता है, जो रुतबा गुंडे लोग बातचीत के पहले अपना कट्टा निकालकर मेज पर धरकर गालिब करते थे. मोबाइल और इंसान समय के साथ इतना एकात्म हो गये हैं कि एक के बिना दूसरे की कल्पना मुश्किल हो गयी है. किसी आदमी को खोजना हो तो उसका फ़ोन खोजना चाहिये. इंसान अपने फ़ोन के एकाध मीटर इधर-उधर ही पाया जाता है. मोबाइल के आने से दुनिया में बहुत बदलाव आये हैं. कभी अपने जलवे से मोबाइल की दुनिया का डॉन कहलाने वाले नोकिया के हाल आज मार्गदर्शक मंडल सरीखे बस आदर देने लायक रह गये हैं. किलो के भाव मिलने वाले मोबाइलों से लेकर एक किले तक की कीमत वाले मोबाइल हैं आज बाजार में.

धर्म अध्यात्म

कब है आपके भाग्योदय का समय

आचार्या दीपिका श्रीवास्तव

जन्म कुंडली मनुष्य के जीवन का आइना होती है. कुंडली में ग्रहों की स्थिति अच्छी होना तो आवश्यक है ही, भाग्य से सम्बंधित ग्रहों का शुभ होना तथा उनकी दशा-महादशा का सही समय पर व्यक्ति के जीवन में आना भी उतना ही आवश्यक है अन्यथा कुंडली अच्छी होने पर भी यदि कार्य करने की उम्र शत्रु या नीच ग्रहों की दशा में ही बीत रही हो तो लाख परिश्रम करने के बाद भी उसका फल सही समय पर नहीं मिलेगा.

भाग्य या किस्मत ऐसे शब्द हैं जिनका हमारे जीवन पर बहुत प्रभाव माना जाता है. किसी भी प्रकार के सुख-दुःख, अमीरी-ग़रीबी को भाग्य से जोड़ कर ही देखा जाता है. सभी लोग जानना चाहते हैं कि हमारा अच्छा समय कब आएगा. सबसे पहले यह जानना होगा कि कुंडली में भाग्य भाव का स्वामी कौन सा ग्रह है और किस स्थिति में है, कितना बलवान है. भाग्येश की किन-किन ग्रहों के साथ युति है या दृष्टि संबंध है.

नवम भाव की राशि

कुंडली में नवम भाव को भाग्य भाव माना गया है, इस भाव में जिस राशि का आधिपत्य होता है उसके अनुसार ही भाग्योदय का वर्ष तय किया जाता है. जातक का भाग्येश गुरु हो तो 16 वें वर्ष में, सूर्य हो तो 22 वें वर्ष में, चन्द्रमा हो तो 24 वें वर्ष में, शुक्र हो तो 25 वें वर्ष में, मंगल हो तो 28 वें वर्ष में, बुध हो तो 32 वें वर्ष में, शनि हो तो 36 वें वर्ष में और यदि भाग्य भाव में राहु -केतु का प्रभाव हो तो क्रमशः 42 वें या 44वें वर्ष में भाग्योदय होता है. इसके साथ ही भाग्येश का शुभ और बलि होना, भाग्येश का अच्छे स्थान में होना, भाग्य भाव पर शुभ ग्रहों का प्रभाव एवं दृष्टि होना, शुभ ग्रहों के साथ युति होना भी आवश्यक है अथवा भाग्येश को बलि करने के उपाय करने चाहिए. साथ ही भाग्य स्थान के स्वामी (भाग्येश), केंद्र त्रिकोण के स्वामी, लाभ स्थान के स्वामी (लाभेश), धन स्थान के स्वामी (धनेश) की दशा हो तो भाग्योदय होता है.

खुशी संदेश

अपने अनुरुप विचारों का करें चयन

मुकेश चौहान

एक व्यक्ति महान तपस्वी के पास पहुंच कर कहता है- मैं जिस अंदाज में जीना चाहता हूं, जी ही नहीं पाता. कभी इसकी, कभी उसकी..., यूं कहें, कई लोगों की जिंदगियां मुझे प्रभावित कर देती है. लगता है कि वो अंदाज जीने का बेहतर होगा. लेकिन वहां भी बहुत समय तक टिक नहीं पाता. कुछ और प्रभावित कर जाता है. क्या करुं गुरुदेव? तपस्वी पूछते हैं- तुम करते क्या हो? वह बताता है- कारीगर हूं, कपड़ों पर नक्काशी करता हूं. तपस्वी बोलते हैं- अपनी कुछ कारीगरी दिखलाओगे. वह व्यक्ति उन्हें सुंदर मोर बनाया हुआ कपड़ा दिखला कर कहता है- यह मोर हमने बनाया. तपस्वी कहते हैं- यह मोर ही क्यों बना, कोयल क्यों नहीं बना? व्यक्ति कहता है- जब मैनें मोर बनाया है तो मोर ही बनेगा ना! तपस्वी बोलते हैं- ठीक इसी तरह हर व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण उसके विचारों से होता है. तुम अपने विचारों को पहचान ही नहीं पा रहे हो? विभिन्न विचारों में उलझ कर रह जा रहे हो. अपने सुदृढ़ विचारों को पहचान कर उसमें स्थिरता लाओ, और फिर जीवन को गतिशील बनाओ. मंजिल पा लोगे. बहुतेरे विचार तेरे पास आएंगे, उनमें से अपने अनुरुप रंग चुरा सकते हो. यह रंग तुम्हारे व्यक्तित्व को सजा देगा, भटकाएगा नहीं.

विवेकानंद जी ने कहा था- हम वहीं है, जो हमें हमारे विचारों ने बनाया है. इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि आप सोचते क्या हैं. शब्द गौण हैं, विचारें जीवित हैं; यह दूर तक यात्रा करती हैं.

झारखंड के चतरा से लेकर हजारीबाग, बोकारो, पलामू, चाईबासा और सिंहभूम आदि ज़िलों के हर क्षेत्र में जैन मंदिरों एवं मूर्तियों के अवशेष पाए गए हैं, जो स्थापत्य शैली के आधार पर लगभग 10वीं-12वीं शताब्दी के प्रतीत होते हैं. आइए, आज हम झारखंड के प्रमुख जैन धर्म स्थलों के बारे में कुछ रोचक और कम ज्ञात तथ्यों के बारे में जानकारी हासिल करें.

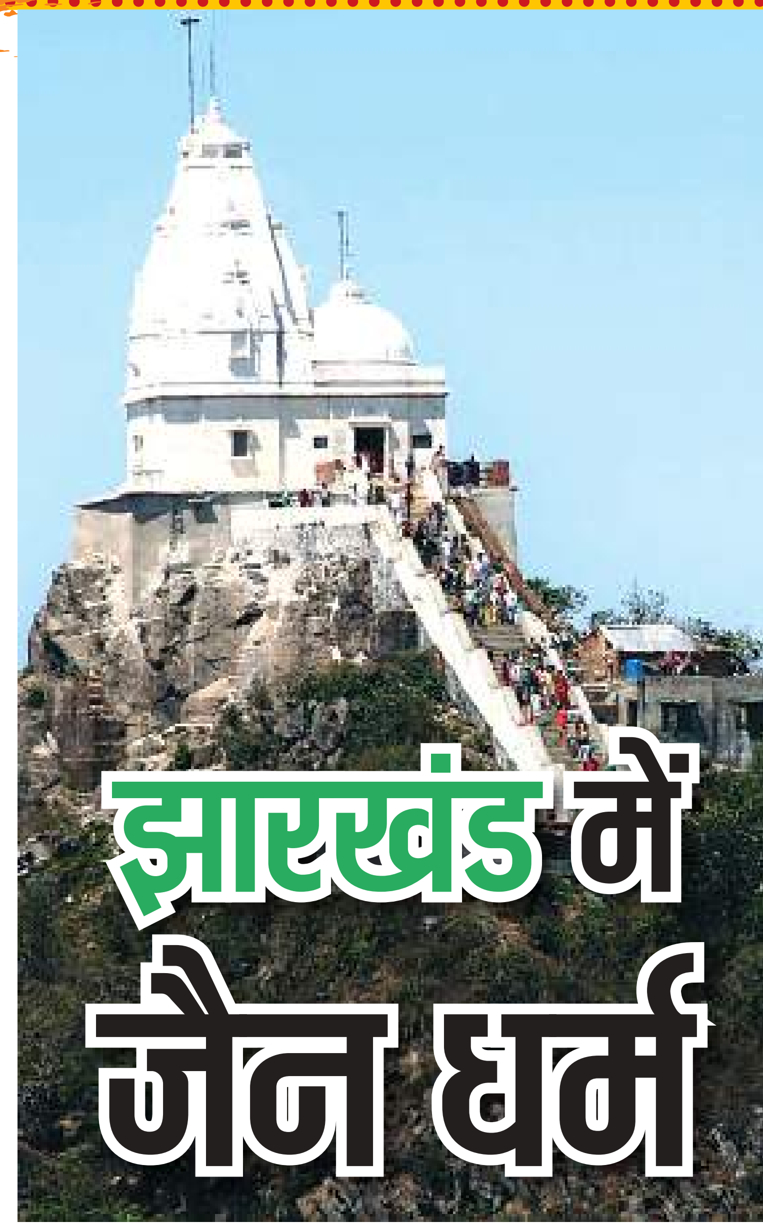

झारखंड में जैन धर्म

डॉ हरेन्द्र सिन्हा
पुरातत्वविद्

हमारे देश भारत में कई धर्म साथ-साथ चलते हैं. हिंदू धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म कहा जाता है, जिसे सनातन धर्म भी कहते हैं. कालक्रम में भारतीय भूखंड में इसी धर्म से कई अन्य शाखाएं भी प्रस्फुटित हुईं, जिनमें बौद्ध धर्म, जैन धर्म सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं. झारखंड में भी, इन धर्मों के अलावा, अन्य कई धर्मावलंबी रहते हैं और उनके धर्म का प्रभाव भी राज्य के समाज में स्पष्ट प्रतिबिंबित होता है. लेकिन ऐतिहासिक साक्ष्यों की तरफ जब हमारी नज़रें पड़ती हैं तो हम पाते हैं कि इनमें सबसे अधिक ऐतिहासिक साक्ष्य भी बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म से ही संबंधित हैं, जो राज्य के हर हिस्से में दिखाई देते हैं.

झारखंड, अपने घने जंगलों, पहाड़ियों और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है, जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है. यहां के जैन मंदिर न केवल धार्मिक आस्था के स्थल हैं, बल्कि इतिहास और संस्कृति के भी महत्वपूर्ण प्रतीक हैं. यहां हम झारखंड के प्रमुख जैन धर्म स्थलों के बारे में कुछ रोचक और कम ज्ञात तथ्यों पर प्रकाश डालेंगे.

▪ 24 तीर्थंकर

जैन धर्म के प्रणेता के रूप में ऋषभदेव या आदिनाथ को माना जाता है. अंतिम तीर्थंकर वर्धमान महावीर जैन थे और जैन धर्म की वास्तविक शुरुआत इन्हीं के समय में लगभग छठी शताब्दी ईसा पूर्व में हुई. जैन धर्म की विशेषताओं में इसका अहिंसात्मक स्वरूप सर्वोपरि है और जैन धर्म किसी भी ईश्वर सृष्टिकर्ता को नहीं मानता. इस धर्म के अंतर्गत कुल 24 तीर्थंकर हुए जो इस धर्म के आध्यात्मिक गुरु माने जाते हैं.

▪ दिगंबर और श्वेतांबर

जैन धर्म तीसरी शताब्दी तक तो मूल स्वरूप में चलता रहा लेकिन तीसरी शताब्दी के उपरांत यह दो भागों में विभक्त हो गया- दिगंबर और श्वेतांबर. अपनी अपनी मान्यताओं के अनुसार, दिगंबर वस्त्र विहीन रहते हैं और श्वेतांबर श्वेत वस्त्रों में रहते हैं.

▪ झारखंड में जैन स्मारक

पूरे देश में भी महत्वपूर्ण जैन स्मारक पाए जाते हैं, जिनमें पावापुरी, गिरनार, माउंट आबू के दिलवाड़ा मंदिर और शत्रुंजय का श्वेताम्बर पंचतीर्थ आदि प्रसिद्ध हैं. झारखंड में भी 12वीं शताब्दी के आसपास के जैन स्मारक या तीर्थंकरों आदि की मूर्तियां बहुतायत से पाई जाती हैं. चतरा जिला के अंतर्गत कौलेश्वरी पहाड़ी पर जैन तीर्थंकरों की आदमकद मूर्तियां खड़ी एवं बैठी स्थितियों में बड़े चट्टानों पर उकेरी गई हैं. यह जैन धर्मावलंबियों के लिए एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है.

लेखक द्वारा अपने पुरातात्विक अन्वेषण के क्रम में पूर्वी सिंहभूम ज़िले के बहरागोड़ा प्रखंड में गांव-गांव में अनेक जैन मूर्तियां देखी गईं, जो लोगों के घरों में रखी गई हैं. यह तय है कि वो कहीं दूर से नहीं लाई गई होंगी, बल्कि इसी क्षेत्र में किसी स्मारक का हिस्सा रही होंगी.

इसी प्रकार बोकारो ज़िला के चंदनकियारी, चास आदि प्रखंडों के अन्वेषण में सैकड़ों जैन मूर्तियां और स्थापत्य खंड देखे गए. चास प्रखंड के अंतर्गत प्रसिद्ध चेचकाधाम से एक किलोमीटर दक्षिण बेलूट गांव अवस्थित है, जो मुख्यतः सराक जैन लोगों का गांव है. इस गांव की विशेषता ये है कि यहां लगभग हर घर में प्राचीन काल की जैन मूर्तियां अथवा स्थापत्य अवशेष या तो दीवारों में लगाकर अथवा ऐसे ही किसी कोने में संग्रह कर रखे गए हैं. प्रखंड के बेलूट गांव में अनेक मूर्तियां देखी गईं, जो या तो पत्थर अथवा लकड़ी से निर्मित हैं. यहां घरों के दरवाजों में साल लकड़ी के कई पल्ले ऐसे देखे गए जो प्रथम दृष्टया निश्चित रूप से किसी प्राचीन मंदिर के दरवाज़े का हिस्सा प्रतीत होते हैं. इस पर पीपल के पत्ते, कमल के फूल आदि की ख़ूबसूरत नक्काशियां की गई हैं. लकड़ी की ऐसी अनेक प्राचीन मूर्तियां देखी गईं जो इनके कच्चे घरों की अंदरूनी छत की तरफ बीम में फंसा कर या घर के दरवाजे में लगाकर सुरक्षित ढंग से रखी गई हैं. अन्य घरों में जो मूर्तियां दिखीं उनके बारे में पता ये चला की लगभग 50-60 वर्ष पूर्व ये मूर्तियां चेचका धाम से उठाकर लाई गई हैं और जिनका अपने-अपने घरों में सजावट सामग्री के रूप में इस्तेमाल कर लिया गया है.

चंदनकियारी प्रखंड के अंतर्गत प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भैरव स्थान में दिगंबर जैन मूर्तियों को, कपड़ों वगैरा से ढंक कर और चेहरे पर दुर्गा का मास्क लगाकर, उसकी माता दुर्गा के रूप में पूजा की जाती है, जबकि मूर्ति मुख्य रूप से जैन तीर्थंकर की है. पूरे राज्य में ऐसे अनेक मामले देखने को मिले.

▪ विशाल जैन मंदिर के ध्वंसावशेष

चंदनकियारी प्रखंड के अंतर्गत अमलाबाद में भी बिखरी हुई जैन मूर्तियों की भरमार है. चास से लगभग 20 किलोमीटर पूर्व, दामोदर नदी के दक्षिणी तट के पास माचा टांड़ नामक गांव के समीप तलघटिया में एक विशाल जैन मंदिर के ध्वंसावशेष देखने को मिले. यहां एक विशाल प्राचीन जैन मंदिर के स्थापत्य खंड दूर-दूर तक बिखरे पड़े हैं और बहुत सारी जैन मूर्तियां भी यहां बिखरी हुई देखी गईं. ग्रामीणों ने यहां चारदिवारी जैसा घेरा बना कर दो स्थानों पर इन मूर्तियों को संग्रहित कर दिया है. यहां कई खड़े अजानबाहु दिगंबर जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां भी संग्रहित हैं. कहने का तात्पर्य यह है कि चतरा से लेकर हजारीबाग बोकारो, पलामू, चाईबासा और सिंहभूम आदि ज़िलों के हर क्षेत्र में जैन मंदिरों एवं मूर्तियों के अवशेष पाए गए हैं, जो स्थापत्य शैली के आधार पर लगभग 10वीं-12वीं शताब्दी के प्रतीत होते हैं.

ऐतिहासिक पारसनाथ (पार्श्वनाथ) व मधुबन

झारखंड के जैन मंदिर न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि ऐतिहासिक धरोहर के महत्वपूर्ण स्तंभ भी हैं. इन मंदिरों की स्थापत्य कला और धार्मिक महत्व को तो सैद्धांतिक रूप से बहुत लोग जानते हैं, लेकिन इनके इतिहास से जुड़े कई तथ्य आज भी आम जनता की जानकारी से परे हैं. यहां हम मुख्यतः झारखंड के सबसे प्रसिद्ध दो जैन ऐतिहासिक स्थलों की बात करना चाहेंगे जिन्हें पारसनाथ (पार्श्वनाथ) और मधुबन के नाम से जाना जाता है. जानकारी के लिए, 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के नाम पर इस पहाड़ी का नाम पारसनाथ रखा गया है.

- पारसनाथ पर्वत, जिसे सम्मेद शिखर, यानी सम्माननीय शिखर, के नाम से भी जाना जाता है, झारखंड का सबसे प्रमुख जैन तीर्थ स्थल है. माना जाता है कि पार्श्वनाथ ने यहां कठोर तपस्या करते हुए यहीं मोक्ष प्राप्त किया था. पहले यह स्थल काफी समय तक अज्ञात रहा. 18वीं शताब्दी में इस स्थल को पुन: खोजा गया और यहां के जैन मंदिरों का पुनर्निर्माण किया गया.

ये तीर्थ स्थल पारसनाथ पहाड़ियों में अवस्थित है जो गिरिडीह जिले के पूर्वी छोर पर स्थित है. इन पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी 1350 मी. है जो झारखंड राज्य का सबसे ऊंचा पर्वत है. यहीं पर जैनियों का सबसे महत्वपूर्ण एवं पवित्र तीर्थ स्थल है, जो दुनिया भर में विख्यात है. जैनी इसे सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल मानते हैं क्योंकि यहां 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 ने, कई अन्य भिक्षुओं के साथ, मोक्ष प्राप्त किया था. ये गिरनार, पावापुरी, चंपापुरी, दिलवारा आदि के साथ-साथ उसी स्तरके प्रमुख जैन तीर्थ स्थलों में माना जाता है. हर साल हजारों जैन तीर्थयात्री पारसनाथ पर्वत की चढ़ाई करते हैं. यह यात्रा करीब 27 किलोमीटर लंबी है और इसमें 20 प्रमुख मंदिरों (गुमटी या तोंक) का दर्शन किया जाता है.

इन मंदिरों के निर्माण में संगमरमर और पत्थर का व्यापक उपयोग किया गया है. संगमरमर की ये मूर्तियां और स्तंभ दर्शनीय हैं.

कई जैन मंदिरों में प्राचीन शिलालेख भी पाए गए हैं, जो इन मंदिरों के इतिहास और धार्मिक महत्त्व को दर्शाते हैं. ये शिलालेख जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा अर्पित किए गए दान और धार्मिक अनुष्ठानों का विवरण देते हैं.

- इस पारसनाथ या पार्श्वनाथ पहाड़ी के उत्तरी उतार को मधुबन क्षेत्र के नाम से जाना जाता है. इस शिखर पर मंदिरों की वर्तमान संरचना का पुनर्निर्माण 1768 में जगत सेठ द्वारा किया गया था हालांकि इसमें रखी मूर्तियां और प्राचीन हो सकती हैं.
- आधुनिक इतिहास के अभिलेखों से पता चलता है कि वाघेला वंश के राजा वीर धवल तथा विशाल देव के शासनकाल के दौरान प्रधानमंत्री वस्तु पाल ने तीर्थंकरों की बीस मूर्तियां वाले एक जैन मंदिर का निर्माण कराया था. मंदिर में उनके पूर्वजों आदि की मूर्तियां भी रखवाई गई थीं. भारत में मुगल शासन के दौरान वर्ष 1583 में सम्राट अकबर ने आसपास के क्षेत्र में जानवरों के वध को रोकने के लिए जैन समुदाय को शिखरजी हिल का प्रबंधन देने वाला एक फरमान भी पारित किया था.
- जैनों के लिए तो यह स्थान पवित्र है ही, संथाल भी इस पहाड़ी को अपने देवता के नाम पर मारंग बुरु कहते हैं. वे बैसाख (मध्य अप्रैल) में पूर्णिमा दिवस पर एक शिकार त्यौहार मनाते हैं.
- यहां पर अनेक धर्मशालाएं एवं पुस्तकालय-संग्रहालय आदि भी निर्मित किए गए हैं जिनका उपयोग यहां आने वाले तीर्थ यात्री करते हैं.
- इस प्रकार गिरिडीह जिला के अंतर्गत पारसनाथ का यह पहाड़ी क्षेत्र झारखंड के एक प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में विख्यात है.

दिशाएं तय करती हमारे सुख-दुख

वास्तु में दिशाओं की बहुत अहमियत है. मान्यता है कि दिशाओं के अनुसार हमारे सुख-दुख का निर्धारण होता है. जाने-अनजाने दिशाओं में प्रतिकूल चीजें-प्रतिस्थितियों का होना कई परेशानियों का कारण हो सकता है. आइए, जाने वास्तु के अनुसार दिशाएं हमारी जिंदगी को कैसे प्रभावित करती हैं-

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

भवन की पूर्व दिशा : पूर्व में मुख्य द्वार बड़ा हो, उसमें बड़ी-बड़ी खिड़कियों एवं झरोखों से सूर्य का प्रकाश आता हो तथा पूर्व की दिशा में किसी प्रकार का दोष नहीं हो तो उसमें वास करने वाले को अच्छे स्वास्थ्य पराक्रम तेजस्विता सुख-समृद्धि एवं गौरवपूर्ण जीवन की प्राप्ति होती है.

घर के पूर्वी भाग में कूड़ा -कचरा पत्थर और मिट्टी के देर हो तो संतान की हानि होती है. साथ ही इस दिशा में दोष होने पर व्यक्ति के सांसारिक एवं आध्यात्मिक विकास में कमी आ जाती है. पिता के सुख में कमी, पुत्र संतान की कमी, विकलांग संतान का जन्म, एवं यश और प्रतिष्ठा में कमी आती है. इसके अतिरिक्त इस दिशा के दोष पूर्ण होने पर धन का अपव्य कर्ज, मानसिक अशांति नेत्र विकार, लकवा, रक्तचाप, सर दर्द या सिर से संबंधित रोग, हड्डी के टूटने आदि रोग की आशंका बनती है.

पश्चिम दिशा : पश्चिम दिशा पत्नी सुख, वैवाहिक सुख, व्यवसाय में प्रगति, साझेदारी का व्यवसाय, कोर्ट कचहरी के मामले, गुप्तांग आदि का विचार इसी स्थान से किया जाता है.

भवन में वर्षा जल पश्चिम से होकर बाहर जा रही हो तो पुरुष लंबी बीमारियों के शिकार होते हैं. इस दिशा में दोष रहने पर नपुंसकता, पैरों में तकलीफ, कुष्ठ रोग, रीड की हड्डी में कष्ट, गठिया, स्नायु एवं वात संबंधी रोगों की आशंका रहती है. यदि घर की पश्चिम दिशा में दरारे हों तो गृह स्वामी को गुप्तांग में बीमारी होती है तथा आमदनी अव्यवस्थित रहती है. यदि पश्चिम दिशा में अग्नि स्थान हो तो मस्से की शिकायतें होंगी.

उत्तर दिशा : उत्तर दिशा में खाली जगह छोड़ने से ननिहाल पक्ष लाभान्वित होता है. यह दिशा शुभ होने पर व्यक्ति को विद्या तथा बुद्धि की प्राप्ति और उसमें कविता शक्ति तथा विभिन्न प्रकार के आविष्कारों की क्षमता का विकास होता है. साथी नौकर-चाकर, मित्र, घर एवं विभिन्न प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है. उत्तर दिशा दोषपूर्ण हो तो गृह स्वामी की कुंडली का चौथा भाव निश्चित बिगड़ा हुआ होता है. ऐसे जातक के मातृ सुख, नौकर-चाकर के सुख, भौतिक सुख आदि की कमी रहती है. साथ ही हर्निया, ह्रदय तथा चर्म रोग, गॉल ब्लैडर की बीमार पागलपन, हैजे, फेफड़े एवं रक्त से संबंधित बीमारियों की आशंका बनी रहती है.

दक्षिण दिशा : यह दिशा सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है और उत्साह और स्फूर्ति प्रदान करता है. किंतु इसके बुरे प्रभाव से शारीरिक, भावनात्मक, मानसिक एवं आध्यात्मिक व्यग्रता बनी रहती है. यह धैर्य तथा पराक्रम का स्वामी होता है.. कुंडली का दशम भाव इसका कारक स्थान है.

यदि घर के दक्षिण में कुआं, दरार, कचरा, कूड़ादान एवं पूर्ण कबाड़ हो तो ह्रदय रोग, जोड़ का दर्द, खून की कमी, पीलिया आदि की बीमारियां होती हैं. यदि दक्षिण में कुआं या जल हो तो अचानक दुर्घटना से मृत्यु होती है. साथ ही दिशा दोषपूर्ण होने पर स्त्रियों में गर्भपात, मासिक धर्म में अनियमितता, रक्त विकार, उच्च रक्तचाप, बवासीर, दुर्घटना, फोड़े -फुंसी, अल्सर आदि से संबंधित बीमारियां देती है तथा नौकरी- व्यापार में नुकसान, समाज में अभ्यास, पितृ सुख में अवरोध, पिता के व्यसनी होने, सरकारी कामों में असफलता आदि की आशंका बनी रहती है.

23 जून से 5 जुलाई तक एक पक्ष 13 दिनों का है

विश्वघस्र में वर्जित हैं शुभ कार्य

आचार्य प्रणव मिश्रा

सूर्य-चन्द्र की गणित के अनुसार पंचाङ्गों में प्रतिवर्ष 14,15 या 16 दिन के पक्ष हुआ करते हैं. अर्थात् किसी पक्ष में किसी तिथि के क्षय हो जाने की स्थिति में 14 दिन, किसी पक्ष में तिथिवृद्धि (अर्थात् 24 घण्टे से अधिक व्याप्ति हो तो उभयदिन-व्याप्त तिथि होने से पक्ष 16 दिन का हो जाता है. कभी-कभी किसी पक्ष में तिथि क्षय या तिथि वृद्धि न हो तो पक्ष 15 दिन का ही होता है.

लेकिन सूर्य-चन्द्र की स्पष्ट गणित प्रक्रिया के अनुसार किसी पक्ष-विशेष में दो बार तिथिक्षय हो जाने से 13 दिन का पक्ष हो जाता है. इस प्रकार के त्रयोदश दिनात्मक पक्ष को 'विश्वघस्र' नाम दिया गया है. इस पक्ष को अशुभ और अनेक शुभकार्यों में वर्जित लिखा है.

पूर्व में भी कई बार 13 दिन का पक्ष घटित होता है. 13 दिन का पक्ष जनता में भयंकर रोग, अशान्त सीमाक्षेत्र, महंगाई, देश में कहीं उग्रवादजन्य किंवा साम्प्रदायिक उपद्रव,राजनैतिक पार्टियों में असमंजस, विश्व के कुछ देशों में युद्धात्मक स्थिति, किसी देश का विघटन, कहीं प्राकृतिक भयंकर आपदा से जनजीवन अस्त-व्यस्त करता है.

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार त्रयोदश दिनपक्ष होने से देश की सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में अशान्ति, कहीं जातिगत एवं धार्मिक उपद्रव, हिंसा किंवा प्रतिष्ठित व्यक्ति (राजनीतिज्ञ) का विछोह सहना संभावित है. वैसे भी गोचर ग्रहस्थिति इस वर्ष तूफान, भूस्खलन, भूकम्प, पर्वतों के दरकने आदि प्राकृतिक प्रकोपों से एवं दुर्भिक्ष और खाद्य पदार्थों की कमी से जन-जीवन दूभर रहेगा.

ऐसा पहला संयोग द्वापर युग में बना था जब कौरव-पांडव युद्ध हुआ. द्वापर युग के महाभारत काल में 13 दिन के पक्ष में यह पहला दुर्योग काल निर्मित हुआ था. इस दौरान कौरव व पांडवों के बीच भीषण युद्ध हुआ तथा अपार जनहानि हुई. ये समय श्राद्ध पक्ष की तरह अशुभ है. महाभारत सहित कई बड़े युद्ध ऐसे ही 13 दिन में हुए हैं. वर्ष 1937 में विनाशकारी भूकंप आया था. वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध हुआ तब भी एक पक्ष 13 दिन का था. वर्ष 1999 के 13 दिन पक्ष में ही करगिल युद्ध हुआ था. ऐसे पक्ष में विवाह, उपनयन संस्कार, गृह प्रवेश, नवीन कार्य आरंभ आदि मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए.

जब जब यह 13 दिन का पक्ष आएगा तो बहुत सारी आपदाएं आएंगी. इस आपदा से बचने के लिए विष्णु भगवान का पूजन और विष्णु गायत्री का जाप करते रहना चाहिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

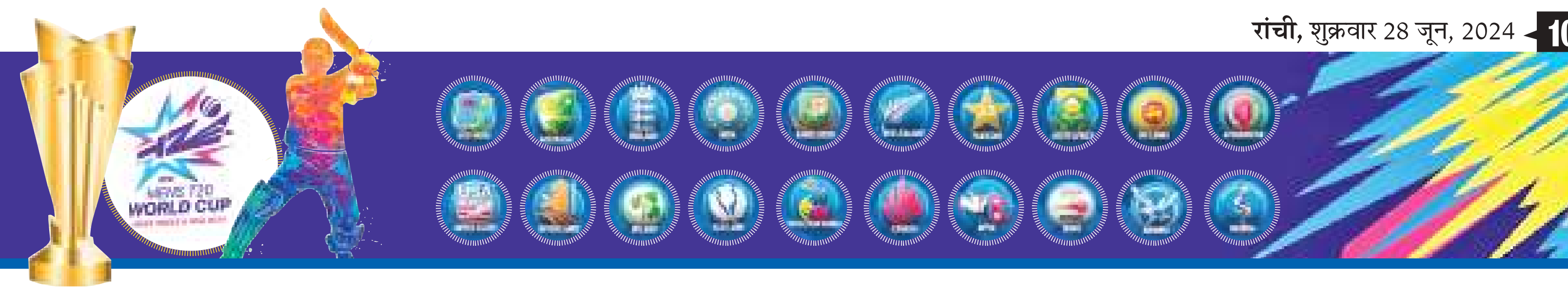

आईसीसी टूर्नामेंट में 'ट्रेजेडी' का इतिहास रहा है दक्षिण अफ्रीका का,विश्व कप नॉकआउट में दक्षिण अफ्रीका का दिल बार-बार टूटता रहा था

दक्षिण अफ्रीका ने एक मैच से दास्तां बदल दी, वक्त बदल दिया और जज्बात बदल दिये

भाषा। नयी दिल्ली

विश्व कप नॉकआउट में दक्षिण अफ्रीका का दिल बार-बार टूटता आया है. उसकी दास्तां शेक्सपियर की किसी 'ट्रेजेडी' की तरह ही रही जिसमें सुखांत का बस इंतजार ही रहता था. आलम यह था कि दक्षिण अफ्रीका को दबाव के आगे घुटने टेकने वाले 'चोकर्स' कहा जाने लगा लेकिन एक मैच ने दास्तां बदल दी, वक्त बदल दिया और जज्बात बदल दिये . अफगानिस्तान को तारोबा में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नौ विकेट से हराकर पहली बार दक्षिण अफ्रीका टीम फाइनल में पहुंची तो न जाने कितने सालों के जख्मों पर मरहम लग गया. दक्षिण अफ्रीका के आईसीसी टूर्नामेंटों में निराशाजनक अतीत की बानगी इस प्रकार है.

दक्षिण अफ्रीका अक्सर बड़े टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में आकर प्रतियोगिता से बाहर हो जाती रही थी, 32 सालों बाद फाइनल में जगह बनायी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1992 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल : दबाव के आगे घुटने नहीं टेके लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया. रंगभेद के कारण बाईस साल का निष्कासन झेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटी दक्षिण अफ्रीका के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज और चुस्त फील्डर थे. लेकिन सेमीफाइनल में बारिश आई और उसे सात गेंद से 22 रन की बजाय अब एक गेंद में 22 रन बनाने का संशोधित लक्ष्य मिला.

वेस्टइंडीज के खिलाफ 1996 विश्व कप क्वार्टर फाइनल : सभी ग्रुप मैच जीतने के बाद हैंसी क्रोन्ये की टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा था लेकिन ब्रायन लारा की जबर्दस्त बल्लेबाजी के बाद रोजर हार्पर और जिम्मी एडम्स की फिरकी के जाल में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फंसते चले गए और 19 रन से हार गए .

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1999 विश्व कप सेमीफाइनल : दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट इतिहास का सबसे निराशाजनक मैच . टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे लांस क्लूसनर को जिसने 'ट्रेजेडी किंग' बना दिया. जीत के लिये 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में नौ रन बनाने थे . आखिरी जोड़ी क्रीज पर थी . क्लूसनर ने पहली दो गेंद पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद पर एलेन डोनाल्ड रन आउट हो गए और मैच टाई हो गया. सुपर सिक्स चरण में जीत दर्ज करने के कारण ऑस्ट्रेलिया फाइनल में पहुंचा.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2007 विश्व कप सेमीफाइनल : पहले बल्लेबाजी का दक्षिण अफ्रीका का फैसला गलत साबित हुआ . ग्रीम स्मिथ, हर्शल गिब्स , जाक कैलिस, एबी डिविलियर्स और मार्क बाउचर जैसे धुरंधर 149 के स्कोर पर आउट हो गए . ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर बाकी रहते मैच जीता .

पाकिस्तान के खिलाफ 2009 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल : दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, भारत को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई . लेकिन शाहिद अफरीदी की शानदार स्पिन गेंदबाजी के सामने टीम 150 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर सकी .

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2011 वनडे विश्व कप क्वार्टर फाइनल : एबी डिविलियर्स, फाफ डु प्लेसी, ग्रीम स्मिथ, जाक कैलिस और जेपी डुमिनी जैसे दिग्गज न्यूजीलैंड के खिलाफ 222 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये . एक समय 25 ओवर में आठ विकेट पर 108 रन बनाने के बाद अगले सात विकेट 64 रन पर गंवा दिये.

इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल : दक्षिण अफ्रीका का स्कोर आठ विकेट पर 80 रन था जिसके बाद डेविड मिलर और रोरी क्लेनवेल्ट ने इसे 175 रन तक पहुंचाया . जोनाथन ट्रॉट के नाबाद 82 रन की मदद से इंग्लैंड ने 12 ओवर और सात विकेट बाकी रहते जीत दर्ज की.

भारत के खिलाफ 2014 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल : भारतीय टीम ने एक इकाई के रूप में शानदार प्रदर्शन करके दक्षिण अफ्रीका को हराया.

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2015 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल : दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटरों की सुनहरी पीढ़ी. हर विभाग में उत्तम लेकिन फिर सेमीफाइनल हारे. न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में हराकर फिर दक्षिण अफ्रीका का दिल तोड़ा.

नीदरलैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सुपर 12 : सेमीफाइनल से एक जीत दूर दक्षिण अफ्रीकी टीम को नीदरलैंड ने 13 रन से हराकर उलटफेर कर दिया था.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल : लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अंतिम चार के अहम मुकाबले में एक बार फिर 'चोकर ' साबित हुई दक्षिण अफ्रीका टीम.

ब्रीफ खबरें

मुगुरूजा डब्ल्यूटीए फाइनल्स की निदेशक

रियाद। हाल ही में टेनिस को अलविदा कहने वाली दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन गार्बाइन मुगुरूजा सउदी अरब में 2024-26 में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स की टूर्नामेंट निदेशक होंगी. मुगुरूजा पहली पूर्व खिलाड़ी है जो सत्र की आखिरी चैंपियनशिप में यह पद संभालेंगी. शीर्ष आठ एकल खिलाड़ियों और शीर्ष आठ महिला युगल टीमों के बीच होने वाला यह एलीट टूर्नामेंट पहली बार इस साल सउदी अरब में दो से नौ नवंबर के बीच होगा.

सिल्वरवुड ने श्रीलंका कोच से इस्तीफा दिया

कोलंबो। श्रीलंका के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने गुरुवार को टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया. पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी सलाहकार कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था. सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है. अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं.

एचआईएल से खिलाड़ियों को पहचान मिलती है

नयी दिल्ली। दिग्गज ड्रैग फ्लिकर वीआर रघुनाथ ने कहा कि आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) से उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने में मदद मिलेगी जो भविष्य में राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेल सकते हैं. एचआईएल की भारतीय हॉकी में सात साल बाद वापसी हो रही है, जिसमें पुरुष वर्ग में आठ और महिला वर्ग में छह टीम भाग लेंगी. इसका आयोजन दिसंबर 2024 और फरवरी 2025 में किया जाएगा.

अक्टूबर में लंदन में होगा वैश्विक शतरंज

लंदन। दूसरी वैश्विक शतरंज लीग (ग्लोबल चेस लीग) का आयोजन 3 से 12 अक्टूबर तक लंदन में किया जाएगा. आयोजकों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. वैश्विक शतरंज लीग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) और टेक महिंद्रा की संयुक्त पहल है. दस दिन तक चलने वाली इस लीग का आयोजन सेंट्रल लंदन के फ्रेंड्स हाउस में किया जाएगा, जिसमें दुनिया के चोटी के खिलाड़ी भाग लेंगे.

दक्षिण अफ्रीका की टीम ने खुद पर लगे चोकर्स का दाग धो डाला

'जाइंट किलर' को हराकर दक्षिण अफ्रीका पहली बार फाइनल में

भाषा। तारोबा

23 रन बनाकर कप्तान एडेन मार्करम नाबाद रहे.

अपने जांबाज प्रदर्शन से सभी का दिल जीतने वाले अफगानिस्तान का टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया, जब दक्षिण अफ्रीका ने अपने पर लगा 'चोकर्स' का ठप्पा हटाते हुए उसे नौ विकेट से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनायी. इस हार के बावजूद हालांकि अफगान टीम फख्र के साथ सिर ऊंचा करके स्वदेश लौटेगी, जिसने अपने जुझारू प्रदर्शन से समूचे क्रिकेट जगत को चौंका दिया है. दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए अफगानिस्तान को मात्र 56 रन पर आउट कर दिया.

मार्को जेनसन ने 16 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि कैगिसो रबाडा ने 14 और एनरिच नॉर्किया ने सात रन देकर दो दो विकेट चटकाये. पावरप्ले के भीतर अफगानिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 28 रन था और पूरी टीम 11 . 5 ओवर में आउट हो गई. क्विंटोन डिकॉक का विकेट जल्दी गंवाने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने 8 . 5 ओवर में 60 रन आसानी से बना डाले. रीजा हेंडरिक्स 29 रन बनाकर और कप्तान एडेन मार्करम 23 रन बनाकर नाबाद रहे. अफगानिस्तान ने अपनी सारी ऊर्जा सेमीफाइनल तक पहुंचने में झोंक डाली थी जो उनके प्रदर्शन में नजर आया. दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों के सामने उनके बल्लेबाज टिक ही नहीं सके और टीम अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट हो गई. दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने तो कहर बरपाया ही, अफगानिस्तान के बल्लेबाज भी गलतियां करते चले गए. फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को जेनसन ने आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर ललचाया और वह स्लिप में रीजा हेंडरिक्स को कैच दे बैठे. उनके जाते ही अफगानिस्तान बल्लेबाजी क्रम में हड़कंप मच गया और जेनसन ने भीतर की ओर आती गेंद पर गुलबदिन नायब को आउट किया. इब्राहिम जदरान ने रबाडा की गेंद पर अपना पैर बिल्कुल भी नहीं हिलाया और गेंद सीधे लेग स्टम्प पर पड़ी. चौथे ओवर में तीन गेंद बाद मोहम्मद नबी इसी अंदाज में आउट हुए लेकिन इस बार आफ स्टम्प पर निशाना था. नॉर्किया ने अजमतुल्लाह उमरजई को डीप में ट्रिस्टन स्टब्स के हाथों लपकवाया. इस विश्व कप में अफगानिस्तान के लिए गुरबाज , जदरान और उमरजई ने सबसे ज्यादा रन बनाये हैं लेकिन इस अहम मुकाबले में तीनों मिलकर 12 रन ही बना सके. कप्तान राशिद खान ने कुछ अच्छे शॉट्स की उम्मीद थी लेकिन उन्होंने नॉर्किया के सामने पूरा स्टम्प खुला छोड़ दिया और बोल्ड हो गए. लेग स्पिनर तबरेज शम्सी ने एक ही ओवर में करीम जनत और नूर अहमद के विकेट निकाले. उन्होंने छह रन देकर तीन विकेट लिये.

आत्मविश्वास लेकर जा रहे हैं , यह हमारे लिए आगाज है : राशिद खान

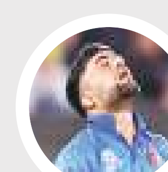

तारोबा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान दक्षिण अफ्रीका के हाथों टी20 विश्व कप के एकतरफा सेमीफाइनल में मिली हार से दुखी हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह उनकी टीम के लिए शुरुआत है और इस टूर्नामेंट से उन्हें किसी भी टीम को हराने का आत्मविश्वास मिला है. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में अपने न्यूनतम स्कोर 56 रन पर आउट होने के बाद अफगानिस्तान को नौ विकेट से पराजय झेलनी पड़ी. राशिद ने मैच के बाद कहा, एक टीम के रूप में हमारे लिये यह कठिन था. हमने बेहतर प्रदर्शन किया होता लेकिन हालात ने हमारा साथ नहीं दिया. टी20 क्रिकेट यही है, जिसमें आपको स्थिति अनुरूप ढलना होता है.

टीम के खिलाड़ी शांतचित्त रहें, अब डरना मना है : एडेन मार्करम

तारोबा। दक्षिण अफ्रीका को पहली बार टी20 विश्व कप फाइनल में ले जाने वाले कप्तान एडेन मार्करम ने खिलाड़ियों से शांतचित्त रहने और खिताबी मुकाबले से नहीं डरने का आग्रह किया है. दक्षिण अफ्रीका ने पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराया . मैच के बाद मार्करम ने कहा, यह हमारे लिये अगला कदम है. फाइनल हम पहली बार खेलने जा रहे हैं लेकिन डरने की कोई बात नहीं है. यह जीत हमारे लिये काफी मायने रखती है. हमारे पास कई विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं लेकिन इस तरह के प्रदर्शन के लिए पूरी टीम को एक इकाई के रूप में खेलना होता है. अफगानिस्तान को 56 रन पर समेटने वाले अपने गेंदबाजों की तारीफ भी की.

विश्व कप जीतने के लिए हर खिलाड़ी को देना होगा योगदान : कपिल देव

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने गुरुवार को कहा कि व्यक्तिगत प्रतिभा नहीं बल्कि सामूहिक प्रदर्शन यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि क्या रोहित शर्मा की टीम वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप जीतकर अपने एक दशक से अधिक समय से वैश्विक ट्रॉफी के सूखे को समाप्त कर पाएगी या नहीं. भारत गुरुवार रात (भारतीय समयानुसार) को टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा. इस मैच को जीतने वाली टीम खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी जिसने पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को करारी शिकस्त दी. कपिल ने एक साक्षात्कार में कहा, हम केवल रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या या कुलदीप यादव के बारे में ही क्यों बात करें? हर किसी को भूमिका निभानी है. उनका काम टूर्नामेंट जीतना है. एक मैच जीतने के लिए किसी एक खिलाड़ी का प्रदर्शन मायने रख सकता है लेकिन एक टूर्नामेंट जीतने के लिए सभी को एकजुटता के साथ काम करना होगा. अगर हम बुमराह या अर्शदीप पर ही निर्भर रहेंगे, तो हमारे लिए जीत दर्ज करना मुश्किल होगा.

ऐसी पिच पर कोई भी सेमीफाइनल नहीं खेलना चाहेगा: जोनाथन ट्रॉट

भाषा। तारोबा (त्रिनिदाद)

अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े मुकाबले के लिए यह उपयुक्त नहीं थी. इस पिच से तेज गेंदबाजों को मूवमेंट मिल रहा था और इसमें अनिश्चित उछाल दी थी. अफगानिस्तान की टीम इस पिच पर केवल 56 रन बनाकर आउट हो गई जो टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूनतम स्कोर है.

दक्षिण अफ्रीका ने भले ही लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर दिया लेकिन उसके बल्लेबाजों को भी संघर्ष करना पड़ा. ट्रॉट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं खुद को परेशानी में नहीं डालना चाहता और मैं अंगूर खट्टे हैं जैसा मामला भी नहीं बनना चाहता लेकिन यह उस तरह की पिच नहीं थी जिस पर कोई विश्व कप का सेमीफाइनल खेलना चाहेगा. इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इस पिच ने बल्लेबाजी को पूरी तरह से खेल से बाहर कर दिया. उन्होंने कहा, मुकाबला बराबरी का होना चाहिए. मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि यह सपाट होनी चाहिए जिसमें स्पिन या सीम मूवमेंट न हो.

वेनेजुएला कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। इंगलवुड (अमेरिका)

वेनेजुएला ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मैक्सिको को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की. मैच का एकमात्र गोल 57वें मिनट में सालोमोन रोन्डोन ने पेनल्टी किक पर किया. इस हार से मैक्सिको पर पहले दौर से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है. वेनेजुएला ने अपने पहले मैच में इक्वाडोर को 2-1 से पराजित किया था और उसका ग्रुप बी में शीर्ष दो टीम में रहना तय है. वह अपना आखिरी मैच रविवार को जमैका के खिलाफ खेलेगा. जमैका की टीम पहले ही नॉकआउट चरण की दौड़ से बाहर हो चुकी है. मैक्सिको ने जमैका पर 1-0 की जीत के साथ शुरुआत की थी. उसके भी इक्वाडोर के बराबर तीन अंक हैं. इक्वाडोर ने बुधवार को खेले गए एक अन्य मैच में जमैका को 3-1 से हराया.

यूरो 2024: स्लोवाकिया और रोमानिया अंतिम 16 में

एजेंसी। फ्रैंकफर्ट

रोमानिया ने स्लोवाकिया से 1-1 से ड्रॉ खेला और दोनों टीमों ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के नॉकआउट चरण में जगह बना ली. रोमानिया ग्रुप ई में बेहतर गोल औसत के आधार पर बेल्जियम से ऊपर शीर्ष पर रहा. स्लोवाकिया तीसरे स्थान पर रही. स्लोवाकिया के लिए 24वें मिनट में ओंडरेज डुडा ने हेडर पर गोल किया. वहीं रोमानिया के लिये रजवान मारिन ने 37वें मिनट में बराबरी का गोल किया. रोमानिया वर्ष 2000 के बाद पहली बार यूरो नॉकआउट में खेलेगा जहां उसका सामना नीदरलैंड से होगा. बेल्जियम की टक्कर फ्रांस से और इंग्लैंड का सामना स्लोवाकिया से होगा.

गोलरहित ड्रॉ के बाद बेल्जियम अंतिम 16 में : बेल्जियम ने यूक्रेन से गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया जबकि यूक्रेन चार अंक लेकर बाहर होने वाली ग्रुप की पहली टीम बन गई. बेल्जियम का सामना अब सोमवार को डसेलडोर्फ में अंतिम 16 के मुकाबले में फ्रांस और काइलियान एमबाप्पे से होगा. ग्रुप ई में सभी टीमों के चार अंक रहे लेकिन बेहतर गोल औसत के आधार पर रोमानिया शीर्ष, बेल्जियम दूसरे और स्लोवाकिया तीसरे स्थान पर रहा.

रोमानिया और स्लोवाकिया का मैच 1 . 1 से ड्रॉ रहा.

जॉर्जिया ने पुर्तगाल को 2-0 से हराया

मैच से पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो से हुई बातचीत ने ख्विचा कवारात्सखेलिया को इतना प्रेरित किया कि उनकी टीम जॉर्जिया ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप का बड़ा उलटफेर करते हुए रोनाल्डो की पुर्तगाल को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई . रोनाल्डो के प्रशंसक जॉर्जिया के सात नंबर जर्सी वाले कवारात्सखेलिया ने मैच से ठीक पहले अपने पसंदीदा खिलाड़ी से बात की . उन्हें रोनाल्डो की शर्ट भी तोहफे में मिली .

महिला क्रिकेट

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच की शुरुआत आज से होगी

एकमात्र टेस्ट मैच में युवा खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

भाषा। चेन्नई

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में जब आमने-सामने होंगी तो युवा विशेषकर पदार्पण करने वाली खिलाड़ियों पर सभी की निगाह टिकी रहेगी. महिला खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट खेलने का कम मौका मिलता है और ऐसे में भारतीय टीम में शामिल कम से कम पांच खिलाड़ियों को यहां पदार्पण करने का मौका मिल सकता है.

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम एक दूसरे के खिलाफ लगभग एक दशक बाद टेस्ट मैच खेलेंगी. भारत ने इस मैच से पहले तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया था और उसकी टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी. उ म ा

मैच का समय : सुबह 9.30 बजे

छेत्री, प्रिया पूनिया, सायका इशाक, अरुंधति रेड्डी और शबनम शकील को अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल सकता है और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी. भारत ने पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच खेला था. उसने इन दोनों मैच में जीत दर्ज की थी. भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टेस्ट मैच 2014 में मैसूर में खेला था तथा उसने पारी और 34 रन से जीत दर्ज की थी. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अभी तक केवल पांच टेस्ट मैच खेले हैं. सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना भारतीय टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं. उन्होंने अपनी कप्तान से एक टेस्ट मैच अधिक खेला है. मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसे वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी जारी रखना चाहेंगी. शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा जैसी खिलाड़ियों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है. गेंदबाजी में दीप्ति और पूजा वस्त्राकर ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था. दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के लिए भी उनका सामना करना आसान नहीं होगा. चेन्नई की पिच स्पिनरों को मदद पहुंचाती रही है और ऐसे में स्नेह राणा की ऑफ ब्रेक को खेलना मुश्किल होगा.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, प्रिया पूनिया, शैफाली वर्मा, शुभा सतीश, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), स्नेह राणा, साइका इशाक, राजेश्वरी गायकवाड़, अरुंधति रेड्डी और रेणुका ठाकुर सिंह.

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), मारिजाने कप्प, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे और डेलमी टकर.

गुकेश ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज में डेक बोगडान-डैनियल को हराया

भाषा। बुखारेस्ट (रोमानिया)

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को हराकर सकारात्मक शुरुआत की. इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा. गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की. गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं. इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे एक अन्य भारतीय आर प्रज्ञाननंदा ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा. अमेरिका के फैबियानो कारुआना भी शुरुआती दौर में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे. उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया. दस खिलाड़ियों के राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए. बोगडान-डैनियल ने 'निम्जो इंडियन डिफेंस' चाल की शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया.

रोमानिया के खिलाड़ी के पास गुकेश पर बढ़त बनाने का मौका था लेकिन उन्होंने प्यादा के मुकाबले अपने 'रूक (हाथी)' को गंवा दिया. गुकेश इसके बाद मजबूत वापसी करने में सफल रहे। उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं देते हुए जीत दर्ज की. काले मोहरों से खेल रहे प्रज्ञानानंदा को अब्दुसात्तोरोव से कड़ी चुनौती मिली. दोनों खिलाड़ी 60 चालों के बाद बराबरी पर सहमत हो गये.

ब्रीफ खबरें

17.5 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

अररिया । सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं वाहिनी बथनाहा ने गुप्त सूचना के आधार पर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है. तस्कर एक सुजुकी ब्रांड की ऑल्टो कार में 17.5 किलो गांजा छिपाकर नेपाल की ओर से आ रहा था. जैसे ही तस्कर गाड़ी को लेकर सोनापुर सार्वजनिक दुर्गा मंदिर के समीप पहुंचा, एसएसबी के जवानों को देखकर सार्वजनिक दुर्गा मंदिर सोनापुर के बगल से जाने वाली सड़क की ओर अपनी सुजुकी गाड़ी को मोड़कर वहां से भागने का प्रयास किया.

नवादा में भूमि विवाद में मारपीट, चार घायल

नवादा । नवादा जिला में गुरुवार को जमीनी विवाद को लेकर गोली चली. दबंगों ने एक परिवार के छह सदस्यों को बेहरमी से पीटा. इस घटना से इलाके में दहशत है. घटना नेमदारगंज थाना क्षेत्र के लोदी पुर गांव की है. पीड़ित परिवार के अनुसार उनके निजी जमीन में पड़ोस के शिवदानी प्रसाद जबरन जमीन में छज्जा निकालने को लेकर भिड़ गए थे. इस दौरान गोलीबारी और परिवार के सभी सदस्यों से बेरहमी से मारपीट भी की गई. हालांकि इस गोलीबारी में किसी को गोली नहीं लगी है. जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष में हुए झड़प में एक परिवार के दो महिला और चार पुरुष बुरी तरह से घायल हो गए हैं.

ठनका की चपेट में आने से बच्ची की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले में पीपरा थाना क्षेत्र के सरीयतपुर गांव में गुरुवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक स्कूली बच्चे की मौत हो गई. जबकि एक दूसरा बच्चा घायल हो गया. पुलिस के मुताबिक दोनों स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर लौट रहे थे. इसी दौरान तेज गरज के साथ गिरे ठनका की चपेट में आ गये. मरने वाली बच्ची सरीयतपुर गांव निवासी ललन साह की 9 वर्षीय श्रृति कुमारी बतायी गयी है. जो सरीयतपुर खां टोला प्राथमिक विधालय की तीसरी क्लास की छात्रा थी. जबकि घायल दूसरी बच्ची रेशमी बतायी गयी है, जिसका इलाज पीपरा में ही निजी क्लिनिक में चल रहा है.

भारी बारिश के बीच प.चंपारण के वाल्मिकिनगर पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

120 करोड़ की लागत से कन्वेंशन सेंटर का किया लोकार्पण

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पश्चिमी चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर में 120 करोड़ की लागत से निर्मित अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण किया. साथ ही परिसर में स्थापित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का अनावरण कर वहां पौधरोपण भी किया. मुख्यमंत्री भारी बारिश के बीच प.चम्पारण के वाल्मिकिनगर पहुंचे. उन्होंने 120 करोड़ की लागत से बने अंतरराष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर के साथ अतिथि गृह का लोकार्पण किया.

कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण के मौके पर सीएम नीतीश कुमार व अन्य.

उनके साथ भवन निर्माण मंत्री जयंत राज और जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे. कन्वेशन सेंटर परिसर में महर्षि वाल्मिकी की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया.

नीतीश कुमार ने कन्वेशन सेंटर का निरीक्षण भी किया. मुख्यमंत्री ने कन्वेंशन सेंटर के निर्माण में कुशल मानिटरिंग करने व गुणवत्ता पूर्ण काम करने के लिये डीएम, एसडीएम और संवेदक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया. कार्यक्रम के बाद वे पटना के लिए रवाना हो गए. बताया जाता है कि सीएम नीतीश पटना आने के बाद दिल्ली के लिए भी रवाना हो सकते हैं. क्योंकि 29 जून को दिल्ली में जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होनी है.

उल्लेखनीय है कि 06 मई, 2022 को मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर का वर्चुअल शिलान्यास किया था. कुल 25 एकड़ में निर्मित कन्वेंशन सेंटर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है. इसका निर्माण 120 करोड़ की लागत से किया गया है. कन्वेंशन सेंटर की क्षमता 500 लोगों की है. कन्वेंशन सेंटर में बहुउद्देशीय सभागार, आधुनिक ऑडियो और वीडियो उपकरण लगाए गए हैं. पार्किंग की भी विशेष व्यवस्था की गई है. पूरे भवन को भूकंप रोधी बनाया गया है. साथ ही कन्वेंशन सेंटर में बराज के किनारे 100 कमरों का अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अतिथि गृह भी बना है. सबसे बड़ी बात है कि यहां ठहरने वाले पर्यटक कमरों से ही जल, जंगल और पहाड़ का दीदार कर सकेंगे.

बक्सर में घर के बाहर सो रहे शख्स की गोली मारकर हत्या

संवाददाता ।बक्सर

बक्सर के इटाढ़ी थाना क्षेत्र से गुरुवार की सुबह घर के बाहर सोए अवस्था में एक व्यक्ति के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई. घर के बगल में बर्थडे पार्टी चल रही थी और तभी बुधवार की रात किसी ने इस घटना को अंजाम दे दिया. पूरा मामला इटाढ़ी थाना क्षेत्र के खनिता गांव का है.

मृतक की पहचान राशिद हजाम (45 वर्ष) के रूप में की गई है. घटना के बारे में भतीजा नजीर हुसैन ने बताया कि बुधवार की रात खाना खाने के बाद राशिद हजाम घर के बाहर खाट पर सोए हुए थे. बगल में किसी के यहां बर्थडे पार्टी चल रही थी. इस दौरान जेनरेटर की आवाज भी काफी आ रही थी. ऐसे में किसी ने मौका देखकर हत्या कर दी. घटना कब हुई किसी को जानकारी नहीं हुई. सुबह में पता चला कि इस तरह की घटना हो गई है.

बताया कि राशिद हजाम मजदूरी करते थे. बताया जाता है कि राशिद के कमाने से ही घर चलता था. परिवार वालों का मानना है कि किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी. राशिद के पास जमीन भी नहीं है कि भूमि विवाद में इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया हो. उधर घटनास्थल से पुलिस को गोली का खोखा नहीं मिला है.

लगातार बढ़ रहा डिस्चार्ज, प्रशासन भी पूरी तरह से तैयार

सुपौल में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ा, बैराज के 21 फाटक खोले गए

संवाददाता ।पटना

सुपौल में कोसी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है. बीते बुधवार की सुबह से ही कोसी नदी के बैराज से डिस्चार्ज लगातार बढ़ते क्रम में दर्ज किया जा रहा है गुरुवार सुबह आठ बजे तक डिस्चार्ज का लेवल एक लाख 48 हजार क्यूसेक दर्ज किया गया है. बढ़ते पानी के प्रेशर को देखते हुए बैराज प्रशासन की ओर से 56 में से 21 फाटक खोल दिए गए हैं. हालांकि प्रशासन की ओर से स्थिति पर पूरी तरह से नजर रखी जा रही है. आपको बता दें कि एक तरफ जहां बिहार में मॉनसून ने दस्तक दे दी है तो उधर नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भी पिछले कुछ दिनों में रुक-रुककर लगातार वर्षा हुई है. बारिश के चलते कोसी नदी में पानी का प्रवाह बढ़ गया है. नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है.

किसानों को काफी नुकसान हुआ : गौरतलब हो कि हर साल बारिश के समय कोसी के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए परेशानी सामने आती है. हर साल निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा रहता है. किसानों की फसलें डूब जाती हैं. इस बार भी हुआ है. इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है. किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है. किसानों की मानें तो करीब 200 एकड़ में लगी मूंग और मक्के की फसल पूरी तरह से डूब गई है. उधर, प्रशासन और स्थानीय लोग किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार हैं. हालांकि फिलहाल खतरे वाली कोई बात नहीं है. ये जरूर है कि अचानक पानी आ जाने से किसानों को काफी नुकसान हुआ है. वहीं दूसरी ओर लोगों में भी नाराजगी है कि अब तक नाव आदि की व्यवस्था नहीं की गई है.

कोसी नदी

नूना-बकरा नदी में उफान पर, सिकटी प्रखंड में सड़क बहा

फारबिसगंज/अररिया । नेपाल में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश से अररिया के जिला मुख्यालय होकर बहने वाली प्रमाण नदी, नूना और बकरा नदी उफान पर है. इन नदियों के उफान से निचले क्षेत्रों में तीन से चार फीट पानी भर गया है. इसे लेकर लोग सुरक्षित ठिकाने की तरफ पलायन करने लगे हैं. सीमावर्ती क्षेत्र सहित नेपाल में हो रही लगातार बारिश से नेपाल के ईटहरी, धूबी व बिराटनगर जलमग्न हो गया है. साथ ही इन इलाकों में बहने वाली नदियां बूढ़ी खोला, सिंघिया व कैसले नदी भी उफान पर है. टिकुलिया में पानी की तेज धार को देखते हुए जोगबनी नप के कार्यपालक पदाधिकारी व कुछ जनप्रतिनिधि पानी की तेज बहाव वाली जगह पर पहुंचे व लोगों के सुचारू आवागमन हेतु मोटी रस्सी लगाई गई. इससे लोग तेज बहाव से बचते हुए सड़क को पार कर सके. कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया की तेज बहाव वाले स्थानों पर नगर परिषद द्वारा दो कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है.

जमुई में बदमाशों ने जमकर मचाया उत्पात

छह युवकों को पीटा, पथराव किया,दर्जनों फायरिंग भी की

संवाददाता ।जमुई

जमुई में बदमाशों ने जमकर उपद्रव मचाया. छह युवकों को मारपीट कर घायल कर दिया. इतना ही नहीं एक दर्जन बाइक, एक चार पहिया वाहन और एक गोलगप्पे की ठेला को क्षतिग्रस्त कर दिया. इसके अलावा कई घर के दरवाजे पर पत्थर भी फेंके. अंत में दहशत फैलाने के उद्देश्य से एक दर्जन से अधिक राउंड हवाई फायरिंग भी किया. वही मारपीट में घायल की पहचान शाहपुर निवासी धीरेंद्र कुमार, छोटू कुमार व प्रमोद कुमार का नाम शामिल है.

बताया जाता है कि शाहपुर गांव निवासी सोनू शेख का किस बात को लेकर नारडीह गांव निवासी सौरभ पासवान, सौरभ रावत व महिसौड़ी निवासी विक्की, बीकू ठाकुर व अन्य के साथ विवाद चल रहा था. इसी बता को लेकर बुधवार की देर शाम सोनू शेख जमुई से अपना घर शाहपुर लौट रहा था. तभी नारडीह गांव के पास विक्की पासवान, बिक्कू ठाकुर, सौरभ सहित 20 से 25 युवक उसके साथ मारपीट करने लगा. हालांकि, युवक किसी तरह वहां से भाग कर अपने घर शाहपुर पहुंच गया. वही उसका पीछा करते हुए 20 से 25 युवक लाठी डंडे व हथियार से लैस होकर सोनू के घर शाहपुर पहुंचे. स्थानीय लोगों ने सभी को समझाकर बुझाकर वापस भेज दिया. लेकिन, दोबारा 25 से 30 की संख्या में हथियार से लैस होकर पहुंचे बदमाश युवकों ने गोली चला दी.

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस की टीम.

नदी में डूबने से 65 साल के किसान की मौत

अररिया । फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत स्थित नयानगर के समीप बहने वाली पनार धार के गहरे पानी में डूबने से 65 वर्षीय किसान की मौत हो गई. घटना गुरुवार दोपहर की है. मृतक का नाम राजो दास है, जो फारबिसगंज थाना क्षेत्र के तिरसकुंड नयानगर का निवासी है. वह नित्य दिन की भांति धार को पारकर अपने खेत को देखने के लिए जा रहा था.

अपराधियों ने युवक को मारी गोली, हालत गंभीर, भर्ती

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में बारात में शामिल होने आए युवक को अपराधियों ने गोली मारकर जख्मी कर दिया. घटना के रमनगरा गांव की है. घायल की पहचान अब्बास रंगरेज के रूप में की गई है. मिली जानकारी के अनुसार, अब्बास रंगरेज अपने रिश्ते में लगने वाले भाई मुन्ना रंगरेज के बेटे के शादी में शामिल होने आया था. इसी दौरान उसे किसी विवाद को लेकर गोली मार दी है. जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया है. जख्मी हालत में युवक को आनन-फानन में स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए सीतामढ़ी के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. फिलहाल उसका इलाज कराया जा रहा है. जख्मी युवक की स्थिति नाजुक बताई जा रही है.

कारोबार

नई नियुक्तियों में 25% विवाहित महिलाएं होंगी

नयी दिल्ली । एप्पल आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन ने सरकार को सूचित किया कि उसके नए कर्मचारियों में से 25 प्रतिशत विवाहित महिलाएं हैं और उसका सुरक्षा नियमन भेदभावपूर्ण नहीं है. फॉक्सकॉन के विवाहित महिलाओं को नौकरी पर नहीं रखने की खबरों के बीच सरकार को यह जानकारी दी गई. सूत्रों ने बताया कि फॉक्सकॉन ने सरकार के साथ साझा की अनौपचारिक जानकारी में कहा कि इस तरह की शर्तें उसकी नीति का हिस्सा नहीं हैं. ये दावे उन लोगों द्वारा किए गए हो सकते हैं जिन्हें नौकरी पर नहीं रखा गया.

एमक्योर फार्मा तीन को लाएगी आईपीओ

नयी दिल्ली । बेन कैपिटल समर्थित एमक्योर फार्मास्युटिकल्स तीन जुलाई को अपना आईपीओ लाने के लिए तैयार है. आईपीओ दस्तावेज के अनुसार, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम पांच जुलाई को बंद होगा. एंकर (बड़े) निवेशक दो जुलाई को बोली लगा पाएंगे. आईपीओ में 800 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर और 1.14 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश शामिल है. एमक्योर कई प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्रों में औषधि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के विकास, विनिर्माण और वैश्विक स्तर पर विपणन का काम करती है.

जयपुर रग्स ने लंदन में स्टोर खोला

नयी दिल्ली । हस्तनिर्मित कालीन बनाने वाली कंपनी जयपुर रग्स के निदेशक योगेश चौधरी ने कहा कि कंपनी ने इस सप्ताह लंदन में अपना एक शोरूम खोला है तथा चालू वित्त वर्ष में दो और अंतरराष्ट्रीय स्टोर खोलने की योजना है. जयपुर रग्स ने दिसंबर 2021 में दुनिया की फैशन राजधानी इटली के मिलान में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्टोर खोला था. चौधरी ने कहा, हम मिलान और दुबई में अपनी सफलता के बाद वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति का विस्तार करने को लेकर उत्साहित हैं. हम लंदन में अपने नए शोरूम के जरिए वैश्विक ग्राहकों तक भारतीय डिजाइन और शिल्प पहुंचा रहे हैं.

फिल्म की स्क्रीनिंग

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी पत्नी फिल्म निर्माता और लेखिका ताहिरा कश्यप के साथ मुंबई में प्राइम वीडियो फिल्म शर्माजी की बेटी की स्क्रीनिंग में शामिल हुए.

अल्ट्राटेक सीमेंट इंडिया सीमेंट्स में 23% हिस्सेदारी खरीदेगी

नयी दिल्ली । प्रमुख सीमेंट विनिर्माता अल्ट्राटेक सीमेंट ने चेन्नई स्थित इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 1,885 करोड़ रुपये में खरीदने की गुरुवार को घोषणा की. अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, कंपनी 267 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर इंडिया सीमेंट्स के 7.06 करोड़ शेयर खरीदेगी. कंपनी सूचना के अनुसार, उसके निदेशक मंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड के 7.06 करोड़ शेयर खरीदने के लिए वित्तीय निवेश करने को मंजूरी दे दी. 267 रुपये प्रति शेयर के आधार पर इस अधिग्रहण का लेनदेन मूल्य 1,885 करोड़ रुपये बैठता है. अल्ट्राटेक के अनुसार, यह गैर-नियंत्रित वित्तीय निवेश इंडिया सीमेंट्स की शेयर पूंजी का करीब 23 प्रतिशत है. सीमेंट विनिर्माता अल्ट्राटेक सीमेंट लगातार विस्तार कर रही है उसने पिछले 12 महीने में अपनी क्षमता को 18.7 एमटीपीए बढ़ाया है.

7 शहरों में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर 5%

नयी दिल्ली । देश के सात प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर करीब 1.2 लाख इकाई हो गई. कीमतों में उछाल के कारण मांग में पिछली तिमाही की तुलना में आठ प्रतिशत की गिरावट आई है. रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने चालू अप्रैल-जून तिमाही के लिए हाउसिंग मार्केट के आंकड़े गुरुवार को जारी किए. एनारॉक के अनुसार, अप्रैल-जून 2024 में सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 1,20,340 इकाई रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,15,090 इकाई थी. हालांकि, जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में बिक्री में आठ प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है. जनवरी-मार्च तिमाही में 1,30,170 इकाइयों की बिक्री हुई थी.

गुवाहाटी हवाई अड्डे का 2,000 करोड़ रु. का नया टर्मिनल अप्रैल 2025 में खुलेगा

एजेंसी ।गुवाहाटी

गुवाहाटी में अदाणी समूह द्वारा संचालित गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे का नया टर्मिनल अप्रैल 2025 तक तैयार हो जाएगा. मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी (सीएओ) उत्पल बरुआ ने पीटीआई-भाषा को बताया कि 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत से बनाए जा रहे टर्मिनल को पहले दिसंबर 2024 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन डिजाइन में बदलाव के कारण इसमें करीब चार महीने की देरी हो गई. उन्होंने कहा, हमारा नया टर्मिनल अप्रैल 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा.

इमारत में और अधिक सुविधाएं शामिल करने के लिए 'डिजाइन' में किए बदलाव से थोड़ी देरी हुई है. हम इसे देश का सबसे प्रभावी टर्मिनल बनाना चाहते हैं. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त 2020 में अदाणी एंटरप्राइजेज को संचालन, प्रबंधन तथा विकास के लिए गुवाहाटी हवाई अड्डे को 50 वर्षों के लिए पट्टे पर देने की मंजूरी दी थी. अक्टूबर 2021 में प्रबंधन को गुजरात स्थित इकाई को हस्तांतरित करने से पहले एएआई नए टर्मिनल का विकास कर रहा था.

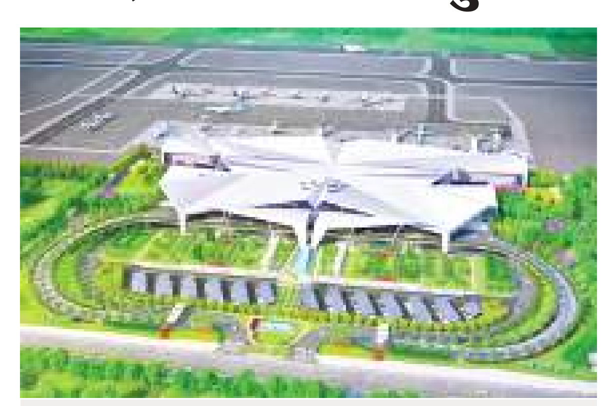

स्पर्श सीसीटीवी 300 करोड़ रुपये करेगी निवेश

नयी दिल्ली । स्पर्श सीसीटीवी की अगले पांच साल में 300 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है. कंपनी सरकार के 'मेड इन इंडिया' (भारत निर्मित) निगरानी उपकरणों के इस्तेमाल पर जोर दिए जाने से उत्पन्न नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपनी क्षमताएं बढ़ाना चाहती है. इस निवेश से इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा उपकरणों की अग्रणी विनिर्माता कंपनी को अपने काशीपुर संयंत्र में परिचालन बढ़ाने में मदद मिलेगी. इस निवेश तथा काशीपुर सुविधा के बाद उत्पादन क्षमता 10 लाख यूनिट प्रति माह हो जाएगी. स्पर्श सीसीटीवी की मौजूदा क्षमता 25 लाख यूनिट प्रति वर्ष है.

बरुआ ने बताया कि नया टर्मिनल प्रति वर्ष 1.31 करोड़ यात्रियों का प्रबंधन कर पाएगा, जबकि मौजूदा टर्मिनल केवल 34 लाख यात्रियों का प्रबंधन कर पाता है. संरचना के विकास में निवेश के बारे में पूछे जाने पर बरुआ ने कहा, पूरी सुविधा में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं. इसमें से करीब 1,600 करोड़ रुपये टर्मिनल भवन में निवेश किए जा रहे हैं, जबकि शेष राशि का इस्तेमाल एक नया 'टैक्सीवे' बनाने और 'रनवे' का विस्तार करने में किया जाएगा.

मार्केट

शेयर बाजार ने गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बनाया ऑल टाइम हाई

सेंसेक्स 79,243 व निफ्टी 24,044 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद

- सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली है

एजेंसी ।मुंबई

शेयर बाजार ने गुरुवार को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है. सेंसेक्स 568 अंक की बढ़त के साथ 79,243 के स्तर पर बंद हुआ. निफ्टी में भी 175 अंक की बढ़त रही. ये 24,044 के स्तर पर बंद हुआ. इससे पहले कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,396 और निफ्टी ने 24,087 का ऑल टाइम हाई बनाया. शेयर बाजार ने 25 और 26 जून को भी ऑल टाइम हाई बनाया था. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली है.

मेटल, एनर्जी और आईटी शेयर्स में ज्यादा तेजी है. निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 2.03% की तेजी रही. अल्ट्राटेक सीमेंट 5.45% की तेजी के साथ निफ्टी का टॉप गेनर रखा. एलएंडटी का शेयर 1.11% की गिरावट के साथ निफ्टी टॉप लूजर रहा. अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंडिया सीमेंट्स में 23% की इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है. इंडिया सीमेंट्स के 7.06 करोड़ स्टॉक्स को 267 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से अल्ट्राटेक खरीदेगी. इस हिसाब से इस डील की कुल कीमत करीब 1,885 करोड़ रुपए हो सकती है.

इस डील का असर अल्ट्राटेक सीमेंट और इंडिया सीमेंट के शेयर में तेजी देखने को मिली है. इंडिया सीमेंट के शेयर 29.13 रुपए (11.09%) चढ़कर 291.75 रुपए पर बंद हुआ.

वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट 606.75 रुपए (5.45 %) चढ़कर 11,749.85 रुपए पर बंद हुआ. वहीं एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ का गुरुवार को आखिरी था. ये इश्यू टोटल 27 जून को 2 बजे तक 24.67 गुना सब्सक्राइब हो चुका है. रिटेल कैटेगरी में यह आईपीओ 4.44 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 53.01 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 33.94 गुना सब्सक्राइब हुआ.

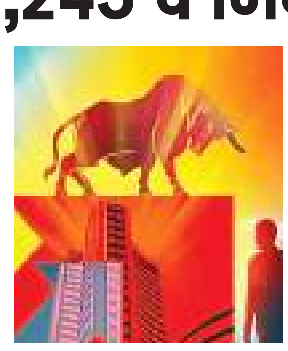

कल बाजार ने बनाया था ऑल टाइम हाई

इससे पहले कल यानी बुधवार को शेयर बाजार ने लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया था. सेंसेक्स 620 अंक की तेजी के साथ रिकॉर्ड 78,674 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं निफ्टी में भी 147 अंक की तेजी रही. ये 23,868 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. इससे पहले कल कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 78,759 और निफ्टी ने 23,889 का स्तर छुआ. वहीं 25 जून को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था.

गूगल इंडिया के खिलाफ दायर शिकायत खारिज की

एजेंसी ।नयी दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल इंडिया के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया है, जिसमें कॉलर आईडी और स्पैम बचाव ऐप के बाजार में ट्रूकॉलर को लाभ पहुंचाने के लिए अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था. निष्पक्ष व्यापार नियामक ने शिकायत को खारिज करते हुए कहा कि उसे प्रतिस्पर्धा कानून के उल्लंघन का कोई सबूत नहीं मिला है. आयोग ने कहा, हमें लगता है कि इस मामले में गूगल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा चार के प्रावधानों के उल्लंघन का प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है. प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा चार किसी कंपनी के प्रभुत्व की स्थिति का दुरुपयोग करने से संबंधित है. यह फैसला रचना खैरा की तरफ से दायर शिकायत पर आया है जिसमें गूगल पर निजी संपर्क से संबंधित सूचना साझा करने के लिए ट्रूकॉलर को विशेष पहुंच प्रदान करने का आरोप लगाया गया था, जबकि अन्य ऐप को यह पहुंच नहीं दी गई. इसके अलावा शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गूगल की इस गतिविधि ने बाजार को विकृत कर दिया है.

ब्रीफ खबरें

राज्यसभा में छह नए सदस्यों ने ली शपथ

नयी दिल्ली । राज्यसभा में गुरुवार को छह नए सदस्यों ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली. कांग्रेस के अखिलेश प्रताप सिंह, झामुमो के डॉ सरफराज अहमद, भाजपा के प्रदीप कुमार वर्मा, बंसीलाल गुर्जर, माया नारोलिया और बालयोगी उमेशनाथ को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई. सभापति जगदीप धनखड़ ने नए सदस्यों का सदन में स्वागत किया. इस दौरान प्रधानमंत्री, सदन के नेता नड्डा और सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे मौजूद थे.

जेपी नड्डा बने राज्यसभा में सदन के नेता

नयी दिल्ली । केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को गुरुवार को राज्यसभा में सदन का नेता नियुक्त किया गया. सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन में इसकी घोषणा की. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के बाद जब उच्च सदन की बैठक प्रारंभ हुई तो सभापति धनखड़ ने नड्डा को उच्च सदन का नेता घोषित किया. नड्डा इसी वर्ष गुजरात से निर्वाचित होकर उच्च सदन में पहुंचे हैं और उनका कार्यकाल 2030 तक है. नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायनिक एवं उर्वरक मंत्री भी हैं.

पूर्व सांसद पहलमान सुब्बा का निधन

गंगटोक । सिक्किम से लोकसभा के पूर्व सदस्य पहलमान सुब्बा का लंबी बीमारी के बाद गंगटोक के समीप एक अस्पताल में गुरुवार को निधन हो गया. वह 90 वर्ष के थे. उनके परिवार ने यह जानकारी दी. सुब्बा ने एसजेपी के टिकट पर 1980 का चुनाव सफलतापूर्वक लड़ा और 1984 तक सांसद रहे. वह राज्य के दूसरे सांसद लेकिन चुनाव लड़ने वाले पहले सांसद थे. सिक्किम के भारत संघ का हिस्सा बनने के बाद कांग्रेस नेता छत्र बहादुर छेत्री को 1977 के लोकसभा चुनाव में निर्विरोध चुना गया था.

रेस्तरां में गोलीबारी में दो लोगों की मौत

इरविंग । अमेरिका के टेक्सास प्रांत के सबसे बड़े शहर डलास में एक रेस्तरां में गोलीबारी की घटना में दो लोग मारे गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने कहा कि उसने इस हमले के एक संदिग्ध की पहचान कर ली है, हालांकि अभी तक उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है. पुलिस ने कहा कि किसी नागरिक की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है. घटना के संबंध में टेलीविजन में दिखाए जा रहे वीडियो में 'चिक-फिल-ए' रेस्तरां में खिड़कियों के बाहर स्क्रीन लगी हुई और पुलिस के वाहन खड़े दिखाई दे रहे हैं. हालांकि पुलिस ने यह पुष्टि नहीं की है.

अरविंद केजरीवाल झुकेंगे नहीं : भगवंत

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर चाहे जितने भी अत्याचार किए जाएं वह झुकेंगे नहीं. मान का यह बयान दिल्ली के मुख्यमंत्री को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद आया है. पंजाब के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में केजरीवाल की तस्वीर भी साझा की है. उन्होंने कहा, ये तस्वीर तानाशाही के खिलाफ संघर्ष की है.

गुरुवार को नयी दिल्ली में लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त सत्र को संबोधित करने से पहले संसद भवन परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू. फोटो : पीटीआई

राष्ट्रपति ने लोस और रास की संयुक्त बैठक को संबोधित किया, बोलीं

भारतीय संविधान पर सबसे बड़ा हमला था आपातकाल

लगातार न्यूज । नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा. 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक में मुर्मू का यह पहला संबोधन था.अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने आपातकाल को करारा हमला बोला. उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में भारत एक गणतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है.

भारतीय संविधान ने बीते दशकों में हर चुनौती और कसौटी पर खरा उतरा है. देश में संविधान लागू होने के बाद भी संविधान पर कई हमले हुए हैं. 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हमला था. जब इसे लगाया गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश ने ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त की है. मेरी सरकार भी संविधान को सिर्फ शासन का माध्यम नहीं बना सकती. हम अपने संविधान को जनचेतना का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं. इसी के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है. हमने जम्मू-कश्मीर में संविधान पूरी तरह लागू किया है, जहां अनुच्छेद 370 के कारण स्थिति अलग थी.

राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में बताया सरकार का रोडमैप

राज्य के विकास से देश का विकास

उन्होंने कहा कि मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो. यही कंपटीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है. राज्य के विकास से देश का विकास, इसी भावना के साथ हम आगे बढ़ते रहेंगे. उन्होंने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है. पीएलआई योजना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं. पारंपरिक सेक्टर्स के साथ-साथ सनराइज सेक्टर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जा रहा है. राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक एविएशन मार्केट है. अप्रैल 2014 में भारत में सिर्फ 209 एयरलाइन रूट्स थे. अप्रैल 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 605 हो गई है. हवाई यात्रा में हो रहे इस विस्तार का सीधा लाभ टीयर-2, टीयर-3 शहरों को हो रहा है. उन्होंने कहा कि मेरी सरकार ने 10 वर्षों में पीएम ग्रामीण सड़क योजना के तहत गांवों में 3 लाख 80 हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई हैं. आज भारत में नेशनल हाईवेज और एक्सप्रेसवेज का जाल बिछ रहा है.

राष्ट्रपति ने पढ़ी सरकार की पटकथा, आज है अघोषित आपातकाल : विपक्ष

नयी दिल्ली । विपक्षी नेताओं ने गुरुवार को संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए अभिभाषण को सरकार द्वारा दी गई और झूठ पर आधारित पटकथा करार दिया और कहा कि सरकार को 1975 के आपातकाल के बजाय आज के अघोषित आपातकाल पर जवाब देना चाहिए. राष्ट्रपति मुर्मू ने गुरुवार को गुरुवार को अपने अभिभाषण में 1975 में लागू आपातकाल का उल्लेख किया और इसे संविधान पर सीधे हमले का सबसे बड़ा एवं काला अध्याय करार देते हुए कहा कि ऐसे अनेक हमलों के बावजूद देश ने असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त करके दिखाई. राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के, मोदी सरकार लिखित अभिभाषण को सुनकर ऐसा लगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव के जनादेश को नकारने की कोशिश कर रहे हैं. समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, भारत के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कहानी बताई जा रही है... क्या उसने हमारे किसानों को समृद्ध बनाया है? तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि राष्ट्रपति ने सरकार द्वारा दी गई पटकथा पढ़ी और भाजपा को अभी तक यह एहसास नहीं हुआ है कि उसके पास अपने दम पर बहुमत नहीं है. भाकपा (माले) के सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा, वह घोषित आपातकाल था और आज का आपातकाल घोषित नहीं किया गया है.

मणिपुर में तलाशी अभियान के दौरान हथियार बरामद

- विष्णुपुर जिले में हाई कैनाल के पास केइनौ मैनिंग में ली तलाशी

एजेंसी । इंफाल

सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व और विष्णुपुर जिलों के कुछ हिस्सों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया. पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. सुरक्षा बलों को अभियान के दौरान 11 ग्रेनेड, छह आईईडी, पांच .303 राइफल, तीन डेटोनेटर, एक कार्बाइन, एक बंदूक, विभिन्न प्रकार के बम और गोला-बारूद के अलावा चार वॉकी-टॉकी और दो रेडियो मिले.

राज्य पुलिस ने एक बयान में कहा कि ये बरामदगी पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान की गई. पुलिस ने बताया कि विष्णुपुर जिले में हाई कैनाल के पास केइनौ मैनिंग में तलाशी अभियान के दौरान एक 'एसएमजी कार्बाइन', नौ एमएम की एक पिस्तौल, नौ ग्रेनेड, दो 'स्मोक बम' और विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद बरामद हुए, वहीं एक अन्य अभियान के दौरान पांच .303 राइफल, 12 बोर की दो बंदूकों सहित अन्य सामान बरामद किए गए.

पिता की जान बचाने के लिए लीवर दान करेगी नाबालिग बेटी, अदालत ने दी मंजूरी

एजेंसी । इंदौर

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने लीवर (यकृत) की गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक किसान को गुरुवार को इस बात की मंजूरी दी कि वह प्रतिरोपण सर्जरी के लिए अपनी 17 वर्षीय बेटी से इस अंग का हिस्सा दान में ले सकता है.

इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र में खेती-किसानी करने वाले शिवनारायण बाथम (42) ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके गुहार लगाई थी कि उनकी 17 वर्षीय बेटी उन्हें अपने लीवर का हिस्सा दान करने को तैयार है और उन्हें प्रतिरोपण की अनुमति दी जाए. उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा के सामने याचिका पर सुनवाई के दौरान शासकीय वकील ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से गठित चिकित्सकीय बोर्ड ने नाबालिग लड़की की स्वास्थ्य जांच के बाद पाया है कि वह अपने बीमार पिता को लीवर का हिस्सा दान कर सकती है. अदालत ने चिकित्सकीय बोर्ड की इस रिपोर्ट के मद्देनजर बाथम की याचिका मंजूर कर ली.

एकल पीठ ने यह ताकीद भी की कि लीवर प्रतिरोपण की प्रक्रिया तमाम एहतियात बरतते हुए जल्द से जल्द पूरी की जाए. बाथम के वकील निलेश मनोरे ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पिछले छह साल से लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे उनके मुवक्किल शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं. मनोरे ने बताया कि उनके मुवक्किल की पांच बेटियां हैं और उन्हें अपने लीवर का हिस्सा दान करने की इच्छा जताने वाली बेटी उनकी सबसे बड़ी संतान है. उन्होंने बताया कि प्रीति 31 जुलाई को 18 साल की हो जाएगी. मनोरे ने बताया, बाथम के पिता 80 साल के हैं, जबकि उनकी पत्नी मधुमेह की मरीज हैं.

भूमि विवाद में एक महिला की मौत, आठ घायल

केंद्रपाड़ा । ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के एक गांव में दो समूहों के बीच भूमि विवाद में हिंसक झड़प हुई जिसमें एक महिला की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि यह घटना राजकनिका पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत संग्रामपुर गांव में बुधवार दोपहर को हुई. उसने बताया कि मृतक की पहचान सुशीला नायक (58) के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि हिंसक झड़प के दौरान लकड़ी के तख्ते से हमला किए जाने के कारण महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी. राजकनिका पुलिस थाने के निरीक्षक दिलीप दुल ने बताया कि ऐसा संदेह है कि संपत्ति विवाद में यह हिंसक झड़प हुई. उन्होंने कहा, इस घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. हमने तीन लोगों को हिरासत में लिया है जबकि अन्य आरोपी गांव से भाग गए हैं.

जलमंत्री आतिशी को एलएनजेपी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई

- आतिशी दिल्ली के हिस्से का पानी दिए जाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर थीं

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की मंत्री आतिशी को गुरुवार सुबह एलएनजेपी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. आतिशी दिल्ली में जल संकट के खिलाफ अनशन पर थीं और तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि आतिशी को सुबह साढ़े दस बजे अस्पताल से छुट्टी दी गई. आतिशी भाजपा शासित हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी दिए जाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी थीं.

अनशन कर रही आतिशी की तबीयत पांचवें दिन बिगड़ने लगी थी और उनके ब्लड शुगर का स्तर गिरने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. उन्हें शुरुआत में अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था लेकिन बाद में हालत में सुधार होने पर उन्हें सामान्य वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया था.

सशस्त्र बल के जवान ने खुद को गोली मारी, घायल, भर्ती

- रामपुरम स्थित सीएएफ के शिविर में जवान मनोज दिनकर ने खुदकुशी करने की कोशिश की

एजेंसी । बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली. घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भोपालपटनम क्षेत्र के अंतर्गत रामपुरम स्थित सीएएफ के शिविर में जवान मनोज दिनकर ने अपनी सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली.

उन्होंने बताया कि दिनकर गुरुवार सुबह जब अपने शिविर में था तब लगभग पांच बजे उसने खुद को गोली मार ली. गोली की आवाज सुनने के बाद वहां मौजूद अन्य जवान दिनकर के बैरक में पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया. अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान को जगदलपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उसकी स्थिति गंभीर है. उन्होंने बताया कि जवान ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी नहीं मिली है. पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है.

सक्षम मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया : उत्तर कोरिया

सियोल । उत्तर कोरिया ने गुरुवार को कहा कि उसने कई मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है. उत्तर कोरिया का यह बयान दक्षिण कोरिया की ओर से बुधवार को दिए गए उस बयान से ठीक विपरीत है जिसमें कहा गया था कि उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया लेकिन वह सफल नहीं रहा. उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि 'मल्टीपल इंडिपेंडेंट रीएंट्री व्हीकल' की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मुखास्त्र को पृथक करने और उस पर नियंत्रण की जांच संबंधी परीक्षण किया गया. समाचार एजेंसी ने अपनी खबर में कहा कि पृथक किए गए मुखास्त्रों को तीन समन्वित लक्ष्यों की ओर सही तरीके से आगे बढ़ाया गया.

अमर्त्य सेन ने कहा, लोकसभा चुनाव के नतीजे दिखाते हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है

एजेंसी । कोलकाता

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजे यह दिखाते हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है. उन्होंने इस बात पर नाखुशी जताई कि देश में बिना मुकदमा चलाये लोगों को सलाखों के पीछे रखने का अंग्रेजों के शासनकाल का चलन अब भी जारी है और कांग्रेस सरकार की तुलना में यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में अधिक है. सेन (90) ने यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बंगाली समाचार चैनल से कहा, चुनाव नतीजे यह दिखाते हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है. प्रख्यात अर्थशास्त्री बुधवार शाम को अमेरिका से कोलकाता पहुंचे. उन्होंने कहा, हम हमेशा हर चुनाव के बाद

एक बदलाव देखने की उम्मीद करते हैं. पहले जो कुछ हुआ है (भाजपा नीत केंद्र सरकार के कार्यकाल में) जैसे कि बिना मुकदमा चलाये लोगों को जेल में डालना और अमीर तथा गरीब के बीच की खाई गहरी करना, वह अब भी जारी है. इसे रोका जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से खुले विचार रखने की जरूरत है खासतौर से जब भारत एक धर्मनिरपेक्ष संविधान के साथ एक धर्मनिरपेक्ष देश है.

नया केंद्रीय मंत्रिमंडल पहले की ही नकल है : सेन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत को हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार उचित है. उनका यह भी मानना है कि नया केंद्रीय मंत्रिमंडल पहले की ही नकल है. उन्होंने कहा, मंत्रियों के पास पहले वाले ही विभाग हैं. मामूली फेरबदल के बावजूद राजनीतिक रूप से शक्तिशाली लोग अब भी शक्तिशाली हैं. भाजपा के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवाने के बावजूद फैजाबाद लोस सीट हारने पर सेन ने कहा कि देश की असली पहचान को धूमिल करने का प्रयास किया गया. उन्होंने कहा, राम मंदिर बनवाने में काफी पैसा खर्च किया गया. भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में दर्शाने की कोशिश महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के देश में नहीं की जानी चाहिए.

बाइडन ने समलैंगिक यौन संबंधों के दोषी पूर्व सैन्यकर्मियों को किया माफ

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने समलैंगिक यौन संबंधों के दोषी हजारों पूर्व सैन्यकर्मियों को बुधवार को माफ कर दिया. बाइडन ने कहा कि वह 'एक ऐतिहासिक गलती को सुधार रहे हैं'. बाइडन के इस कदम से उन सैनिकों को क्षमा मिली है, जिन्हें 'यूनिफॉर्म कोड ऑफ मिलिट्री जस्टिस' के पूर्व अनुच्छेद 125 के तहत दोषी ठहराया गया था, जिसमें समलैंगिकता को अपराध माना जाता था. हालांकि अब इस कानून को निरस्त कर दिया गया है. अमेरिकी सेना में यह कानून 1951 में क्रियान्वित किया गया, साल 2013 में इसमें दोबारा संशोधन किया गया और इसमें केवल बलपूर्वक कृत्य पर रोक लगाई गई. अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इन सैन्यकर्मियों को माफ किए जाने से अब वे यह सबूत पाने की अर्जी दाखिल कर सकेंगे कि उनकी दोषसिद्धि समाप्त कर दी गई है.

जलवायु परिवर्तन | संयुक्त राष्ट्र के खाद्य व कृषि संगठन के एक अध्ययन से तथ्य सामने आया

भीषण गर्मी के कारण भारतीय महिलाओं की आय पर पड़ा असर

एजेंसी । नयी दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य व कृषि संगठन के एक अध्ययन से यह पता चला है कि दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन के बीच ग्रामीण इलाकों में महिला प्रधान परिवारों की आय में पुरुष प्रधान परिवारों के मुकाबले गर्मी के कारण औसतन आठ फीसदी तक की कमी आयी है. दिल्ली के सीमापुरी इलाके में कचरा बीनते वक्त पसीने से लथपथ माजिदा बेगम कहती हैं, यह जिंदा रहने का सवाल है. यह भारत में लाखों महिलाओं की हर दिन की कहानी है जो गर्मी और उमस दोनों की मार सह रही हैं. एनजीओ ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया में काम करने वाली सीमा भास्कर ने कहा कि पुरुष बेहतर कौशल के कारण माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्रों या 'सेवा क्षेत्र' की ओर बढ़ गए हैं जबकि महिलाएं अब भी असंगठित क्षेत्रों में मजदूरी कर रही हैं. माजिदा (65) इसका जीता-जागता उदाहरण है. माजिदा का पति 70 वर्ष का है और वह चल-फिर नहीं सकता तथा पूरी तरह माजिदा की कमायी पर निर्भर है. माजिदा को कचरे से पुनः इस्तेमाल होने वाली चीजें छांटने से रोजाना 250 रुपये की कमायी हो जाती है लेकिन जब वह बीमार होती है तो काम पर नहीं जा पाती. माजिदा ने कहा, हम रात में कुछ खाएंगे या नहीं, यह इस पर निर्भर करता है कि मैं दिनभर काम करूंगी या नहीं.

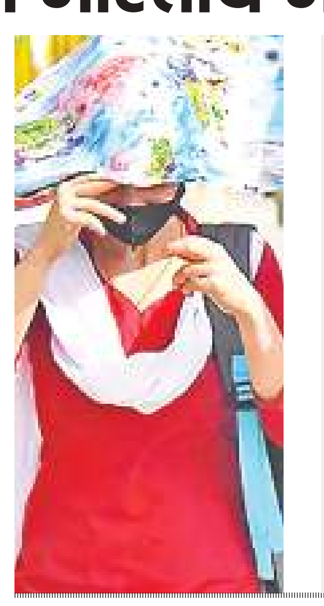

महिलाएं पुरुषों के मुकाबले औसतन 20% कम कमाती हैं

उन्होंने कहा, इतने वर्षों में मैंने इतनी गर्मी कभी नहीं देखी. गर्मी के कारण मैं बीमार पड़ गयी और 15 दिन तक काम नहीं कर पायी. मुझे दिल की बीमारी है लेकिन मैं घर पर नहीं बैठ सकती. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, महिलाएं पहले ही पुरुषों के मुकाबले औसन 20 फीसदी कम कमाती हैं तथा भीषण गर्मी के कारण यह खाई और बढ़ गयी है. छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले के कोकावाड़ा गांव की 28 वर्षीय बसंती नाग ने कहा कि इस बार गर्मियों में मतली और सुस्ती का अनुभव हुआ जो पहले कभी नहीं हुआ और महिलाएं के लिए दिक्कत बढ़ गयी जिन्हें पानी की तलाश में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है.

गर्मी के कारण रात में नींद नहीं आती थी

ग्रीनपीस इंडिया और नेशनल हॉकर्स फेडरेशन द्वारा किए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि दिल्ली में रेहड़ी-पटरी विक्रेता आठ महिलाओं में से सात को अप्रैल तथा मई में भीषण लू चलने के दौरान उच्च रक्त चाप की समस्या हुई जबकि मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं ने भीषण गर्मी के कारण माहवारी चक्र में देरी को लेकर चिंता जताई. सर्वेक्षण में भाग लेने वाली सभी महिलाओं ने बताया कि गर्मी के कारण उन्हें रात में नींद न आने की समस्या हुई और इसके कारण वह दिन भर थकान महसूस करती हैं. इस बार की गर्मी रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना रही है. इतिहास की सबसे भीषण गर्मी में से एक में देश में तापघात के 40,000 से अधिक मामले दर्ज होने और गर्मी के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत होने का संदेह है. मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, दिल्ली में 13 मई के बाद से 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाले लगातार 40 दिन दर्ज किए गए और इस साल गर्मी के कारण करीब 60 लोगों की मौत हुई.

केरल में भारी बारिश, कई जिलों में चेतावनी जारी

तिरुवनंतपुरम । केरल के कई हिस्सों में बुधवार रात को मूसलाधार बारिश हुई जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों से पहाड़ी और जलमग्न क्षेत्रों की यात्रा करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया है. आईएमडी ने गुरुवार को राज्य के सात जिलों में ऑरेंज अलर्ट और शेष जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है. जारी किए गए ऑरेंज अलर्ट का मतलब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर तक अत्यधिक बारिश होना और येलो अलर्ट का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश होना है. आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुवार को कहा कि कन्नूर और कासरगोड जिलों में कई स्थानों पर भारी बारिश होने और अधिकतम 40 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)